जबलपुर शुक्रवार 5 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी

वर्ष 31 अंक 336 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 39.0°C
न्यूनतम तापमान 27.8°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.54

शासकीय कार्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाने के ⏩ 2

कॉमेडी को जीवंत बना देते हैं वरुण धवन : पूजा हेगड़े ⏩ 7

लघु उद्योग भारती के प्रयासों से एमएसएमई एवं ⏩ 9

व्यवस्था के भीतर बगावत की स्थिति

1 साल के भीतर प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे नरेंद्र मोदी: राहुल

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि नरेंद्र मोदी एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, क्योंकि जिस व्यवस्था पर कभी उनकी पकड़ थी, वह अब हिल चुकी है और अंदर से टूट रही है। राहुल गांधी नई दिल्ली के इंदिरा भवन में आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में कई जनजातीय नेता शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा, एक 'आर्थिक सुनामी' आने वाली है और जनता के दबाव के कारण व्यवस्था के भीतर भी विद्रोह की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने दावा किया, जिस व्यवस्था को कभी मोदी नियंत्रित करते थे, वह अब बिखर रही है। वही व्यवस्था अब उन्हें प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों के बारे

में जानकारी दे रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने जनजातीय नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, मेरे आकलन में मोदीजी एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि एक बड़ी आर्थिक सुनामी आने वाली है। इसके पीछे कारण यह है कि भारत की वह सुरक्षा व्यवस्था, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के झटकों से देश को बचाती थी, उसे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने हटा दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा, एक तरफ बहुत बड़ी आर्थिक सुनामी आने वाली है, महंगाई बढ़ रही है और यह तो सिर्फ शुरुआत है। भारत ऐसा आर्थिक संकट देखेगा, जैसा आपने अपने जीवन में कभी नहीं देखा होगा। यह होने वाला है और इसे कोई नहीं रोक सकता। दूसरी तरफ भारत की संस्थाओं के भीतर बगावत चल रही है। चुनाव आयोग पूरी तरह नियंत्रित है।

चुनाव आयोग पर फिर लगाया गंभीर आरोप

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त उन्हें संदेश भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों के प्रमुख और न्यायपालिका के वरिष्ठ सदस्य भी उनसे संपर्क कर रहे हैं। गांधी के अनुसार, सब लोग विद्रोह कर रहे हैं और हमें जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा, नियंत्रण की पूरी व्यवस्था अंदर से टूट रही है। जनता का दबाव इतना बढ़ जाएगा कि अगर वे इसी रास्ते पर चलते रहे, तो यह उनके लिए खतरा बन जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को यह महसूस हो जाए कि चुनाव प्रणाली में गड़बड़ी हो रही है और आर्थिक दबाव के कारण जनता का आक्रोश बाहर आ जाए, तो चुनाव आयोग भी इस बात को लेकर चिंतित होगा कि आगे क्या होगा। उन्होंने दावा किया कि व्यवस्था हिल चुकी है और अब उन्हें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों से जुड़ी जानकारियां मिल रही हैं।

आपातकाल लगाने की संभावना

राहुल गांधी ने कहा, संभव है कि वे जनता के दबाव को दबाने की कोशिश करें और आपातकाल जैसी कोई स्थिति लागू करें। यह संभव है। उन्होंने कहा, हम अब दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे हैं। पहले उनके पास पूरा नियंत्रण था, लेकिन अब वह नियंत्रण खो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि पीएम मोदी को इस स्थिति की जानकारी है। उन्होंने कहा, जब मैं मोदीजी से मिलता हूं और उनकी बैठकों में शामिल होता हूं, तो मेरे पास उनके बारे में इतनी जानकारी होती है कि उन्हें भी पता होता है कि मुझे यह सब पता है। जब मैं उनसे मिलता हूं, तो उन्हें मालूम होता है कि जिस व्यवस्था को वे कभी नियंत्रित करते थे, वह अब हिल चुकी है और सारी जानकारी मुझे दे रही है। फिलहाल यही स्थिति चल रही है। मोदी, अमित शाह, उनके बेटे के बारे में, मंत्रियों, अजीत डोभाल के बारे में पूरी जानकारी मिल रही है। अब ये हो सकता है कि जनता के दबाव को ये दबाने की कोशिश करें और इमरजेंसी जैसी चीज कर दें।

आकांक्षा की मौत विफलता का परिणाम

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट परीक्षा गड़बड़ी के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि नीट पेपर लीक के कारण जान गंवाने वाली आकांक्षा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि एक भ्रष्ट और टूटी हुई व्यवस्था का परिणाम है। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। उसके पिता किसान हैं, जिन्होंने बेटी के सपने को पूरा करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर तीन लाख रुपये का कर्ज लिया और नागपुर में रसोइए की नौकरी की, ताकि वह कोचिंग कर सके। कांग्रेस नेता ने कहा कि एक पिता ने अपनी ओर से हर संभव प्रयास किया, लेकिन नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के बाद पैदा हुई अनिश्चितता के बीच आकांक्षा हमें छोड़कर चली गई। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह केवल एक छात्रा की त्रासदी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विफलता का प्रतीक है।

महिलाओं, बच्चों के पोषण में विफल सरकार छिपा रही है आंकड़े : खड़गे

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य तथा पोषण के मुद्दों पर विफल रहने का आरोप लगाया। श्री खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि देश में प्रत्येक पांच में से एक बच्चा तीव्र कुपोषण का शिकार है। एक-तिहाई बच्चे कम वजन के हैं, छह से 23 माह आयु वर्ग के 84 प्रतिशत से अधिक बच्चों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है तथा 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग की 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। उनका आरोप है कि मोदी सरकार अपनी नाकामियों को उजागर करने वाले महत्वपूर्ण आंकड़ों को जानबूझकर छिपा रही है। उन्होंने कहा कि एनएफएचएस-6 के आंकड़ों ने भारतीय जनता पार्टी की अक्षमता को बेनकाब कर दिया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि सरकार चुनिंदा आंकड़ों को दबाने, कमजोर वर्गों की उपेक्षा करने, प्रचार के माध्यम से सकारात्मक छवि पेश करने, वास्तविक स्थिति से ध्यान भटकाने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि बचाने की रणनीति अपनाते हुए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार को जवाबदेह होना चाहिए और सभी आंकड़े सार्वजनिक कर वास्तविक स्थिति सामने रखनी चाहिए।

चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंगों की पेन्टिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन की प्रतिभाशाली बेटी दीक्षा की कला को वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिलने पर बधाई दी है। दीक्षा ने केवल 22 मिनट में 8 मिमी आकार की चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंगों की पेंटिंग बनाकर असाधारण कला का प्रदर्शन कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उसे उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षा ने अपनी प्रतिभा से देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल होकर दीक्षा ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर ली है।

मुजफ्फरपुर के हॉस्पिटल में आग, 5 की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। ब्रह्मपुरा इलाका स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर स्थित आईसीयू वार्ड में लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग के कारण पूरे अस्पताल भवन में घना धुआं फैल गया, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों के बीच अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 20 से अधिक मरीज गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घायलों को रेस्क्यू कर इलाज के लिए अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे में शशांक कुमार, औराई, मुजफ्फरपुर, गीता देवी, मोतीपुर, मुजफ्फरपुर, उदय कुमार, तरियानी, शिवहर, कृष्ण नंदन, चंचला कुमारी की मौत हुई है।

दिल्ली होटल का मालिक 4 दिन की रिमांड पर

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था।

संविधान विशेषज्ञ पद्म भूषण डॉ. सुभाष कश्यप का निधन

नई दिल्ली (वार्ता)। जाने-माने संविधान विशेषज्ञ एवं लोक सभा के पूर्व महासचिव पद्म भूषण डॉ सुभाष कश्यप का गुरुवार को हृदय गति रुकने के कारण यहां उनके निवास पर निधन हो गया। वह 97 वर्ष के थे। बिजनौर में जन्मे और इलाहाबाद में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले डॉ कश्यप 1984 में लोक सभा के महासचिव बने थे। वह इस पद पर 1990 तक रहे। वह संविधान विशेषज्ञ एवं संसदीय मामलों के ज्ञाता थे। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने डॉ कश्यप के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बिरला ने एक संदेश में कहा कि डॉ कश्यप संविधान और संसदीय व्यवस्था के जीवंत विश्वकोश थे। लोकसभा के महासचिव के रूप में उनकी दीर्घ और विशिष्ट सेवाएं, संवैधानिक विषयों पर उनका गहन अध्ययन तथा उनकी सौ से अधिक पुस्तकें लोगों का मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं।

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा के 11 उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी ने विभिन्न राज्यों से राज्यसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिये। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग मध्य प्रदेश से प्रत्याशी बनाये गये हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने अरुणाचल, गुजरात मध्य प्रदेश, मणिपुर और राजस्थान से राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव तथा ओडिशा से राज्यसभा के उप चुनाव के पार्टी उम्मीदवारों के नामों पर अपनी सहमति प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने अरुणाचल से ताई तागाक को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेश राठवा, मानसिंह परमार और जीतेंद्र मेघजीभाई कंजारिया पार्टी के उम्मीदवार होंगे। इसके साथ ही पार्टी ने तरुण चुघ और सतीश अग्रवाल को मध्य प्रदेश से श्रीमती ए. शारदी देवी को मणिपुर से और डॉ. अलका गुर्जर तथा डॉ. सतीश पूनिया को राजस्थान से उम्मीदवार बनाया है। ओडिशा से एक सीट के लिए होने वाले उप चुनाव के लिए देबाशीष सामंतराय पार्टी के उम्मीदवार बनाये गये हैं।

केरलम पहुंचा मानसून, इस बार 3 दिन लेट

शिमला/देहरादून

मानसून केरलम पहुंच गया है। अगले 2-3 दिन यह गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु को कवर कर सकता है। वहीं, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरलम, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले 7 दिन में कुछ जगह भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में प्री मानसून एक्टिविटी के असर से आंधी-बारिश देखने मिल सकती है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है। इधर, मध्य प्रदेश के कई जिलों में

गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। इस दौरान 70 किमी. की रफ्तार से आंधी चली। कई इलाकों में पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं। दिल्ली में गुरुवार दोपहर को अंधेरा छा गया और तेज बारिश हुई। फिल्म सिटी में आंधी के बाद कई पेड़ टूटकर कारों पर गिर गए। सड़कों पर पानी भर गया जिससे ट्रैफिक जाम लग गया।

तमिलनाडु में बीजेपी को बड़ा झटका

अन्नामलाई छोड़ेंगे पार्टी, आज करेंगे ऐलान

नई दिल्ली/ चेन्नई

पुलिस अधिकारी से राजनेता बने के अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी की बागडोर भी संभाली। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने अब पार्टी छोड़ने का मन बना लिया है। के अन्नामलाई 5 जून को बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से अपने इस्तीफे का ऐलान कर सकते हैं। बीजेपी छोड़ने का ऐलान करने के लिए अन्नामलाई तमिलनाडु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकते हैं। इससे पहले, तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की थी। अन्नामलाई ने दो जून को बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष से मुलाकात के बाद गृह मंत्री अमित शाह के साथ अलग

बैठक की थी। अमित शाह और नितिन नवीन समेत बीजेपी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक में अन्नामलाई ने सौहार्दपूर्ण माहौल में पार्टी छोड़ने की इच्छा जताई थी। बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने अन्नामलाई से बीजेपी छोड़ने के फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह भी किया। बीजेपी नेतृत्व ने अन्नामलाई से कुछ समय भी मांगा था। बता दें कि अन्नामलाई दिल्ली पहुंचते, उससे पहले ही यह खबर आ गई थी कि बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष की यह यात्रा केवल नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए है। अन्नामलाई अब अपनी पार्टी बनाने का मन बना चुके हैं। अन्नामलाई चाहते थे कि या तो उनको सात साल के फ्री हैंड कर तमिलनाडु बीजेपी की कमान सौंप दिया जाए या फिर सौहार्दपूर्ण तरीके से भविष्य में साथ काम करने का विकल्प खुला रखते हुए अपनी अलग राह चुनने दिया जाए।

कुछ पद सिर्फ कम शिक्षितों के लिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित नौकरी के लिए अपनी शिक्षा छुपाना पद के असली हकदार से रोजगार छीनना है। इसलिए उच्च योग्यता छिपाकर ली गई नौकरी कानूनन अमान्य होगी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने सिंडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छुपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है। कोर्ट ने 2025 के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार सभी योग्य उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि कोई उम्मीदवार तय सीमा से अधिक पढ़ा-लिखा है, उसे उस कम योग्यता वाले पद पर नियुक्ति का कोई स्वत: अधिकार नहीं मिल जाता।

20 हजार किमी की दूरी से बनाया सर्जरी का विश्व रिकार्ड

भारतीय सर्जन ने गुयाना में बैठकर भारत के इंदौर शहर में रोबोटिक सर्जरी में दिखाया कमाल

नई दिल्ली (वार्ता)

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारतीय कार्डियक सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तौर पर देश में निर्मित रोबोटिक तकनीक का उपयोग करते हुए गुयाना में बैठकर भारत के इंदौर शहर में एक मरीज के दिल की सफल सर्जरी की है। यह बीस हजार किलोमीटर की दूरी से सर्जरी का एक विश्व रिकार्ड है। इस प्रक्रिया के दौरान डॉ. श्रीवास्तव ने जॉर्जटाउन पब्लिक हॉस्पिटल कॉर्पोरेशन ,गुयाना में बैठकर इंदौर के एक अस्पताल में स्वदेश में विकसित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम का उपयोग करके एक मरीज के दिल

के लेफ्ट इंटरनल मैमेरी आर्टरी का ऑपरेशन किया। इस आपरेशन को 4 घंटे 50 मिनट में पूरा किया गया। गुयाना और भारत के बीच लगभग 20,000 किलोमीटर की फाइबर नेटवर्क दूरी पर रोबोट-सहायता प्राप्त कार्डियक प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करके चिकित्सा इतिहास में एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया गया, जिससे यह दुनिया का सबसे लंबी दूरी की रोबोटिक कार्डियक टेलीसर्जरी बन गया। इसमें भारत में निर्मित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम का उपयोग किया गया था। आज तक, एसएसआई मंत्रा सिस्टम का उपयोग करके 22 कार्डियक टेलीसर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। यह विश्व स्तर पर कार्डियक टेलीसर्जरी के लिए उपयोग किया जाने वाला एकमात्र रोबोटिक सर्जरी सिस्टम है। डॉ. श्रीवास्तव ने गुरूवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि उन्होंने गुयाना से एसएसआई मंत्रासन टेली-सर्जन कंसोल का उपयोग करके यह ऑपरेशन किया। यह एक कॉम्पैक्ट, कुर्सी-आधारित रोबोटिक सर्जरी कमांड सिस्टम है जिसे दूरस्थ स्थानों से वास्तविक समय में प्रक्रियाओं को करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उच्च-तकनीक वाली 3डी विजुअलाइज़ेशन और उन्नत रोबोटिक नियंत्रणों से लैस इस तकनीक ने गुयाना और भारत में शल्य चिकित्सकों की टीमों को भौगोलिक दूरी के बावजूद जटिल हृदय शल्यक्रिया को सटीकता और स्थिरता के साथ समन्वित करने में सक्षम बनाया।

इन चिकित्सकों का रहा सहयोग

भारत में, इस शल्यक्रिया में जयपुर के मणिपाल अस्पताल के मुख्य हृदय शल्य चिकित्सक डॉ. ललित मलिक, भंडारी अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के सलाहकार हृदय शल्य चिकित्सक डॉ. राम शुक्ला और बैरिएट्रिक शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ एवं आईआरसीएडी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. मोहित भंडारी का सहयोग रहा।

प्री-मानसून : चंद मिनिट हुई झमाझम बारिश, उमस और गर्मी ने बढ़ाई बेचैनी

जारी रहेगा हल्की बारिश का क्रम, तापमान में होगी गिरावट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी में गुरुवार को मौसम ने एक बार फिर करवट बदली। पिछले कुछ दिनों से जारी तीखी धूप और भारी उमस से परेशान शहरवासियों को गुरुवार शाम हुई झमाझम बारिश ने बड़ी राहत दी। इधर केरल में आए मानसून के बाद जिले में भी अब प्री मानसून की आवाजाही शुरू हो गई है। गुरूवार को सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही लगी हुई थी, जिसके कारण धूप की तपिश तो कम थी, लेकिन हवा थमने की वजह से लोग दिनभर पसीने से तरबतर होते रहे। जैसे ही शाम ढली, मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया।

काले घने बादलों ने शहर को अपनी आगोश में ले लिया और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। देखते ही देखते शहर की सड़कों पर पानी बह निकला। इस अचानक हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से काफी हद तक सुकून मिला है।

शाम को सैर पर निकले लोगों और राहगीरों ने इस सुहावने मौसम का जमकर लुत्फ उठाया। मौसम विभाग के मुताबिक गुरूवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री एंव न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री दर्ज किया गया।

मानसून का बेसब्री से इंतजार

गौरतलब है कि जून का महीना शुरू होते ही लोग बेसब्री से मानसून का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, गुरुवार हुई यह जोरदार बारिश मानसून की आमद तो नहीं है, लेकिन इसने प्री-मॉनसून गतिविधियों की दस्तक जरूर दे दी है। इस झमाझम फुहार ने आने वाले मानसून के लिए जमीन तैयार कर दी है और किसानों के चेहरों पर भी उम्मीद की चमक बिखेर दी है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले एक-दो दिनों में मौसम का रुख ऐसा ही बना रह सकता है, जिससे तापमान में और कमी आने की संभावना है।

पानी में भीगने से बचना है जरुरी

चिलचिलाती गर्मी के बाद मानसून की पहली बारिश हर किसी के चेहरे पर मुस्कान ले आती है। लोग बेसब्री से इस पहली फुहार में भीगने के उत्साहित होते है। डॉक्टरों के अनुसार, शुरुआती बरसात में भीगने से मानसिक तनाव कम होता है लेकिन पहली बारिश में हवा में मौजूद प्रदूषण, एसिड और जहरीले कण जमीन पर आते हैं। 'एसिड रेन' या प्रदूषित पानी में भीगने से त्वचा पर रैशेज, खुजली और गंभीर फंगल इन्फेक्शन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, तापमान में अचानक आए इस उतार-चढ़ाव से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो जाती है, जिससे लोग तुरंत सर्दी, खांसी और वायरल बुखार की चपेट में आ जाते हैं।

फोटो : अनिल तिवारी

स्मार्ट सिटी सीईओ ने किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। स्मार्ट सिटी के सीईओ अरविंद शाह द्वारा सिटीज 2.0 परियोजना के अंतर्गत निरीक्षण के दौरान कठौंदा स्थित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के समीप प्रस्तावित बायो सीएनजी प्लांट एवं गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन के लिए चिन्हांकित स्थलों का अवलोकन किया गया। साथ ही परियोजना की आगामी कार्य योजना, क्रियान्वयन रणनीति एवं प्रस्तावित गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। भ्रमण के दौरान रानीताल एसटीपी, रानीताल तालाब, उपलब्ध रिक्त भूमि, रानीताल जीटीएस, रांझी जीटीएस तथा कठौंदा स्थित जबलपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे ई-बस डिपो का भी निरीक्षण किया गया।

किसानों से तुलाई, भराई और तौल पर्ची बनाने के नाम पर अवैध वसूली

गौरहा खरीदी केंद्र प्रभारी सहित सात कर्मचारियों पर एफआईआर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। देवाश्री ग्राम संगठन गोसलपुर द्वारा ग्राम गौरहा नर्मदा इंटरप्राइजेज के गोदाम में संचालित खरीदी केंद्र में किसानों से तुलाई, सिलाई और तौल पर्ची के नाम पर अवैध वसूली करने की शिकायतों की जांच के बाद कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा खरीदी केंद्र प्रभारी सहित सात कर्मचारियों के विरुद्ध सिहोरा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में देवाश्री ग्राम संगठन,गोसलपुर को गौरहा स्थित नर्मदा इंटरप्राइजेस के गोदाम बनाये गये खरीदी केंद्र पर गेहूँ उपार्जन की ज़िम्मेदारी दी गई थी। इस केंद्र में खरीदी के दौरान किसानों से तुलाई, सिलाई और तौल पर्ची के नाम पर अवैध रूप से पैसे लेने की शिकायतें जिला प्रशासन को प्राप्त हुई कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने शिकायत की जांच के निर्देश संयुक्त कलेक्टर और जिला नोडल अधिकारी उपार्जन ऋषभ जैन को दिये थे।

कलेक्टर के निर्देश राजस्व एवं खाद्य विभाग के अमले द्वारा की गई जांच में शिकायतों को सही पाये जाने पर कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार जाटव ने पुलिस थाना सिहोरा में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। जांच में पाया गया कि किसानों से तुलाई, सिलाई और तौल पर्ची के नाम पर अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे थे। इस गंभीर वित्तीय गड़बड़ी के आरोप में पुलिस ने केंद्र प्रभारी आरती रजक, आवक रजिस्टर संधारक नीलम रजक, कंप्यूटर ऑपरेटर ज्योति बर्मन, तुलाई कर्मी शिखा कोरी, कर्मचारी आनंद पटेल, ग्राउंड सर्वेयर अंकित उपाध्याय और गोदाम सर्वेयर अमर चौधरी सहित कुल सात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(2) और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।राजस्व और खाद्य विभाग के अधिकारियों के दल द्वारा की गई जांच में पाया गया कि उपार्जन केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों ने तुलाई और बारदाने में गेहूं की भराई के लिए 8 रुपये तो कुछ किसानों से लेकर 10 रुपये प्रति बोरी अवैध रूप से वसूल किए।

केंद्र पर सिलाई के नाम पर 100 रुपये और तौल पर्ची काटने के नाम पर 100 रुपये की अतिरिक्त वसूली भी किसानों से की गई। जबकि नियमानुसार इसका भुगतान उपार्जन संस्था को स्वयं करना होता है। जांच के दौरान जब किसानों से लिये गये बयानों में यह बात सामने आई कि इस खरीदी केंद्र में तय मात्रा से अधिक अनाज तौला जा रहा था।

किसानों पर बनाते थे दबाव

उपार्जित गेहूं की मात्रा के अलावा 50 किलो से लेकर 3 क्विंटल तक अतिरिक्त गेहूँ किसानों से लिया गया था। इसके अलावा कृषक अशोक कुमार पटेल से संस्था के कर्मचारी आनंद पटेल ने अपने निजी बैंक खाते में ऑनलाइन माध्यम से 3 हजार 200 रुपये की रिश्वत भी ट्रांसफर करवाई। जांच में उपार्जन केंद्र पर तैनात खरीदी सर्वेयर अंकित उपाध्याय और गोदाम सर्वेयर अमर चौधरी की भूमिका भी पूरी तरह संदिग्ध पाई गई। जो किसानों के अनाज का तुरंत एफएक्यू परीक्षण न कर तुलाई और भराई के बाद फीडिंग के समय जांच करते थे और इसके नाम पर किसानों पर अनुचित रूप से पैसे देने का दबाव बनाते थे। केंद्र पर कुल 308 कृषकों से 22 हजार 362 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका था, जिसमें प्रति क्विंटल 20 रुपये और प्रति किसान 200 रुपये के मान से कुल 5 लाख 08 हजार 840 रुपये की अवैध वसूली की गई है, जिसे अब भू-राजस्व के बकाया की तरह वसूल किया जाएगा।

जिला परिषद की वार्षिक बैठक का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स पश्चिम मध्य रेल जबलपुर मंडल की जिला परिषद की वार्षिक बैठक मंडल रेल प्रबंधक सभागृह मे आयोजित की गई । जिसमे मण्डल के वरिण्मण्डल कार्मिक अधिकारी वरुण चतुर्वेदी, सहाकार्मिक अधिकारी (कल्याण) सचिपति नंदन, सहा मण्डल कार्मिक अधिकारी संदीप शर्मा की अध्यक्षता में की गई । इस बैठक मे मण्डल के आगामी कार्यक्रम, स्काउट गाइड आंदोलन का सेंसस बढ़ाने हेतु कार्य, स्काउट एवं गाइड के एडवांसमेंट स्काउट और गाइड लीडर्स की ट्रेनिंग संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। जिसमे मण्डल के पदाधिकारी जिला सचिव अनिल चौबे, संगठन आयुक्त विमलेश तिवारी, प्रशिक्षण आयुक्त आशीष सोनकर, सयुक्त सचिव संजीव तिवारी, संगठन आयुक्त आरती रेकवार, प्रशिक्षणआयुक्त लक्ष्मी पाणिग्रही सहा संगठन आयुक्त अनिल पाली, सांस्कृतिक सचिव रजनीश यादव, एवं जबलपुर, कटनी, सतना के सभी यूनिट लीडर उपस्थित हुए ।

सिंगरौली के कोयला लोडिंग केंद्रों का पमरे महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण

कर्मचारियों से किया संवाद, दिए दिशा-निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर मण्डल में गुरुवार 4 जून को पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने मालभाड़ा अवसंरचना के विकास, यात्री सुविधाओं के उन्नयन तथा परिचालन संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सिंगरौली-कटनी साऊथ रेलखंड और सिंगरौली क्षेत्र का व्यापक एवं सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोयला परिवहन नेटवर्क से जुड़े प्रमुख लोडिंग केंद्रों, रेलवे स्टेशनों तथा प्रगति पर चल रही अधोसंरचना विकास परियोजनाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने सिंगरौली क्षेत्र के प्रमुख कोयला लोडिंग केंद्रों बरगवां, गोंदावली, मझौली, देवराग्राम, गजराबहरा एवं सरईग्राम गुड्स शेडों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने ब्यौहारी एवं बरगवां स्टेशनों का दौरा कर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रगति का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए सभी यात्री सुविधाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बरगवां में महाप्रबंधक ने रनिंग रूम का निरीक्षण करते हुए उपस्थित रनिंग स्टाफ से संवाद किया। उन्होंने कर्मचारियों की सुविधाओं एवं कार्यस्थल पर उपलब्ध संसाधनों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। छितैनी स्टेशन के समीप सीटीजे-वीएसटी ब्लॉक सेक्शन में स्थित रेलवे पुल संख्या 1177/3 के निकट हाथी मार्ग हेतु प्रस्तावित कट एवं कनेक्शन कार्यों का भी अवलोकन किया गया।

श्रमिकों की मजदूरी पर कुंडली मारकर बैठा था वन विभाग का बीट गार्ड

कलेक्टर ने दिखाई सख्ती, हुआ भुगतान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वन विभाग द्वारा मानसून पूर्व हर साल प्लांटेशन कराया जाता है और लगभग हर साल ही यह सुनने में आता है श्रमिकों से काम कराने के बाद भुगतान नहीं किया गया। लेकिन इस बार कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह द्वारा दिखाई गई सख्ती ने उमरिया जिले के 25 श्रमिकों को न केवल बकाया मजदूरी का मौके पर ही भुगतान किया गया, साथ ही बस से उमरिया तक पहुंचाने की व्यवस्था भी श्रम और वन विभाग के अधिकारियों को करनी पड़ी। यह मामला मप्र राज्य वन विकास निगम की कुंडम परियोजना मंडल के चिरापोंडी परिक्षेत्र की बलिवाड़ा बीट के कम्पार्टमेंट क्रमांक-154 में कंटूर ट्रेंच, पौधारोपण के लिये गड्ढे करने के काम में लगे उमरिया जिले के लगभग 25 श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान नहीं किये जाने का था। इन श्रमिकों से काम तो करा लिया गया लेकिन मजदूरी का बड़ा हिस्सा वन विभाग के बीट गार्ड द्वारा रोक लिया गया था। बकाया राशि मांगने पर इन श्रमिकों को डराया-धमकाया भी जा रहा था। मजदूरी की इसी बकाया राशि को दिलाने की मांग को लेकर ये श्रमिक परिवार जनों सहित कलेक्टर से मिलने मंगलवार दो जून की दोपहर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुये न केवल इन श्रमिकों से भेंट की बल्कि उनकी समस्या को ध्यान पूर्वक सुना।

उन्होंने सहायक श्रम आयुक्त को फौरन कलेक्टर कार्यालय आने और वन विभाग से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों को तुरंत उनकी बकाया मजदूरी का भुगतान कराने के निर्देश दिये। श्रमिकों और उनके साथ आये बच्चों को इंडियन कॉफी हाउस से बुलवाकर भोजन कराया।कलेक्टर की सख्ती को देख हरकत में आये श्रम और वन विभाग के अधिकारियों ने उमरिया जिले के इन श्रमिकों को 3 लाख 86 हजार रूपये की बकाया मजदूरी का भुगतान किया।

साथ ही श्रमिकों और उनके परिवारजनों को रात हो जाने की वजह से बस से उमरिया तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई।

जोमेटो गिग वर्कर के साथ लूट, कांग्रेस ने घेरा एसपी कार्यालय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जोमेटो गिग वर्कर के साथ हुई लूट के विरोध में कांग्रेस द्वारा आरोपियों को पकड़ने पुलिस को ज्ञापन सौंपा गया। शहर जिला काग्रेस कमिटी के सौरभ नाटी शर्मा ने एसपी को ज्ञापन देते हुए बताया कि तिलवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गढ़ा स्टेशन के पास जोमाटो गिग वर्कर अतुल कोरी के साथ 4 नकाबपोशों द्वारा लूट की घटना पर तिलवारा थाना पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं की गई, अतुल के साथ हुई लूट की घटना मैं उसके पर्स के साथ एनरॉयड़ मोबाइल 2 हजार नगद लूटने के साथ मारपीट की गई थी। ज्ञापन में पुलिस की अनदेखी और एफआइआर दर्ज न करने के विरोध में कार्यवाही की मांग की गई है। सौरभ नाटी शर्मा ने कहा कि कानून के प्रति सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की अनदेखी स्वीकार्य नहीं है।

आतंक फैलाने वाले 2 बदमाशों पर हुई एनएसए की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रांझी थाना क्षेत्र में अपराधिक वारदातों से आतंक का माहौल बनाने वाले दो आदतन अपराधियों के विरुद्ध पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कड़ी कार्यवाही की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, सुभाष नगर निवासी शुभम मिश्रा, जिसके खिलाफ हत्या के प्रयास, अवैध वसूली, बमबाजी और अवैध हथियार रखने जैसे करीब 45 आपराधिक मामले दर्ज हैं, और रक्षा नगर कॉलोनी निवासी अमन केवट के खिलाफ एनएसए का प्रकरण तैयार किया गया था। पुलिस अधीक्षक के माध्यम से जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए गए इस प्रतिवेदन पर विचार करने के बाद कलेक्टर द्वारा एनएसए वारंट जारी किया गया था।

इस आदेश के तहत पुलिस ने दोनों अपराधियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि एनएसए जैसे कार्रवाई से अपराधियों के हौसले पस्त पड़ जाते हैं, वहीं सबक मिलता है। शुभम और अमन नामक अपराधियों की दहशत के चलते कई बार गवाह नहीं मिलते हैं जिसके चलते उनके हौसले बुलंद हो जातें हैं।

चलती ट्रेन में यात्री की बिगड़ी तबियत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

यात्रियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 15599 में यात्रा कर रहे 21 वर्षीय यात्री सौरभ इटारसी से दानापुर की यात्रा कर रहे थे, यात्रा के दौरान अचानक तबियत बिगड़ने की शिकायत प्राप्त हुई जिसके बाद संबंधित स्टेशन पर उप स्टेशन प्रबंधक एवं रेलवे चिकित्सा विभाग की इमरजेंसी क्लीनिक टीम ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन के आगमन पर यात्री को अटेंड किया। प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किए जाने के बाद एम्बुलेंस की व्यवस्था कर यात्री को निकटवर्ती शासकीय अस्पताल भेजा गया, जहां उसके समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

आधी रात मेडिकल अस्पताल की बिजली हुई गुल, छटपटा गए मरीज

घबराहट के कारण वार्डो से बाहर निकले मरीज, बिजली विभाग ने मांगी जानकारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अचानक बिजली गुल हो गई। यह घटना रात लगभग 2 बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस दौरान कुछ देर के लिए अस्पताल परिसर अंधेरे में डूब गया, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अब इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बिजली जाते ही कई वार्ड और गलियारे प्रभावित हुए। गर्मी बढ़ने से मरीज परेशान हो गए और जनरल वार्ड में भर्ती कुछ मरीज बाहर निकल आए। अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों ने भी व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि लगभग आधा घंटे के बाद बिजली व्यवस्था सामान्य हो सकी।

7 जनरेटर, फिर भी नहीं हुए चालू

जानकारी के मुताबिक वर्तमान में अस्पताल में सैकड़ों मरीज भर्ती हैं, जिनमें कई गंभीर मरीज भी शामिल हैं। बिजली गुल होने के बाद परिजनों को सबसे ज्यादा चिंता उन मरीजों की रही जिनका इलाज विभिन्न चिकित्सा उपकरणों की मदद से किया जा रहा है। अचानक अंधेरा होने से कुछ देर के लिए लोगों में घबराहट का माहौल बन गया। इधर घटना को लेकर मप्र विद्युत मंडल (एमपीईबी) के अधीक्षण यंत्री संजय अरोरा ने कहा कि घटना की जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में बैकअप के लिए बड़े जनरेटर उपलब्ध हैं, ऐसे में उन्हें क्यों नहीं चलाया गया, इसकी जानकारी फिलहाल उनके पास नहीं है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने बताया कि रात में पूरे शहर में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई थी। मेडिकल कॉलेज में बैकअप के लिए 7 जनरेटर लगाए गए हैं और उनमें पर्याप्त डीजल उपलब्ध था।

उन्होंने कहा कि बिजली जाते ही जनरेटर स्वत: चालू हो गए थे। उनके अनुसार किसी भी मरीज को परेशानी नहीं हुई और न ही कोई मरीज वार्ड से बाहर आया।

कैसे मैथमेटिक्स के अच्छे स्टूडेंट बनें

कई लोगों को लगता है, कि वे मैथमेटिक्स में नेचुरली खराब हैं और वे इसमें सुधार नहीं कर पाएँगे। लेकिन, यह बिल्कुल भी सही नहीं है। स्टडीज से पता चलता हैं कि अगर मेहनत की जाए तो, जन्मजात प्रतिभाओं की तुलना में ज्यादा मेहनत करने वाले मैथमेटिक्स के अच्छे स्टूडेंट बन सकते हैं। आप केवल पूरी मेहनत से मैथमेटिक्स में अच्छे बन सकते हैं। जब तक कि आपके कॉन्सेप्ट क्लियर नहीं हो जाते हैं, मैथमेटिक्स की प्रैक्टिस करने के लिए हर दिन समय निकालें । यदि जरूरी हो, तो किसी से मदद लें। एक ट्यूटर, एक टीचर, या यहां तक कि कोई भी जो मैथमेटिक्स में अच्छा है, आपको अपने टेलेंट को पूरा करने में मदद कर सकता है। आपको मैथमेटिक्स के बारे में, एक स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करने की कोशिश भी करना चाहिए। कई लोगों की इस विषय के बारे में एक निगेटिव सोच होती है, और वे यह सोचते हैं कि, मैं मैथमेटिक्स में अच्छा नहीं हूं, इसलिए मैं अब कभी अच्छा नहीं बनूंगा। इस बात को समझिए कि यह सही नहीं है। ज़्यादातर लोग थोड़ी सी अधिक मेहनत से, मैथमेटिक्स में सुधार कर सकते हैं।

प्रॉब्लम को हल करने में शामिल होने वाले कॉन्सेप्ट और प्रोसेस को जानें

मैथमेटिक्स सीक्वेंशियल है। बहुत से लोग महसूस करते हैं, कि उन्हें कॉन्सेप्ट और फॉर्मूला को याद करना होगा या शुरू करने से पहले

उन्हें अपने माइंड में जवाब की रूपरेखा बनानी होगी। यह फायदेमंद नहीं है। इसके बजाय, मैथमेटिक्स के पीछे के कॉन्सेप्ट को समझने की कोशिश करें। यदि आप यह समझ लेते हैं, कि एक इक्वेशन कैसे और क्यों काम करता है, तो आप इसे चुटकी में अधिक आसानी से याद कर पाएंगे।

मैथ्स की थ्योरी कठिन लग सकती है, लेकिन थोड़ी सी मेहनत के साथ, आप इसे समझ सकते हैं। मैथ कि क्लास में कभी भी किसी भी चीज के पीछे के कारण को पूछने में संकोच न करें। जैसे, पाइथागोरस प्रमेय क्यों काम करता है? वर्ग समीकरण लॉजिक लेवल पर कैसे काम करता है? याद करने की तुलना में, बेसिक कॉन्सेप्ट को समझना बहुत अधिक फायदेमंद है। यदि आप किसी चीज को गहराई से समझते हैं, तो आप इसके साथ आसानी से काम कर पाएंगे। यदि अगर आपको किसी इक्वेशन के पीछे के कान्सैप्ट की समझ होगी, तो आप उसके जवाब को चेक करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहेंगे।

एक्सपर्ट की सलाह

- जब आप उलझन में हों, तो सवाल पूछने में शर्मिंदा न हों। हर कोई सवाल पूछता है।
- यदि आपका टेस्ट है, तो आखिरी समय में पढ़ने का इंतजार न करें। हर दिन थोड़ी पढ़ाई करें।
- पर्याप्त समय लें। किसी कठिन प्रॉब्लम को हल करने में आपको थोड़ा समय लग सकता है।
- पेपर पर अपना काम लिखने से, आपको मदद मिल सकती है। जब आप इसे फिर से देखते हैं, तो आपको इसे समझने में आसानी होगी। साथ ही, यह कोर कॉन्सेप्ट को मजबूत करने में मदद करता है।
- हर रोज प्रैक्टिस करने के लिए कम से कम 1 घंटे का समय निकालें, ताकि आप इसमें सुधार कर सकें।

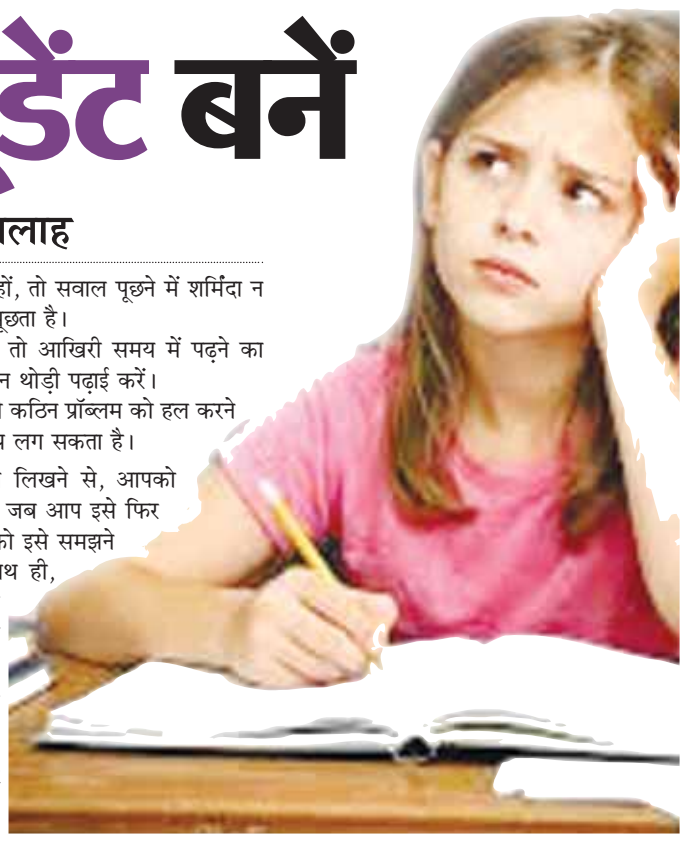

कठिन विषय नहीं, आसान है गणित

गणित विषय को समाज का एक बड़ा वर्ग कठिन विषय की तरह देखता है। ज्यादातर बच्चों को गणित विषय एक बोझ की तरह लगता है। ऐसा क्यों है? बच्चों में आत्मविश्वास की कमी तथा इसे आसान भाषा में समझाने वाली पुस्तकों का अभाव इसका कारण हो सकता है। छोटी उम्र में यदि शिक्षक एवं अभिभावक द्वारा इसका उचित समाधान किया जाए, तो बच्चे गणित को समझने लगते हैं और उन्हें यह विषय आसान लगने लगता है।

यदि गणित को मनोरंजक तरीके से पढ़ाया जाए, तो बच्चों में इसकी रुचि भी जागृत होगी। बच्चों को लूडो का उपयोग कर चार्ट पेपर पर त्रिभुज, चतुर्भुज एवं आयत के चित्र बनवाए जाएँ। फिर लूडो उछालकर जो भी अंक आए, उसे पहले चित्र अर्थात त्रिभुज के भीतर लिखें। पुन: लूडो को उछालकर आने वाले अंक को दूसरे चित्र अर्थात चतुर्भुज के भीतर लिखें। दोनों चित्रों के बीच जोड़ (+) का चिन्ह बना दें। अब बच्चों को दोनों अंकों को जोड़कर प्राप्त नए अंक को अंतिम चित्र अर्थात आयत में लिखने के लिए कहें। ऐसे और भी कई रोचक तरीके हो सकते हैं।

बच्चों को समझाया जाए कि गणित कठिन विषय नहीं है – 'मैं भी गणित हल कर सकता हूँ।' गणित को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर उसे रोजमर्रा के जीवन से जोड़कर उदाहरणों द्वारा समझाया जाए, तो यह अधिक प्रभावी होगा। जैसे जब अभिभावक खरीदारी के लिए बाजार जाएँ, तो हिसाब-किताब के लिए बच्चों से पूछें कि सामान कितने का हुआ। सही उत्तर बताने पर उन्हें छोटा-सा इनाम भी दें। उन्हें घर से बाजार की दूरी का अनुमान लगाना भी सिखाएँ। घर की दीवारों का क्षेत्रफल निकालना भी बताएं। ऐसे अनेक उदाहरणों से बच्चे खेल-खेल में गणित सीख जाएंगे और गणित विषय में उनकी रुचि जागृत होगी।

गणित को आसान बनाने के लिए बच्चों को जोड़, घटाना, भाग, गुणा तथा पहाड़े सीखकर उनका नियमित अभ्यास करना चाहिए। नियमित अभ्यास से बच्चे इसमें पारंगत होने लगते हैं। गणित विषय की पहेलियाँ एवं खेल जैसे पज़ल, जंबल और लूडो आदि इसे रोचक बना सकते हैं। पढ़ाई में अनुशासन तथा नियमित अभ्यास अत्यंत आवश्यक है। मानवीय सोच अक्सर परंपरागत तरीकों को छोड़कर कुछ नया और अनोखा करने की प्रेरणा देती है। जब हम गलतियाँ करते हैं और उन्हें सुधारते हैं, तब हमारी सोच अधिक स्पष्ट बनती है। गणित में असली खुशी केवल प्रश्न को हल कर उत्तर पाने में नहीं होती, बल्कि उसे हल करने की प्रक्रिया में अपनी गलतियों को सुधारने और अंतत: सफल होने में होती है। गणित विषय केवल तकनीकी क्षेत्रों में ही आवश्यक नहीं है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन में भी अत्यंत उपयोगी है।

* राजीव श्रीवास्तव
संयोजक
विद्या परिषद, हितकारिणी सभा, जबलपुर

1. एक टोकरी में 10 आम हैं, जिसमें से 4 आम एक व्यक्ति को दे दिए। बताओ अब उस व्यक्ति के पास कुल कितने आम बचे हैं?
2. एक व्यक्ति के पास 15 बकरियां हैं, जिनमें 7 बकरियों को छोड़कर बाकी सभी मर जाती हैं। तो उस व्यक्ति के पास अब कितनी बकरियां होंगी?
3. अगर 10 लोगों के पास 5 रुपये हैं, तो 2 लोगों के पास कितने रुपये होंगे?
4. 2 पिता और 2 पुत्र बाजार में लंच के लिए गए। उनमें से प्रत्येक ने 70 रुपये का लंच खरीदा। कुल कितना खर्च हुआ?

बच्चों के लिए गणित मजेदार बनाने के आसान तरीके

संख्याओं के प्रति चेतना बचपन से ही हमारे अंदर मौजूद होती है।छोटी उम्र से ही बच्चों को यह पता होता है कि %ज़्यादा' ही अच्छा होता है। अगर हम उन्हें चॉकलेट के दो बक्से दें तो बच्चे स्वत: ही वह बक्सा चुनेंगे जिसमें ज़्यादा चॉकलेट हैं। अगर कोई चीज़ बच्चों के पहुँच से परे किसी ऊँची जगह पर रखी हुई है, तो उसे लेने के लिए वे स्वत: ही अपने किसी बड़े की सहायता माँगते हैं। अत: एक मोटे तौर पर बच्चों को कम या ज़्यादा ऊँचाई का अंदाज़ा भी होता है। ये उदाहरण बच्चों में संख्याओं के प्रति एक जन्मजात समझ दर्शाते हैं। संख्याओं की इस जन्मजात समझ के बावजूद भी गणित को हमारे समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग एक कठिन विषय की तरह देखता है। ज़्यादातर बच्चों को गणित एक बोझ की तरह लगता है। ऐसा क्यूँ है? आत्मविश्वास की कमी, गणित को आसान भाषा में समझने वाली किताबों का अभाव, छोटी उम्र में मार्गदर्शन का अभाव, इत्यादि इसके प्रमुख कारण हैं। शिक्षकों और अभिभावकों के थोड़ा सा सचेतन रहने पर इनका निवारण किया जा सकता है। जितनी छोटी उम्र में बच्चों के लिए ऐसी कोशिशें की जाएँगीं, उतनी ही यह सम्भावना बढ़ेगी कि वे गणित को पसंद करने लगेंगें। गणित में कुशलता केवल तकनीकी पेशों के लिए ही ज़रूरी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा महत्वपूर्ण कौशल है जिसकी हर किसी को आम ज़िंदगी में भी ज़रूरत पड़ती है। जिन लोगों में गणित का ठीक-ठाक कौशल होता है, उनकी सोच ज़्यादातर मामलों में तर्कसम्मत होती है और इसका उन्हें जीवन के कई पहलुओं में फायदा भी होता है।

परीक्षाओं के नतीजों से अत्यधिक परेशान ना हों

गणित जैसे कठिन समझे जाने वाले विषयों की परीक्षा में अच्छे अंक लाने पर कई अभिभावक अपने बच्चों को शाबाशी देते हैं और अच्छे अंक न आने पर नाराजगी भी जताते हैं। यह रणनीति कई बच्चों पर काम करती है मगर यह बच्चों को प्रेरित करने का आदर्श तरीक़ा नहीं है। उन्हें खुले मन से, गणित में जो उनको पसंद आ रहा हो, उसे ढूँढने और पढने दें। अगर वे किसी परीक्षा में बहुत अच्छा नहीं भी करते तो भी उन्हें कोई शॉर्टकट सीखने को मजबूर ना करें। स्कूली परीक्षा के नतीजों से ज़्यादा आगे की ज़िंदगी में गणित से मिली हुई तार्किक क्षमता ही उनके काम आयेगी। बच्चों का यह समझना बहुत ज़रूरी है कि ग़लतियाँ करना, सीखने की प्रक्रिया का एक अनिवार्य अंग है।

गणित को रोजमर्रा के जीवन से जोड़ें

अगली बार जब आप घर का सामान ख़रीदने जाएँ, तो बच्चों को साथ ले जाएँ। उन्हें हर सामान के दाम का ध्यान रखने बोलें और हर नया सामान लेने पर मन में ही दाम को जोडने बोलें। पूरी खरीददारी के बाद बच्चों से कुल दाम पूछें। सही जवाब देने पर उन्हें कोई छोटा सा इनाम भी दें। आप घर का दैनिक काम करते हुए भी बच्चों को गणित में बेहतर बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब आप खाना पकाने वाले हों, तब उन्हें विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री लाने बोलें। जैसे 2 प्याज़, 1 कप चावल, 1/2 कप दाल, 3 कप पानी, इत्यादि। इस खेल को आप और चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं अगर आप उनसे यह भी पूछें कि अगर ज़्यादा लोगों के लिए खाना बनाना हो, तो ये सामग्री कितनी ज़्यादा लेनी पड़ेगी? ये छोटे-छोटे खेल हम वयस्कों को बहुत ही आसान लग सकते हैं, लेकिन इससे बच्चों में यह समझ बढ़ेगी कि गणित कोई काल्पनिक विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है।

टफ है मैथ्स, पर बड़े रोचक हैं ये फैक्ट्स

उल्टा-सीधा एक समान

पहले तो पैलिनड्रॉमिक नंबर या उल्टा-सीधा एक समान का क्या मतलब है, यह समझते हैं। कुछ संख्याएं ऐसी होती हैं उनको पीछे या आगे, किसी भी तरफ से पढें या लिखें तो वही संख्या होती है, उसमें कुछ भी बदलाव नहीं होता है जैसे 17371 को अगर हम पीछे की तरफ से लिखें तो भी यह 17371 ही होगी। अगर हम 1234 को उल्टा लिखें तो यह 4321 हो जाएगी। इसलिए हम 17371 को पैलिनड्रॉमिक नंबर तो कह सकते हैं लेकिन 1234 को नहीं। खैर हम यहां यह बताना चाहते हैं कि 1 से बनीं संख्याएं जैसे 111, 1111, 11111 या इस तरह की कोई और संख्या हो, उनको आपस में गुणा करते हैं तो हमें कोई पैलिनड्रॉमिक संख्या ही प्राप्त होती है जैसे 1111×1111=1234321

7 है सबका पसंदीदा नंबर

सात का हमारी प्रकृति से बहुत लेना-देना है जैसे दुनिया में 7 अजूबे हैं, सात समुद्र, सात दिन, इंद्रधनुष में 7 रंग होते हैं। एक ऑनलाइन पोल में भी ज्यादातर लोगों ने 7 को अपना पसंदीदा नंबर बताया।

गूगोलप्लेक्स के लिए हमारी कायनात में नहीं जगह

पहले यह समझ लें कि गूगोलप्लेक्स है क्या। दरअसल गूगोलप्लेक्स 10 की पावर 10 की पावर 100 की वैल्यू है। हमारी कायनात में कोई ऐसा कागज नहीं है जिस पर हम इसे लिख पाएं या फिर कंप्यूटर में भी आप इसको हल करना चाहेंगे तो कोई जवाब नहीं मिलेगा क्योंकि कंप्यूटर में उतनी मेमरी नहीं होगी।

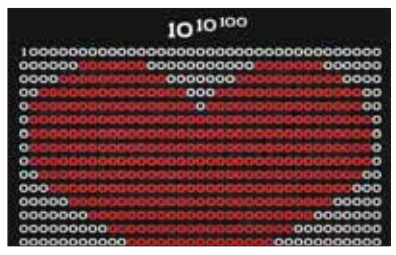

पाठ्य पुस्तकों से ज़्यादा पजल गेमों का इस्तेमाल करें

गणित सिर्फ़ पाठ्य पुस्तकों से सीखने की चीज़ नहीं है। यदि बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तक ही एक मात्र ज़रिया है, तो वह काफ़ी नीरस और डरावना विषय भी बन सकता है। इस लिए छोटे-छोटे पज़ल गेम्ज़ से उनको संख्याओं से परिचित कराएँ। पाठ्य पुस्तकों का इस्तेमाल केवल गणित के नियमों को जानने के लिए ही करें। उदाहरण के लिए, यदि आपका बच्चा अंकगणित सीख रहा है, तो आप घर पर ही सिर्फ़ लूडो के पासें और चार्ट पेपर का इस्तेमाल कर के एक छोटा सा गेम बना सकते हैं। नीचे दिए गए चित्र की तरह, चार्ट पेपर पर आयतें (रेक्टैंगल्स) बनाएँ। हर पंक्ति के पहले दो आयतों के बीच जोड़ (+) का निशान लगाएँ, और दूसरे और तीसरे आयतों के बीच बराबर (=) का निशान लगाएँ। अब अपने बच्चों को दो बार पासें फेंकने बोलें। इससे जो संख्याएँ आएँ, उनको पहली पंक्ति के पहले दो आयतों में लिखवाएँ। अब बच्चों को इन संख्याओं का जोड़ करने बोलें, और पंक्ति की तीसरी आयत में लिखने बोलें। ऐसे ही बाक़ी पंक्तियाँ भरवाएँ।

ज्ञान का संगीत है गणित

किसी भी विषय की अपनी एक लयबद्धता होती है। अपने नियम-आयाम होते हैं। अपने दायरे और क्षेत्र होते हैं। जैसे विज्ञान के लिए कहा जाता है कि विज्ञान किसी भी विषय का सुव्यवस्थित, सुसंगठित एवं क्रमबद्ध ज्ञान होता है। इसी तरह से अगर हम साहित्य की बात करें तो साहित्य अपने आप में भाव समेटे होता है। उसमें एक रस होता है। फिर वह वीर रस, वात्सल्य रस, वियोग, करुणा अथवा प्रेम कुछ भी हो सकता है। हम ऐसे साहित्य की कल्पना नहीं कर सकते हैं, जिसमें कोई भाव ही न हो। इसी तरह से गणित का भी अपना एक गुण होता है। अपनी एक आभा होती है। इसका दायरा असीमित है। यह दायरे को नहीं मानता है। यह ज्ञान का ऐसा किरण पुंज है, जिसकी रोशनी व मार्गदर्शन की सभी विषयों को किसी न किसी स्तर पर ज़रूरत पड़ती रहती है। गणित का एक गुण यह भी होता है कि इसकी हर अगली सीढ़ी चढ़ने के लिए उसका पिछली सीढ़ी से सामंजस्य होना आवश्यक होता है। गणित टूटी हुई सीढ़ियां कभी नहीं चढ़ता है। यह छलांग नहीं लगाता। संगीत की तरह यह सतत लय मांगता है। ठीक वैसे ही, जैसे किसी संगीतज्ञ के संगीत यंत्र का तार अगर बीच में कहीं बाधित हुआ तो फिर उसकी तरंगें आगे यात्रा नहीं कर पातीं। फिर बाकी सभी तार चाहे जितने नवीन और गुणवत्तापूर्ण क्वालिटी के हों, संगीतज्ञ चाहे जितना प्रवीण हो, किंतु संगीत उत्पन्न नहीं हो पाता है। ज्ञान से परिपूर्ण गणित का भी ऐसा ही स्वभाव है। गणित के किसी भी प्रमेय को सिद्ध करने के लिए उसे कई-कई सिद्ध प्रमेयों का सीढ़ियों की भांति सहारा लेना पड़ता है। अगर बीच मार्ग में कोई एक तर्क फेल हुआ या वह अगले शर्त को संतुष्ट नहीं कर रहा है तो गणित उस संकल्पना को मानने से नकार देता है या फिर समय लेता है और आगे की गुत्थियां सुलझाता है। और जब उनके प्रमेयों को जोड़ लेता है, और उन तारों से गणित के तर्क व प्रमेय (संगीत) प्रवाहित होने लगते हैं तब गणित उन्हें प्रमाणित करता है। किंतु छलांग नहीं लगाता। भले ही वो चीजें स्पष्ट रूप से सिद्ध साबित हो रही हों।

इनडोर गणित खेल : उलटी गिनती

चाहे गीले मौसम में खेलना हो या सर्दियों में मजेदार होमवर्क देना हो, गणित का यह खेल घर के अंदर खेलने के लिए उपयुक्त है। इसे साल के किसी भी समय खेला जा सकता है और ये सभी कक्षाओं के लिए अनुकूल हैं। यह टीवी पर लोकप्रिय शो का एक सरल घरेलू संस्करण है और इसे कितने भी खिलाड़ी खेल सकते हैं।

खेलने के लिए आपको क्या चाहिए

1. चार बड़ी संख्या वाले कार्ड, जिनमें से प्रत्येक कार्ड पर 25, 50, 75 और 100 लिखा हुआ है।

2. 1 से 10 तक के अंकों वाले कार्डों का एक सेट, जिसमें प्रत्येक अंक के लिए कम से कम दो कार्ड हों।

कैसे खेलें

चार बड़े नंबर वाले कार्ड (25, 50, 75 और 100) को उल्टा करके

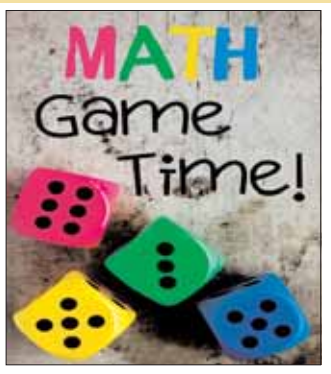

आपस में मिला दें।

1 से 10 तक के कार्डों के साथ भी ऐसा ही करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि आपके पास प्रत्येक अंक के लिए कम से कम 2 कार्ड हों।

खिलाड़ी बारी-बारी से बड़े नंबर वाले कार्ड या छोटे नंबर वाले कार्ड में से एक का चयन करते हैं, जब तक कि कुल मिलाकर 6 कार्ड बिछे न हों।

खेल रहे व्यक्ति को तीन अंकों की संख्या बनानी होगी। आप पासा फेंक सकते हैं, या 0 से 9 तक के अंकों वाले कार्डों के ढेर में से कार्ड चुन सकते हैं।

एक बार संख्या उत्पन्न हो जाने के बाद, छह कार्डों को पलट दें और खिलाड़ियों को छह संख्या कार्डों में से किसी एक और चार संक्रियाओं में से किसी एक का उपयोग करके उस योग को बनाने का प्रयास करना होगा।

प्रत्येक कार्ड का उपयोग केवल एक बार किया जा सकता है और विजेता वह पहला व्यक्ति होता है जो कुल योग तक पहुंचता है, या वह खिलाड़ी होता है जो निर्धारित समय अवधि के बाद सबसे करीब होता है।

छोटे बच्चों के लिए उलटी गिनती को अनुकूलित करने के लिए, कार्ड पर संख्याओं को सावधानीपूर्वक चुनें और उन्हें तीन अंकों की संख्या के बजाय दो अंकों की संख्या बनाने का लक्ष्य रखने के लिए कहें।

भरवेली सरपंच गीता बिसेन की गई कुर्सी

भारी बहुमत से अविश्वास प्रस्ताव पास, नए सरपंच का होगा चुनाव

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत भरवेली में लंबे समय से चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम का गुरुवार को पटाक्षेप हो गया। सरपंच गीता अनिल बिसेन के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर आयोजित विशेष सम्मेलन में सरपंच को करारी हार का सामना करना पड़ा। कुल 19 मतों में से सरपंच गीता बिसेन को केवल एक मत प्राप्त हुआ, जबकि अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 18 मत पड़े। इसके साथ ही पंचायत में गीता बिसेन का कार्यकाल समाप्त हो गया और उनकी सरकार गिर गई।

अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पंचायत क्षेत्र में कई दिनों से चर्चाओं का दौर चल रहा था। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की मौजूदगी में सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां सभी पंचों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

विकास और भ्रष्टाचार से छिड़ा मुद्दा

अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क रखे। सरपंच गीता अनिल बिसेन ने अपने कार्यकाल के दौरान पंचायत में कराए गए विकास कार्यों का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने ग्रामीणों के हित में अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा है और पंचायत के विकास के लिए लगातार कार्य किया है। वहीं उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने सरपंच के कार्यकाल पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार किया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत में पारदर्शिता का अभाव रहा, जिससे पंचों और ग्रामीणों में असंतोष बढ़ा और अंतत: अविश्वास प्रस्ताव की नौबत आई।

कुर्सी गिरते ही समर्थकों में जश्न

जैसे ही मतदान परिणाम घोषित हुआ और अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 18 मत मिलने की जानकारी सामने आई, उपसरपंच एवं विरोधी खेमे के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। पंचायत परिसर के बाहर समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

नए सरपंच का इंतजार

अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद अब ग्राम पंचायत भरवेली में नए नेतृत्व के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रशासनिक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पंचायत में नई बॉडी का गठन किया जाएगा तथा नए सरपंच का चुनाव कराया जाएगा। पंचायत की राजनीति में आए इस बड़े बदलाव पर पूरे क्षेत्र की नजरें टिकी हुई हैं। भरवेली पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव का यह परिणाम जिले की पंचायत राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां 18-1 के भारी अंतर से सरपंच को पद गंवाना पड़ा।

संयुक्त टीम की सतर्कता से दो नाबालिगों का रुकवाया बाल विवाह

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट के त्वरित एवं समन्वित प्रयासों से 04 जून को गढी खुर्सीपार में दो नाबालिगों का बाल विवाह समय रहते रुकवा दिया गया। यह कार्रवाई महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में की गई। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना मिली थी कि थाना गढ़ी क्षेत्र के ग्राम खुर्सीपार में एक बालक एवं बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही वन स्टॉप सेंटर बैहर द्वारा थाना गढ़ी को अवगत कराया गया। इसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और विवाह की प्रक्रिया रुकवाकर आवश्यक कार्रवाई की। साथ ही परिजनों को समझाइश देते हुए बालिका को सुरक्षित रूप से उसके परिवार के सुपुर्द किया गया। इसके पश्चात वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा जनप्रतिनिधियों की संयुक्त टीम ने बालक और बालिका के गांव पहुंचकर दस्तावेजों का सत्यापन किया। जांच में बालिका की आयु 17 वर्ष 10 माह तथा बालक की आयु 20 वर्ष पाई गई, जिससे दोनों विधिक रूप से विवाह के लिए निर्धारित आयु पूरी नहीं कर सके थे। संयुक्त टीम ने दोनों परिवारों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। कानूनी समझाइश के बाद दोनों परिवार विवाह स्थगित करने के लिए सहमत हो गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह की किसी भी सूचना की जानकारी तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 अथवा संबंधित विभाग को दें, ताकि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस ने कच्ची शराब के साथ आरोपी को पकड़ा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नवेगांव (ग्रामीण) पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 70 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 21 हजार रुपये बताई गई है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम लिंगा और नवेगांव के बीच सड़क किनारे खेत में आम के पेड़ के नीचे दो व्यक्ति अवैध महुआ शराब बेच रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर

दबिश दी। पुलिस को देखकर दोनों आरोपी भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर पुलिस ने विक्रांत कटरे (36) निवासी परसवाड़ा को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी महेश कावरे निवासी लिंगा फरार हो गया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी के साथ मिलकर अवैध रूप से महुआ शराब बनाकर बेचता था। पुलिस ने मौके से पांच प्लास्टिक जरीकेनों में भरी 70 लीटर हाथ भट्टी से निर्मित कच्ची महुआ शराब जब्त की। थाना नवेगांव (ग्रामीण) में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 174/2026 के तहत धारा 34(2) आबकारी एक्ट में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रमेश जाट, सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र भिमटे सहित पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

स्वास्थ्य कर्मचारियों और मरीजों पर खतरा

करीब 8 माह पूर्व अस्पताल में लगी रुफ वॉल हुई क्षतिग्रस्त

कटंगी(स्वतंत्र मत)

तहसील मुख्यालय कटंगी में स्थित वीर शिरोमणि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए दिन किसी ना किसी कारणों से विवादों में बना रहता है। चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी, इंजेक्शनों का अभाव और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं ना मिलने की आए दिन शिकायतें सामने आती ही रहती है। अब एक नया विवाद करीब आठ माह पहले लाखों रुपए खर्च कर इस इमारत की छत पर लगी पीवीसी रूफ वॉल से जुड़ा हुआ है। पीवीसी लगाने का उद्देश्य पुरानी इमारत को आधुनिक स्वरूप देना, मरीजों और कर्मचारियों को बेहतर सुविधा प्रदान करना था। लेकिन अब यह पीवीसी रूफ वॉल क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर रही है और स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों

और मरीजों पर खतरा मंडराते ही रहता है। ठेकेदार ने दवा वितरण कक्ष, एक्स-रे रूम और अन्य कमरों में पीवीसी रूफ वॉल लगवाई थी। इस कार्य पर तकरीबन लाखों रुपए खर्च किए गए। वर्तमान स्थिति यह है कि रूफ वॉल टूट-फूट गई है, जिससे हादसे का खतरा बड़ गया है। उपयंत्री अंजु बिसेन ने स्वीकार किया कि इतनी पुरानी इमारत में नियमानुसार रूफ वॉल नहीं लगनी चाहिए थी।

दरअसल, पीवीसी रूफ वॉल का उपयोग आमतौर पर नई इमारतों या मजबूत संरचनाओं में किया जाता है। पुरानी इमारतों में यह टिकाऊ नहीं रहती। यह जानते हुए भी पीवीसी रूफ वॉल में लाखों रुपए का खर्च करना एक तरह से सरकारी पैसों की बर्बादी करना ही साबित हुआ है। बता दें कि जो सरकारी पैसा खर्च किया गया वह जनता के टैक्स का पैसा था यानी जनता से वसूले गए टैक्स को ऐसे जगह पर खर्च किया गया जहां खर्च करने का कोई औचित्य ही नहीं था। नियमों के विपरीत कराए गए इस कार्य को कराने के पीछे भ्रष्टाचार की एक बड़ी संभावना देखी जा रही है। क्योंकि उपयंत्री ने स्वीकार किया कि पुरानी इमारत में पीवीसी रुफ वॉल नहीं लगाना था। अस्पताल की छत पर पीवीसी रुफ वॉल लगाना चाहिए यह निर्णय किसने लिया और क्यों लिया, इसकी जांच जरूरी है।

गौरतलब हो कि जब उपयंत्री इस बात को जानती थी कि पुरानी इमारत की छत पीवीसी का भार सहन नहीं कर पाएगी और गिरने की आशंका है तो किसके दबाव में यह कार्य हुआ यह बात जनता के सामने आनी चाहिए। क्योंकि यह सिर्फ पैसों की बर्बादी का मामला नहीं है बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का भी मसला है। दवा वितरण कक्ष जहां पूरा दिन स्वास्थ्य कर्मचारी बैठे रहते है। वहां उनके साथ अनहोनी का खतरा बना रहता हैं। एक्स-रे रूम यहां संवेदनशील उपकरण लगे हैं। रूफ वॉल के गिरने से उपकरणों को नुकसान और मरीजों को चोट लगने की संभावना है। जहां-जहां रूफ वॉल लगी थी, वहां कर्मचारियों में भय का माहौल है।

इनका कहना है

सरकारी अस्पताल की इमारत काफी पुरानी है कायदे से वहां पीवीसी रूफ लगनी ही नहीं थी अगर वह गिर रही है तो उसे निकलवाया जाएगा।

वर्षा बिसेन, उपयंत्री

कलेक्टर के आदेश का नहीं हो रहा है पालन, लगातार हो रहा बोर से खनन

मानपुर

जिले में नवागत कलेक्टर के आगमन से ही इनके जन समस्या निवारण जैसे कार्य सराहनीय बन कर तेज रफ्तार पकड़ रही है, जिससे जिले के आमजन में खुशी हैं,वही कलेक्टर की जन सुनवाई और जन चौपाल में जन भागीदारी बढ़ती हुई दिख रही है, वहीं जिले के संवेदनसील कलेक्टर के आदेश के पालन में यदि शासकीय विभाग ही पीछे हटते नजर आये तब जन्ता

के बीच क्या संदश जायेगा.? जिले के इंदवार थाना और अमरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायतों में खुलेआम दिन में दैनिक अवैध बोर उत्खनन के कार्य होने की जानकारी जोरों पर है। बताया गया है कि 03 जून बुधवार को बम्हनगवां गांव मे दोपहर के समय ब्यक्तिगत अवैध बोर खनन होने की जानकारी आई है। बोरिंग मशीन दूसरे प्रांत की बताई जा रही है जो अपने बुलंद हौसले और रुतवे के चलते मानपुर ब्लॉक में दिनो रात अवैध बोर खनन कार्य में जुटी हुई है.! सूत्रों के अनुसार पिछले दिन अवैध बोरिंग कार्य में पकड़े जाने पर इंदवार पुलिस द्वारा अपने हिरासत में ले लिया गया था जिसे चंद घंटों में छोड़ दिया गया जिससे क्षेत्रीय जन्ताओं के मन में कई प्रकार के प्रश्न उठते दिख रहे हैं, जिसके बाद भी इस क्षेत्र में यही मसीन द्वारा निर्भीक रूपी बड़े धड़ल्ले से अवैध बोर खनन कार चल रहा है, जिससे जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है।

कालरी स्कूल में बालक- बालिका व्हालीबाल प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

उमरिया

बुधवार 3 मई को नगर के कालरी स्कूल ग्राउंड में वालीबॉल एसोसिएशन का प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई जिसमें बालक-बालिका वर्ग के बॉलीबाल खिलाड़ी गर्मी में अपना पसीना बहायेंगे और प्रशिक्षण लेगे। टीआई थाना कोतवाली उमरिया मदनलाल मरावी जी वॉलीबॉल खिलाड़ियों से रूबरू हुए। प्रशिक्षण शिविर के दौरान टीआई उमरिया ने मैदान में पहुंचकर

बालक-बालिका खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर अनुभव साझा किया। टीआई साहब ने कहा कि आज के दौर में खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग है और हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए किसी न किसी खेल से जुड़ना आवश्यक है। टीआई साहब ने कहा कि मैं बच्चों के बीच में पहुंचकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं इस दौरान टीआई साहब का स्वागत उपस्थित जनों ने माल्यार्पण से किया गया। वही कालरी स्कूल ग्राउंड में वालीबाल संघ के सचिव संतोष सिंह,कमल बीज भंडार के ओनर सहित समस्त खिलाड़ी उपस्थित रहे। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार के के शुक्ला का भी स्वागत किया गया शुक्ला जी ने खिलाड़ियों से मुलाकात करते हुए अपने खेल के प्रति सजग मंसा उजागर किया एवं खेल को विकसित करने के लिए शासन प्रशासन की गतिविधियों की भी जानकारी ली।

स्कूल परिसर के शौचालय से मिले मृत चार मवेशी

उमरिया

जिले के करकेली विकासखंड की ग्राम पंचायत मड़वा के सरकारी माध्यमिक स्कूल परिसर में बने एक शौचालय के अंदर चार मवेशियों के शव मिले हैं। मृत मवेशियों में दो गाय, एक बैल और एक बछड़ा शामिल हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, किसी शख्स इन मवेशियों को शौचालय के भीतर बंद कर दिया गया था। बंद कमरे में दाने-पानी की व्यवस्था न होने के कारण आशंका जताई जा रही है कि भूख और प्यास से तड़पकर उनकी मौत हो गई। सभी मेवेशियों के शव सड़ चुके थे। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई दिनों से स्कूल परिसर के आसपास से भारी बदबू आ रही थी। जब कुछ लोगों ने पास जाकर इसकी पड़ताल की, तो शौचालय के अंदर चार मवेशियों के शव सड़ते हुए मिले। शवों की स्थिति काफी खराब हो चुकी थी। इसके बाद ग्रामीणों ने खुद मवेशियों के शवों को बाहर निकाला और तुरंत जिम्मेदार अधिकारियों को इस घटना की सूचना दी। जिला परियोजना समन्वयक के. के. डेहरिया ने बताया कि इस पूरे केस की जांच के लिए बीआरसीसी को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जांच रिपोर्ट आते ही दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विश्व क्लबफुट दिवस पर जिला अस्पताल में विशेष शिविर आयोजित, 7 बच्चों को मिला लाभ

उमरिया

विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल उमरिया में क्लबफुट (टेढ़े पैर) से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिजनों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम और उपचार शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में इस जन्मजात विकृति की समय पर पहचान एवं शीघ्र उपचार के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल ने कहा कि क्लबफुट का समय पर उपचार होने पर बच्चों के पैर पूरी तरह सामान्य हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में कई बच्चों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा चुका है और वे अब सामान्य बच्चों की तरह सभी गतिविधियों में भाग लेते हुए स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। शिविर में कुल 7 बच्चे उपस्थित हुए, जिनमें एक बच्चे की कास्टिंग (प्लास्टर) की गई तथा 6 बच्चों को क्लबफुट उपचार हेतु विशेष जूते प्रदान

किए गए। वर्तमान में जिले के 29 बच्चे क्लबफुट उपचार कार्यक्रम से लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि जिले की 785 आशा कार्यकर्ताओं को क्लबफुट की पहचान एवं रेफरल प्रक्रिया के लिए प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाया गया है। आशा, एएनएम एवं अन्य फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता बच्चों की प्रारंभिक पहचान कर उन्हें समय पर उपचार केंद्र तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उपचार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों की नियमित काउंसलिंग भी की जा रही है। अनुष्का फाउंडेशन फॉर एलिमिनेटिंग क्लबफुट के सहयोग से जिला अस्पताल में प्रशिक्षित चिकित्सकों, आवश्यक उपकरणों तथा व्यवस्थित फॉलो-अप व्यवस्था के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।कार्यक्रम में सिविल सर्जन एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. कैलाश चंद सोनी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सात दिवस में फायर एनओसी एवं फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र सुनिश्चित करने के निर्देश

उमरिया

जिले में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) 2016 के खंड-4 के अनुसार किसी भी भवन में अधिभोग (उपयोग) से पूर्व फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र (फायर एनओसी) प्राप्त करना अनिवार्य है।उन्होंने बताया कि फायर सेफ्टी प्लान के अनुमोदन तथा फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए शासन द्वारा पंजीकृत फायर कंसल्टेंट के माध्यम से ई-नगरपालिका पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।अपर कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन के संज्ञान में यह भी आया है कि जिले में संचालित कई होटल, रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, अस्पताल, पेट्रोल पंप एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय भवन संहिता-2016 के अनुरूप अग्निशमन उपकरणों का समुचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है, जिससे आगजनी की स्थिति में गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। ग्रीष्म ऋतु में आग लगने की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) बांधवगढ़, मानपुर एवं पाली को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में होटल, रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, अस्पताल, पेट्रोल पंप, विद्यालय, महाविद्यालय तथा छात्रावासों का सघन निरीक्षण करें। साथ ही संबंधित संस्थानों के फायर एनओसी एवं फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्रों की जांच कर सात दिनों के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला उमरिया (म.प्र.)
क्रमांक/187/प्रवा.अप.कले./2026
उमरिया दिनांक/01/05/2026

इश्तहार/उद्घोषणा

सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक (वर पक्ष) श्री सिकंदर कोल पिता पंगू कोल निवासी ग्राम पड़वार थाना इंदवार तहसील मानपुर जिला उमरिया म.प्र. एवं आवेदिका (वधू पक्ष) रानी कोल पिता मुन्ना कोल निवासी ग्राम पड़वार थाना इंदवार तहसील मानपुर जिला उमरिया म.प्र. द्वारा हिन्दू विवाह अधि. 1955 के प्रावधानों अंतर्गत विवाह पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त विवाह पंजीयन किये जाने के संबंध में यदि किसी को किसी प्रकार की आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 29/06/2026 तक न्यायालीन समय 10:00 बजे 06:00 बजे के दौरान स्वयं अथवा विधि व्यावसायी के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। दिनांक 29/06/2026 को आपत्तियों के आमंत्रण के लिये प्रकरण में तिथि नियत है, अत: इस तिथि के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/05/2026 को न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

अपर कलेक्टर एवं विवाद अधिकारी जिला उमरिया (म.प्र.)

लेखन धर्मयात्रा का शुभारंभ आज

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले के पावन सूर्यकुंड धाम में आज से श्रीराम नाम लेखन धर्मयात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। यात्रा का आयोजन श्री सूर्यकुंड धाम मुख्य संचालन समिति द्वारा किया जा रहा है जो 5 जून से 14 जून तक संचालित होगी। धर्मयात्रा के दौरान मंडला जिले के श्रृद्धालुओं को राजस्थान के विभिन्न पवित्र धार्मिक स्थलों एवं तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन कराए जाएंगे। आयोजन समिति के अनुसार यात्रा का उद्देश्य श्रृद्धालुओं में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रसार करना है। यात्रा को लेकर समिति द्वारा नगर निरीक्षक एवं प्रशासन को सूचना प्रेषित कर दी गई है। यात्रा में शामिल श्रृद्धालु निर्धारित वाहन से विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा करेंगे। समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से यात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ लेने अपील की है।

सहायक प्राध्यापक बने धुर्वे

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। मवई विकासखंड के ग्राम मनोरी के युवा पितृस धुर्वे के सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित होने के बाद प्रथम गृह आगमन पर ग्रामवासियों ने रैली निकालकर उनका आत्मीय स्वागत किया। माता-पिता का साया बचपन में ही उठ जाने के बाद पितृस ने आर्थिक तंगी और कठिन संघर्षों के बीच पढ़ाई जारी रखी अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने सहायक प्राध्यापक की परीक्षा उत्तीर्ण कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है स्वागत रैली में ढोल-नगाड़ों के साथ युवाओं ने पितृस को फूल-मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य अनंत सिंह, दिनेश धुर्वे, अंतराम परते, सुखदेव परते, लक्ष्मण मरकाम, श्रीमती लामिया बाई, डॉ. सोन सिंह नेताम, संतोष तेकाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आज चलेगा अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान द्वारा मां नर्मदा के तट पर विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि 5 जून को प्रात: 7:30 बजे नर्मदा घाट की साफ-सफाई एवं जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जाएगा कार्यक्रम में संस्थान की दोनों इकाईयों के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षक-प्रशिक्षिकाएं सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रशिक्षणार्थी सहभागिता करेंगे संस्थान द्वारा सभी संबंधितों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

वित्तीय साक्षरता की जानकारी दी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अग्रणी बैंक प्रबंधक के संयुक्त समन्वय से पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के हितग्राहियों एवं उनके संरक्षकों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ जिसमें हितग्राहियों को सुरक्षित एवं प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कानून अधिकारों की दी जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत मेढ़ा जनपद पंचायत मवई तहसील बिछिया में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया । बालिकाओं को प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सेनेटरी पैड के उपयोग एवं उसके सुरक्षित निपटान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

नाले का पानी नदी में जाते देख भड़के आयोग सदस्य तैश में आकर नगर पालिका कर्मचारी ने पिया नाले का पानी

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जिस संस्था का उद्देश्य देश में मानव अधिकारों की रक्षा करना है उसी संस्था के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के व्यवहार को लेकर मंडला में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो के हाल ही में मंडला दौरे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी है और पूरे मामले को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। मामला नर्मदा नदी माहिष्मती घाट के निरीक्षण से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि निरीक्षण के दौरान नर्मदा नदी में मिल रहे सीवरेज और नालों के प्रदूषित पानी की स्थिति देखने के बाद आयोग सदस्य भड़क उठे और उन्होंने यहां उपस्थित नगर पालिका के सुपरवाईजर पुष्पेन्द्र पांडे से सवाल किए श्री कानूनगो ने कहा कि नर्मदा जी में जा रहा यह नाले का पानी क्या सही है। इस पर श्री पांडे ने कहा कि पुलिस लाईन स्थित पानी की टंकी जब ओवर फ्लो हो जाती है। तो वह पानी बहते हुए यहां पहुंचता है इस पर चर्चा चल ही रही थी पानी की शुद्धता को लेकर पानी पीने कहा गया आवेश में आकर श्री पांडे ने नाले का पानी पी लिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ और अनेक तरह की चर्चाएं भी चल पड़ी इस पूरे मसले में खास बात यह है कि श्री कानूनगो जब चर्चा के दौरान निरीक्षण कर रहे थे तब यहां पर एव्हीपी कार्यकर्ता और समाजसेवी भी खड़े रहे इन लोगों ने भी बात को संभाला नही। वीडियो में कर्मचारी को पानी पीते हुए देखा जा रहा है। घटना के बाद कर्मचारी की तबीयत बिगड़ने और जिला अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि इस पूरे मामले की आधिकारिक पुष्टि और चिकित्सा रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है लेकिन वायरल और स्थानीय चर्चाओं ने मामले को गंभीर बना दिया है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग सदस्य विभिन्न मामलों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी दौरान माहिष्मती घाट महाआरती में शामिल हुए जहां उन्हें जानकारी मिली कि इसी घाट से एक नाला का पानी सीधे नर्मदा जी में जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से जवाब-तलब किया गया। इसी बीच नगरपालिका के सुपरवाइजर पुष्पेंद्र पांडे को मौके पर बुलाया गया। वायरल वीडियो में कथित तौर पर उन्हें उस पानी को पीते हुए देखा जा सकता है जो नाले से निकल रहा था। वीडियो सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि यदि पानी प्रदूषित था तो किसी कर्मचारी को उसे पीने के लिए कहना क्या प्रशासनिक जांच का तरीका हो सकता है और यदि पानी सुरक्षित था तो फिर कर्मचारी की तबीयत बिगड़ने की खबरें क्यों सामने आईं घटना का वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने इसे अमानवीय व्यवहार बताया तो कई ने कहा कि किसी अधीनस्थ कर्मचारी को सार्वजनिक रूप से इस प्रकार की स्थिति में डालना उसकी गरिमा के खिलाफ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि किसी व्यवस्था में खामी है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए लेकिन किसी कर्मचारी को इस प्रकार के प्रदर्शन का हिस्सा बनाना उचित नहीं कहा जा सकता।

कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि मानव अधिकारों की बात करने वाले पदाधिकारियों से संवेदनशीलता और गरिमापूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। ऐसे में वायरल वीडियो ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हालांकि चिकित्सकीय रूप से बीमारी का कारण क्या था इस संबंध में कोई अधिकृत दस्तावेज सार्वजनिक नहीं हुआ है। फिर भी सोशल मीडिया पर यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया जा रहा है कि यदि किसी कर्मचारी की तबीयत घटना के बाद बिगड़ी है तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

लोगों का कहना है कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि कर्मचारी ने किस परिस्थिति में पानी पिया और क्या यह पूरी तरह स्वैच्छिक था या दबाव की स्थिति बनी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी कर्मचारी या नागरिक के साथ व्यवहार करते समय उसकी गरिमा और सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। प्रशासनिक जवाबदेही तय करना और व्यवस्था की कमियां उजागर करना आवश्यक है लेकिन उसके लिए अपनाए जाने वाले तरीके भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि वीडियो में दिखाई गई परिस्थितियां सही हैं तो यह केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि नैतिक बहस का भी विषय है। किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से ऐसी स्थिति में खड़ा करना जहां उसकी असहमति व्यक्त करने की क्षमता सीमित हो गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

प्रकाश बने शतरंज चैंपियन, एसपी ने दी बधाई

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश दिव्यांग शतरंज संघ के प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रकाश वंशकार ने इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांग शतरंज प्रतियोगिता 2026 में वरिष्ठ खिलाड़ी वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले सहित पूरे मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जिले के खेलप्रेमियों एवं शतरंज जगत में हर्ष का वातावरण है प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद प्रकाश वंशकार ने अपनी टीम के साथ मंडला पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं मुलाकात के दौरान प्रतियोगिता के अनुभवों पर चर्चा की गई तथा जिले में शतरंज खेल के विकास और संचालित गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई।

प्रकाश वंशकार ने अपनी सफलता का श्रेय अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी एवं ब्रेन मास्टर चेस अकादमी के प्रशिक्षक भास्कर गरियार तथा तनु गरियार के मार्गदर्शन को दिया। इस सफलता पर दिव्यांग जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, उपाध्यक्ष संजू लता, लकी गरियार, कोषाध्यक्ष भास्कर गरियार तथा मध्यप्रदेश दिव्यांग शतरंज संघ के संरक्षक वेद प्रकाश कुलस्ते सहित अनेक खेलप्रेमियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

संविदा कर्मियों ने जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम के तहत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है जिलेभर के संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के सामूहिक अवकाश और कार्य बहिष्कार किया है जिससे जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप-स्वास्थ्य केंद्र प्रभावित दिखाई दिए। वही मरीज भी अस्पतालों में इलाज के लिए भटकते दिखाई दिए। वहीं विभागीय मॉनिटरिंग और ऑनलाइन रिपोर्टिंग व्यवस्था भी ठप पड़ गई हड़ताल के तीसरे दिन संविदा स्वास्थ्य संगठन के पदाधिकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर मांग की। इस दौरान जिला अध्यक्ष श्री मिश्रा ने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की मांगों से संबंधित पत्र स्वास्थ्य मंत्री को प्रेषित किया जाएगा। वही संविदा स्वास्थ्य संगठन के जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि संविदा स्वास्थ्यकर्मी पिछले 15 से 20 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ सेवाएं दे रहे हैं इसके बावजूद हर बार केवल आश्वासन ही मिला उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा की गई घोषणाएं भी आज तक पूरी नहीं की गई हैं जिससे कर्मचारियों में भारी असंतोष है। हड़ताल के कारण अनमोल पोर्टल और यू-विन पोर्टल पर डाटा एंट्री एवं रिकॉर्ड अपडेट का कार्य बंद है। बच्चों के टीकाकरण, सिकल सेल जांच, टीबी यूनिट और एनसीडी क्लीनिकों का संचालन भी प्रभावित हुआ है इसके अलावा ऑनलाइन एम्बुलेंस सेवाएं, इमरजेंसी एमएलसी, पोस्टमार्टम, लेबर रूम, पीएनसी वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र एनआरसी तथा गर्भवती महिलाओं की आवश्यक जांचें नहीं हो पा रही हैं।

नशामुक्ति अभियान पर जिला स्तरीय बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में संचालित नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों एवं कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा के लिए योजना भवन में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ने की। बैठक में एसपी राजेश रघुवंशी, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया सहित सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने पुलिस विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, जनजाति कार्य विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत नशे की गतिविधियों की हॉटस्पॉट चिन्हित किए जाने एवं नशे की रोकथाम के लिए जिले में कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मंडला नगर एवं 5 किलोमीटर सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार के शराब की बिक्री प्रतिबंधित की गई है। इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि पिछले वर्षों में महुआ लहान जसी के प्रकरणों का अध्ययन करें और संवेदनशील क्षेत्रों का चिन्हांकन करते हुए दबिश की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग मिलकर सभी शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास फ्री जोन बनाएं। शैक्षणिक संस्थाओं के 100 मीटर के दायरे में किसी भी तरह के तम्बाखू उत्पाद बेचने वाली कोई भी दुकानें नहीं होनी चाहिए। प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग रोहित बड़कुल ने जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से नशे के अवैध कारोबार से जुड़ी सूचनाएं प्राप्त कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

फिल्टर प्लांट से कीमती पाइप चोरी

मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के वार्ड 14 स्थित फिल्टर प्लांट से बेस कीमती 180 एम एम के पाइप चोरी हो गए। नगर पालिका नल जल योजना के तहत उपरोक्त पाईपो का उपयोग किया जाना था। बताया जा रहा है कि अज्ञात चोरों ने 4 पाइप 20 फिट के 8 हिससे में 10-10 फिट करके ठिकाने लगा दिए। जिसकी कीमत कई हजारों में बताई जा रही है। इस वारदात की सूचना संबंधित ठेकेदार के द्वारा पुलिस थाना नैनपुर में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। जानकारी अनुसार अमृत 2.0 के अंतर्गत नगर के वार्डो में नई पाइप लाइन का कार्य किया जा रहा है। जिसके पाइप वार्ड क्रमांक 14 फिल्टर प्लांट में रखे हुये है। इसी स्थल से सुपरवाइजर व कर्मचारियों की लापरवाही या सांठगांठ के चलते करीब 1 लाख रुपए के पाइप चोरी हो गए है। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगो मे सुगबुगाहट है कि यह चोरी मिलीभगत या लापरवाही का पर्याय है। जांच का विषय है कि पाईपो को फिल्टर प्लांट से निकालकर किसने और कैसे चार हिस्से में किया, ट्रेक्टर ट्राली या चार चक्का वाहन किसका था, 8 पाइपों को किसने खरीदा। पुलिस मामले कि विस्तृत जांच कर रही है।

पूर्व संचालित अस्पताल में योग कक्षा प्रारंभ

नैनपुर(स्वतंत्र मत)।

नैनपुर में पतञ्जलि योग समिति द्वारा लम्बे अरसे से नगर में योग व्यायाम कराया जा रहा है। परंतु आज तक एक निर्धारित स्थान न होने के कारण ये अनवरत भटकते आ रहे है। नतीजतन इन्हें अलग अलग स्थलों में योगाभ्यास कराने मजबूर होना पड़ता है। अब एसडीएम आषुतोष सिंह ठाकुर से योग समिति प्रमुख व समिति सदस्य राजेंद्र खंडेलवाल, प्रकाश अग्रवाल, कमल गुप्ता ने संयोजन भेंट कर योग व्यायाम करने स्थल की मांग की है। मांग अनुसार एसडीएम नैनपुर के द्वारा पूर्व संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र वार्ड क्रमांक 2 के कक्ष में योग करने की व्यवस्था प्रदान की गई है। अब प्रतिदिन यहां निर्धारित समय पर योगाभ्यास किया जा रहा है। निरंतर प्रतिदिन योगासन करने कराने योग समिति प्रमुख राजेंद्र खंडेलवाल, प्रकाश अग्रवाल, कमल गुप्ता, राजकुमार नागपाल डॉ संगीता उईके डॉ. अंजू लता मरकाम डॉ. नीता भलावीराव, नगर के व्यापारी सहित नगर के दुकानदार तथा बैंक के कर्मचारीयों द्वारा इस योगाभ्यास में अपनी भागीदारी रख रहे है।

समिति द्वारा नगर वासियों से अपील कि गई है कि इस निशुल्क योग शिविर में महिला पुरुष बच्चे वृद्ध सभी उपस्थित होकर लाभ अर्जित कर सकते हैं।

प्रतिदिन योग प्राणायाम से जुड़ रहे लोग

शिक्षा अधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर के निर्देशन में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीजाडांडी का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को परिसर की व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती वरकड़े ने स्पष्ट किया कि सभी पात्र बच्चों का विद्यालय में 100 शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे सभी पात्र छात्रों की छात्रवृत्ति स्वीकृति की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए विद्यालय खुलने से पूर्व पूरे परिसर की सघन साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

दाढ़ी में जन चौपाल आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को विकासखंड मवई की ग्राम पंचायत दाढ़ी में विशेष रात्रि चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

कार्यालय नगर परिषद् निवास, जिला मण्डला (म.प्र.)

प.क्रमांक.....ई-टेण्डर/2026/27 निवास, दिनांक.....

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

स.क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	2026_UAD-511597_1 02.06.2026	वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हेण्डपंप सामग्री प्रदाय कार्य।	09 माह 950000.00	2000.00 9500.00	19.06.2026
2.	2026_UAD-511598_2 02.06.2026	वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जल प्रदाय सामग्री प्रदाय कार्य। (द्वितीय आममत्रण)	09 माह 950000.00	2000.00 9500.00	19.06.2026
3.	2026_UAD-51159-_3 02.06.2026	वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विद्युत सामग्री प्रदाय कार्य।	09 माह 950000.00	2000.00 9500.00	19.06.2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड http://www. mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास, जिला मण्डला

संपादकीय

टीएमसी बनाम टीएमसी

कुछ हफ्ते पहले तक पश्चिम बंगाल की राजनीति की तस्वीर कुछ और थी। ममता बनर्जी पूरे दमखम के साथ 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी थीं। बीजेपी से सीधी टक्कर का नैरेटिव सेट किया जा रहा था। लेकिन फिर 4 मई को चुनावी नतीजों ने बिसात पलट दी और दीदी को सत्ता से बाहर कर दिया। इसके बावजूद अब जो हो रहा है, उसने सबको चौंका दिया है। यह लड़ाई अब बीजेपी बनाम तृणमूल कांग्रेस नहीं, बल्कि टीएमसी बनाम टीएमसी हो गई है। पार्टी के भीतर बगावत के सुर इतने तेज हो गए हैं कि सवाल उठने लगा है कि क्या ममता बनर्जी की टीएमसी भी उसी रास्ते पर जा रही है, जिस पर कभी बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टी गई थीं। दरअसल, मामला 25 मई 2026 से गरमाया, जब टीएमसी के चार विधायकों ने अपनी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। ये विधायक थे- स्वप्ना मांडल, तापस चटर्जी, जगन्नाथ छट्टोपाध्याय और रूपाली बिस्वास। लेकिन यह महज इस्तीफे नहीं थे, यह एक बड़ी बगावत का आगाज था। इन विधायकों ने सिर्फ इस्तीफा ही नहीं दिया, बल्कि यह दावा भी कर दिया कि उनके साथ टीएमसी के करीब 50 विधायक हैं, जो अंदर ही अंदर इस बगावत का समर्थन कर रहे हैं। कुछ विधायक इस्तीफा देकर बीजेपी में भी शामिल हो गए। इन घटनाओं ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या ममता बनर्जी की टीएमसी दो फाड़ होने की तरफ बढ़ रही है? हाल ही में हुई ममता बनर्जी की एक रैली में पार्टी की कमजोर होती पकड़ साफ दिखी। रैली में पुलिस की कई पाबंदियां थीं, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह थी कि पार्टी के बड़े चेहरे और स्टार प्रचारक गायब रहे। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी रैली में नहीं पहुंचे। यह इस बात का संकेत था कि अब जमीनी स्तर पर भी पार्टी के प्रति मोहभंग बढ़ रहा है।

कई विधायकों का कहना है कि पार्टी के सारे फैसले अब सिर्फ एक परिवार के इशारे पर हो रहे हैं। जमीनी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं की सुनवाई नहीं हो रही। इसके अलावा चुनाव में जिस तरह से टिकट बांटे गए, उससे भी कई नेता नाराज थे, जिन्होंने हार के बाद अपनी बात खुलकर रखी। इधर, बीजेपी भी टीएमसी के नाराज विधायकों के संपर्क में है और उन्हें तोड़ने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि टीएमसी में विभाजन की अफवाहें सिर्फ हवा-हवाई नहीं हैं। पार्टी के भीतर एक बड़ा धड़ा अब सामूहिक नेतृत्व की मांग कर रहा है और एक व्यक्ति या परिवार के केंद्र में होने का विरोध हो रहा है। हालांकि, ममता बनर्जी ने हर बार सार्वजनिक तौर पर इन खबरों को नकारा है और कहा है कि विपक्ष ऐसी अफवाहें फैला रहा है। लेकिन जिस तरह से एक के बाद एक नेता और विधायक सोशल मीडिया पर नाराजगी जता रहे हैं और पार्टी छोड़ रहे हैं, उससे साफ है कि स्थिति गंभीर है। इस पूरे मामले का सबसे अहम पहलू यह सवाल है कि बंगाल में कोई पार्टी टूटने के बाद क्यों नहीं बचती? बंगाल की राजनीति का इतिहास गवाह है कि जो पार्टी एक बार टूटती है, वो दोबारा सत्ता या मजबूत विपक्ष की हैसियत हासिल नहीं कर पाती। इतिहास बताता है कि बंगाल का मतदाता हमेशा एक मजबूत और एकजुट विपक्ष चाहता है। अगर कोई पार्टी विपक्ष में रहते हुए भी आपस में लड़ती दिखती है, तो जनता का भरोसा उठ जाता है। इसीलिए टूट के बाद कोई भी पार्टी दोबारा खड़ी नहीं हो पाती। अब देखना यह है कि क्या ममता बनर्जी इस इतिहास को बदल पाती हैं या टीएमसी भी बंगाल की राजनीति का एक और अध्याय बनकर रह जाएगी। अब अगर ममता बनर्जी पार्टी को यह भरोसा नहीं दिला पाईं कि फैसले सामूहिक होंगे और सिर्फ एक परिवार के नहीं, तो टीएमसी का भविष्य अंधकार में जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

पर्यावरण संरक्षण एक युग का संकल्प
जल की हर बूंद में भविष्य की धड़कन

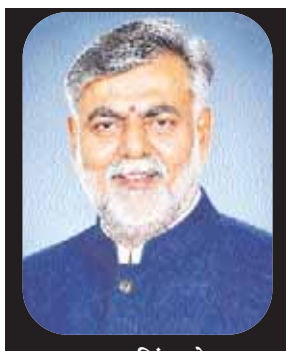

प्रहलाद सिंह पटेल
मंत्री
पंचायत एवं ग्रामीण विकास
और श्रम विभाग

विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का अवसर है। यह वह क्षण है जब हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को पुनः स्मरण करते हुए एक ऐसे भविष्य की कल्पना करनी चाहिए, जहां जल, जंगल और जमीन सुरक्षित हों। आज आवश्यकता केवल एक दिन के संकल्प की नहीं, बल्कि आने वाले युगों तक चलने वाले जन-संकल्प की है।

पीढ़ियों से हम सुनते आए हैं..जल ही जीवन है। किंतु विडंबना यह है कि इस सत्य को समझने में हमें एक गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ा। आज यह संकट किसी एक मोहल्ले, शहर, राज्य या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण पृथ्वी के अस्तित्व से जुड़ा वैश्विक प्रश्न बन चुका है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन ने प्राकृतिक जल स्रोतों को तेजी से क्षीण कर दिया है। ऐसे समय में पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजना मानवता का सबसे बड़ा दायित्व बन गया है। जल संकट की गंभीरता केवल पानी की कमी तक सीमित नहीं है। भू-जल स्तर का निरंतर गिरना, नदियों का प्रदूषित होना, पारंपरिक जल स्रोतों का लुप्त होना और वर्षा जल का व्यर्थ बह जाना इस संकट के प्रमुख कारण हैं। कभी गांवों और नगरों की जीवनरेखा रहे तालाब, बावड़ियाँ और कुएं आज उपेक्षा, अतिक्रमण और कचरे के बोझ तले दम तोड़ रहे हैं। दूसरी ओर कृषि और उद्योगों में जल के अंधाधुंध दोहन ने स्थिति को और अधिक विकट बना दिया है। ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जल गंगा संवर्धन अभियान आशा की एक सशक्त किरण बनकर उभरा है। यह अभियान केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी पर आधारित एक सामाजिक आंदोलन है, जिसका मूल मंत्र है...जन सहयोग से जल संरक्षण और संवर्धन। इसका उद्देश्य जल संकट के मूल कारणों का समाधान करते हुए समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करना है।

मैंने स्वयं अपने विधानसभा क्षेत्र नरसिंहपुर तथा गृह नगर गोटेगांव में सिंगरी नदी के पुनर्जीवन हेतु सफाई अभियान चलाकर जल स्रोतों के संरक्षण का प्रयास किया है। इसी अनुभव के आधार पर मैं सदैव आह्वान करता हूं-नदियों को नाला बनाना बंद करें। वास्तव में नदी का उद्गम स्थल ऊर्जा का केंद्र होता है और जहां नदियों का संगम होता है, वहां जीवन की नई संभावनाएँ जन्म लेती हैं। इसलिए नदियों के उद्गम और उनके प्राकृतिक स्वरूप की रक्षा करना हमारा सामूहिक दायित्व है। खास इसमें यह भी है कि संकल्प का विकल्प नहीं होता। इसलिए संकल्प प्रधान होना आवश्यक है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पुराने तालाबों, कुओं, बावड़ियों और नदियों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि बारिश का पानी धरती में समाहित होकर भू-जल स्तर को पुनर्जीवित कर सके। जल स्रोतों के आसपास व्यापक वृक्षारोपण किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण की प्राकृतिक प्रक्रिया मजबूत हो सके। साथ ही नदियों में प्रदूषण रोकने और गंदे नालों के प्रवाह को नियंत्रित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस अभियान के परिणाम उत्साहवर्धक हैं। जल संरचनाओं की सफाई और गहरीकरण से भू-जल स्तर में सुधार हुआ है। अनेक ऐतिहासिक तालाबों और बावड़ियों का पुनर्जीवन हुआ है, जिससे स्थानीय स्तर पर जल उपलब्धता बढ़ी है। पानी चौपाल जैसे कार्यक्रमों ने लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा की है और जल बचाने की संस्कृति को पुनर्जीवित किया है। कई क्षेत्रों में विलुप्तप्राय नदियां पुनः प्रवाहित होने लगी हैं, जो इस अभियान की सफलता का जीवंत प्रमाण हैं। कृषि क्षेत्र में भी इस अभियान ने सकारात्मक प्रभाव डाला है। किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो रहा है। यह न केवल जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि किसानों की आर्थिक समृद्धि का भी आधार बन रहा है। हालांकि जल संकट के स्थायी समाधान के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास भी आवश्यक हैं। शहरों में अपशिष्ट जल का शोधन कर पुनः उपयोग किया जाना चाहिए। औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है और व्यक्तिगत स्तर पर भी हमें पानी की बर्बादी रोकने की आदत विकसित करनी होगी। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक कोई भी अभियान पूर्ण सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।

जल संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है। यदि आज हम जल को सहेजेंगे, तभी भविष्य सुरक्षित रहेगा। हमें अपनी प्राचीन जल संस्कृति से जोड़ते हुए वैज्ञानिक जल प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग देखना है।

आइए, इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि जल की हर बूंद को बचाएंगे, जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। क्योंकि सच यही है-पानी को सहेजना ही आने वाली पीढ़ियों को बचाना है, और जल का संरक्षण ही जीवन का संरक्षण है।

राहुल गांधी का मूल्यांकनः क्या भारतीय राजनीति में उनके साथ न्याय हुआ है?

भूपेन्द्र गुप्ता
(लेखक कांग्रेस विचार विभाग के अध्यक्ष हैं)

भारतीय राजनीति में शायद ही कोई नेता ऐसा रहा हो जिसकी आलोचना और चर्चा उतनी हुई हो जितनी राहुल गांधी की। पिछले डेढ़ दशक में उन्हें कभी अनुभवहीन, कभी अनिच्छुक राजनेता और कभी वंशवाद का प्रतीक बताया गया। इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने भी राहुल गांधी को well-intentioned dilettante कहा था-अर्थात अच्छी नीयत रखने वाला किंतु शौकिया राजनेता। प्रश्न यह है कि क्या यह मूल्यांकन आज भी उतना ही प्रासंगिक है, या समय ने इस निष्कर्ष को चुनौती दी है?

राहुल गांधी के आलोचक प्रायः उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि को उनके राजनीतिक जीवन का केंद्रीय तथ्य मानते हैं। इसमें संदेह नहीं कि वे भारत के सबसे प्रसिद्ध राजनीतिक परिवार से आते हैं। किंतु क्या किसी नेता का अंतिम मूल्यांकन उसके उपनाम से होना चाहिए या उसके सार्वजनिक जीवन के कार्यों से?

यदि केवल वंशवाद ही कसौटी है, तो भारतीय राजनीति के अनेक दलों और नेताओं की वैधता पर समान प्रश्न उठने चाहिए। लगभग हर बड़े दल में ऐसे नेता मौजूद हैं जिनकी प्रारंभिक राजनीतिक पहचान पारिवारिक विरासत से बनी। किंतु उनके मूल्यांकन में अक्सर उनकी राजनीतिक क्षमता, जनाधार और चुनावी प्रदर्शन को भी महत्व दिया जाता है। राहुल गांधी के मामले में यह उदारता कम दिखाई देती है।

पिछले वर्षों में राहुल गांधी ने भारतीय राजनीति में एक अलग प्रकार की राजनीतिक शैली प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा केवल राजनीतिक अभियान नहीं थे; वे जनता से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने के प्रयास भी थे। हजारों किलोमीटर की यात्राएँ, लगातार जनसंपर्क और विभिन्न सामाजिक समूहों से संवाद किसी ऐसे नेता की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं जिसे राजनीति में रुचि नहीं है, यह कहना कठिन हो जाता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी ने अत्यंत प्रतिकूल राजनीतिक वातावरण में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है। भारतीय राजनीति में ऐसे अनेक नेता रहे हैं जो एक बड़ी चुनावी हार के बाद सार्वजनिक जीवन के हाशिये पर चले गए। इसके विपरीत राहुल गांधी राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख विपक्षी चेहरों में बने रहे, लोकसभा में चुने जाते रहे और विपक्षी विमर्श को प्रभावित करते रहे। किसी भी लोकतंत्र में यह स्वयं एक राजनीतिक उपलब्धि मानी जाती है।

यहीं रामचंद्र गुहा जैसे विश्लेषकों के मूल्यांकन पर प्रश्न उठता है। यदि किसी नेता की सफलता का मापदंड केवल सत्ता प्राप्ति है, तो लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका का महत्व कम हो जाता है। और यदि सफलता का मापदंड जनसंपर्क, वैचारिक हस्तक्षेप, संगठनात्मक प्रभाव और सार्वजनिक स्वीकार्यता भी है, तो राहुल गांधी का मूल्यांकन अधिक संतुलित होना चाहिए।

गुहा की आलोचना का एक दूसरा पक्ष भी है। वे कांग्रेस में गांधी परिवार की केंद्रीय भूमिका को भारतीय लोकतंत्र की समस्या मानते हैं। यह एक वैध तर्क है। किंतु निष्पक्ष विश्लेषण की मांग यह है कि वही कसौटी अन्य दलों और अन्य राजनीतिक परिवारों पर भी समान कठोरता से लागू की जाए। यदि किसी दल में वंशानुगत नेताओं की उपस्थिति राजनीतिक क्षमता का प्रमाण मानी जाती है, तो दूसरे दल में वही तथ्य लोकतांत्रिक दोष का पर्याय कैसे बन जाता है?

राहुल गांधी का मूल्यांकन करते समय यह स्वीकार करना आवश्यक है कि उनकी राजनीति से असहमति संभव है। उनकी रणनीतियों की आलोचना भी की जा सकती है। किंतु उन्हें केवल एक राजनीतिक उपनाम तक सीमित कर देना उनके सार्वजनिक जीवन के वास्तविक प्रयासों की उपेक्षा होगी।

लोकतंत्र में किसी नेता का अंतिम मूल्यांकन इतिहास करता है, और इतिहास केवल वंश नहीं देखता; वह यह भी देखता है कि कठिन समय में किसने संघर्ष किया, जनता से संवाद किया और अपने विचारों के लिए कितना जोखिम उठाया। राहुल गांधी के समर्थक इसी आधार पर कहते हैं कि उनके बारे में प्रचलित धारणाओं और उनके वास्तविक राजनीतिक प्रयासों के बीच की दूरी को अब नए सिरे से परखा जाना चाहिए।

इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं है कि राहुल गांधी कौन हैं; प्रश्न यह भी है कि क्या भारतीय सार्वजनिक विमर्श उन्हें उसी कसौटी पर परखता है जिस पर वह अन्य नेताओं को परखता है। यदि उत्तर नहीं है, तो शायद पुनर्मूल्यांकन का समय आ चुका है। रामचंद्र गुहा से इतना.तो आग्रह किया ही जाना चाहिए कि जिन राजनीतिक दलों ने वंशवादी प्रतिष्ठा के आधार पर ही दूसरे दलों से नेताओं को तोड़ा और अपने दल में शामिल किया उन पर वे क्या राय रखते हैं। क्या सिंधिया,रीता बहुगुणा, वीरेन्द्र सिंह,चौटाला,वरुण गांधी , अमरेंद्र सिह ,पटवा, सखलेचा, राजवीर सिंह,पंकज सिंह,पीयूष गोयल, बांसुरी स्वराज,अनुराग ठाकुर, अशोक चव्हाण, देवड़ा,प्रवेश वर्मा आदि भी समीक्षा के समानाधार पर कसे जाते हैं? इन सबकी योग्यता इनका परिवार ही है.लेकिन राहुल गांधी ही बौद्धिक पूर्वाग्रहों का आसान शिकार हैं क्यों? वंश किसी नेता को अवसर तो दे सकता है, लेकिन जनता बार-बार केवल वंश के आधार पर वोट नहीं देती। लोकतंत्र में विरासत प्रवेश-द्वार हो सकती है, स्थायित्व नहीं। राहुल गांधी की आलोचना कीजिए, उनकी राजनीति से असहमत रहिए, लेकिन उनके राजनीतिक जीवन के दो दशकों के संघर्ष, यात्राओं और जनसंवाद को केवल एक उपनाम में समेट देना इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा। तब तो और भी नहीं जब न्यायाधीश इतिहासकार के रूप में जाना जाता हो।

पर्यावरण बचाने के लिए

व्यंग्य

संतोष उत्सुक

सार्वजनिक रूप से वह हमेशा कहते रहे कि पर्यावरण को बचाते हुए विकास ने भरपूर योगदान दिया है लेकिन उनका दिल जानता था कि हुआ क्या है और क्या नहीं हुआ। इस बात का उन्हें संजीदा एहसास हो गया था कि पर्यावरण बचाने के लिए अब नई रणनीति का होना ज़रूरी है। उनकी पवित्र आत्मा झकझोर रही थी इसलिए अब उन्हें नए ढंग से चिंता करनी ही थी। पर्यावरण को कुछ न कुछ फायदा हो इसलिए उन्होंने अपनी जीवन शैली बदलने का साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने निर्णय लिया कि रोज़ ज़मीन पर बैठकर कुछ मिनट तक आंखें वाकई बंदकर चिंतन मनन करेंगे। आज तक उन्होंने कोई भी कार्य उचित तरीके से नहीं किया अब करेंगे ताकि आत्मिक शक्ति विकसित हो। यह नैतिक कार्य घर में नहीं हो सकता इसलिए संकल्प लिया पड़ोस में बने पार्क में करेंगे। यह वही पार्क है जिसे बनने के बाद भुला दिया गया। उन्होंने अपना पहनावा बदलने का संकल्प भी लिया। अब रोज़ नीला या हरा ही पहना करेंगे। रविवार को सिर्फ सफ़ेद वस्त्र ही धारण करेंगे ताकि उनके व्यक्तित्व से शांति का सन्देश प्रेषित हो।

उन्होंने निर्णय लिया कि पर्यावरण सुधारने के लिए जो भी विचार करना है लकड़ी की पुरानी आरामदायक कुर्सी पर बैठकर करेंगे । कुर्सी पर विराजने के बाद

आंख मींच कर नहीं बल्कि पूरी आंखें खोलकर ही सोचेंगे। गहरा सोचने के लिए ठोड़ी के नीचे उंगलियां चिपका कर रखेंगे। सिर पर हाथ रखकर कभी न सोचेंगे क्यूंकि इससे गलत सन्देश प्रेषित हो जाता है। जीन्स पहनकर काफी मंथन कर चुके लेकिन बात नहीं बनी। अब अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड की नीले रंग की नेकर पहनकर, सफ़ेद रंग की टी शर्ट चुनी जिस पर एक चिड़िया की तस्वीर और 'लव द नेचर' भी छपा है।

उन्होंने हरे रंग की कैप लगाकर भाषण सुने और हाथ में सफ़ेद दस्ताने पहनकर समाज व प्रशासन के ज़िम्मेदार लोगों के साथ दौड़ लगाई। लेकिन अगली ही सुबह फिर लगने लगा कि कुछ ठोस नहीं हो पाया। दिमाग फिर डांटने लगा कि कुछ और बेहतर सोचो। फिर एक दिन घर से प्लास्टिक का पुराना सामान कूड़े वाले को देने की योजना बनाई लेकिन पत्नी के न मानने के कारण असफल हो गए। पत्नी ने कहा प्लास्टिक का सारा सामान जोकि मुझे बहुत प्रिय है घर से बाहर करने के लिए तैयार हूं ताकि पर्यावरण जल्दी सुधर जाए लेकिन पीतल और तांबे का नया सामान लाने के लिए बजट कहां से आएगा। घर का वातावरण ठीक रखने के लिए पहले यह बताइए। उनके पास फिलहाल कोई जवाब नहीं था।

यह बात सुबह सुबह ही हुई, नाश्ता करते हुए उन्होंने कल से योग करने का निश्चय किया। अपनी सेहत को ठीक रखने के लिए हलके फुलके व्यायाम करने के बाद रोजाना शवासन करने का निर्णय किया ताकि पहले अपना और घर का स्वास्थ्य ठीक रहे और जीवन का वातावरण शांत रहे। बदली हुई परिस्थितियों के कारण, पर्यावरण सुधार की महत्वपूर्ण योजना बारे गहन विचार विमर्श फिर से स्थगित हो गया।

पल पल बिखरता पर्यावरण, संकट में इंसान : अब भी वक्त है

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'
लेखक/पत्रकार

पर्यावरण अर्थात मनुष्य का आवरण, और जब आवरण ही नहीं रहेगा तो मनुष्य कब तक सुरक्षित रहेगा, और ये आवरण धरती, आकाश, पानी, और हवा जो हमारी सांसे हैं , और इनका संतुलन ही पृथ्वी को मानव के लिए रहने योग्य बनाता है, पर अफसोस अधाधुंध औद्योगिकीकरण और हमारे भौतिकतावादी विकास ने ना सिर्फ़ पर्यावरण को तहस नहस किया है अपितु धरती पर मानव के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग रहा है और शायद मानव प्रजाति धरती पर समाप्त भी हो सकती है अगर हम पर्यावरण को संभाल नहीं पाए । इज आहट को बयां कर रही हैं अखबारों सोशल मीडिया की सुर्खियां,सुबह अखबार खोलो तो 'हीटवेव का अलर्ट'। मोबाइल खोलो तो ÒAQI 350' का नोटिफिकेशन। बाहर निकलो तो गले में खुजली और आंखों में जलन। ये कोई फिल्म का सीन नहीं, वर्तमान में ये हकीक़त दुनिया के हर शहर की है। पर्यावरण पल पल बिखर रहा है। और इस बिखराव के मलबे में सबसे ज्यादा घायल इंसान खुद है।

बिखराव के आंकड़े, जो चिल्ला रहे हैं

हवा- हवा जिससे मिलती है जीवनदायी सांसे लेकिन अब वो भी ज़हरीली हो गई है हमारे फेफड़े जवाब दे रहे हैं, और इसी दमघोंटू वातावरण पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था दिल्ली गैस चैंबर बन गई है।दिल्ली, , कानपुर जैसे 35 शहरों की हवा 'बहुत खराब' कैटेगरी में। WHO कहता है वायु प्रदूषण से हर साल 70 लाख मौतें। हम सांस ले रहे हैं या धुआं पी रहे हैं, फर्क करना मुश्किल।

पानी- जल है तो जीवन है, लेकिन इन्सान के लिए ये अमृत मृग मरीचिका बनता जा रहा है,भारत के 54% भूजल ब्लॉक 'ओवरएक्सप्लोइटेड' घोषित। नर्मदा, गंगा में BOD लेवल खतरनाक। पहले लोग नदी से अंजुलि भरकर पीते थे, अब RO के बाद भी TDS चेक करते हैं।

जंगल- 1950 से अब तक भारत 1.6 करोड़ हेक्टेयर जंगल खो चुका है। एक पेड़ कटता है तो 4 लोग की ऑक्सीजन कटती है। हिसाब सीधा है। अभी मध्य प्रदेश में पन्ना रेल लाईन के लिए पचास हजार पेड़ काट दिए गए और हद ये की अब इंजीनियर कह रहे हैं इस जगह रेल लाईन बिछाना तकनीकी रूप से ठीक नही है अब दूसरे रास्ते पर रेल लाईन बिछाई जाएगी उसके लिए फिर पचास हजार पेड़ काटने पड़ेंगे ये आंकड़े तो सरकारी हैं कितने अघोषित तौर पर कट जायेंगे सब को पता है।

तापमान- 2025 भारत का सबसे गर्म साल रहा। भारत में में कई शहरों का तापमान मई में 48.2 डिग्री तक पहुंच गया था। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, और हम कूलर की कूलिंग बढ़ा रहे हैं।

संकट में इंसान- तन, मन और धन तीनों पर मार। पर्यावरण का संकट अब 'भविष्य की बात' नहीं रहा। ये आज की बीमारी है।

तन पर- अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, स्किन एलर्जी बच्चों में 300 प्रतिशत बढ़ी। डॉक्टर की पर्ची पर अब 'मास्क पहनें' भी लिखा आता है।

मन पर- 'इको एंग्जायटी' नया शब्दकोश में जुड़ा। युवा डरे हुए हैं कि 2050 में धरती रहने लायक बचेगी या नहीं।

धन पर- फसल मारी गई तो किसान कर्ज में। बाढ़ आई तो घर डूबा। हीटवेव से बिजली बिल डबल। पर्यावरण की मार सीधे जेब पर पड़ रही है।

बिखराव के असली गुनहगार कौन?

ऊंगली उठाना आसान है, पर आईना देखना जरूरी है।

'विकास' का नशा- पेड़ काटकर मॉल, नदी पाटकर कॉलोनी, पहाड़ काटकर हाईवे। हमने विकास को 'कंक्रीट' समझ लिया। भूल गए कि बिना हरियाली के विकास 'रेगिस्तान' बन जाता है।

प्लास्टिक की लत- एक बार इस्तेमाल, 500 साल सड़न। चाय का गिलास से लेकर शॉपिंग बैग तक। नदी में मछली नहीं, पन्नी तैर रही है।

लापरवाह उपभोक्ता हमः AC 16 पर, लाइट दिन में ऑन, पानी नल खुला छोड़कर ब्रश। हम खुद को 'एक आदमी' समझकर जिम्मेदारी टाल देते हैं। पर 140 करोड़ 'एक आदमी' मिलकर धरती हिला देते हैं।

नीति और अमल का फर्क- कागज पर 'नेट जीरो 2070' का वादा। जमीन पर पेड़ कटाई का ठेका। कानून हैं, पर इरादा कमजोर है।

समाधान- बड़े भाषण नहीं, छोटे कर्म- पर्यावरण अभी मरा नहीं, बेहोश है। उसे होश में लाने के लिए हिमालय हिलाने की जरूरत नहीं। अपने आंगन से शुरू करना होगा।

एक एक कदम से बचेगा पर्यावरण- एक पेड़ + एक गमला- जन्मदिन, शादी की सालगिरह पर पौधा लगाओ। तुलसी, नीम, पीपल। फोटो खींचो, पर पानी देना मत भूलो।

कपड़े का थैला- जेब में हमेशा रखो। 2 रुपए की पन्नी धरती को 200 साल तक घाव देती है।

बिजली की किफायत- AC 24-26 पर रखो। दिन में लाइट बंद। 'स्टैंडबाय' पर टीवी मत छोड़ो। यूनिट बचेगी, कोयला भी। पानी का सम्मान ब्रश करते समय नल बंद। कार बाल्टी से धोओ। हर बूंद हिसाब मांगती है।

सरकार और समाज क्या करे

सार्वजनिक परिवहन- मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस को सस्ता और सुलभ बनाओ। सड़क पर कार कम, लोग ज्यादा।

हरित बजट- पेड़ काटने का बजट है तो लगाने का 10 गुना बजट भी हो। 'कॉम्पनसेट्री अफॉरेस्टेशन' कागज पर नहीं, जमीन पर दिखे।

जन जागरूकता- स्कूल में पर्यावरण 'विषय' नहीं 'जीवनशैली' बने। बच्चा जो सीखेगा वही आगे चलाएगा।

प्रकृति माफ नहीं करती, मौका जरूर देती है, प्रकृति ने हमें सब दिया। हवा, पानी, मिट्टी, फसल। बदले में हमने उसे कचरा, धुआं और कंक्रीट दिया। पर अभी देर नहीं हुई है। हिमालय अभी खड़ा है। नर्मदा अभी बह रही है। मिट्टी में अभी बीज उग सकता है। अगर पेड़ कटते रहे तो कागज पर संविधान बचेगा, सांस लेने के लिए ऑक्सीजन नहीं। अगर नदी गंदी होती रही तो पूजा के लिए मंत्र बचेगा, पीने के लिए पानी नहीं।

साल 2026 में भी विश्व पर्यावरण दिवस एक महत्वपूर्ण संदेश के साथ मनाया जा रहा है। इस बार का फोकस प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या पर है, जो समुद्रों, नदियों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य तक को प्रभावित कर रही है। 2026 में विश्व पर्यावरण दिवस की थीम है Climate action यानी जलवायु कार्रवाई पर केंद्रित है।इसका मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खिलाफ तत्काल कदम उठाना, कार्बन उत्सर्जन कम करना और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस अजरबैजान के बाकू शहर में मुख्य वैश्विक समारोह का आयोजन होगा।

संकट में इंसान है क्योंकि इंसान ने खुद को प्रकृति से अलग मान लिया। जबकि सच ये है कि हम प्रकृति के मालिक नहीं, उसके किरायेदार हैं। और किराया समय पर न दो तो मकान मालिक बेघर कर देता है। आज एक पौधा लगा दीजिए। कल वो आपको छांव देगा। आज एक थैला संभाल लीजिए। कल वो धरती का बोझ हल्का करेगा। पल पल बिखराव रोकना है तो पल पल संभलना होगा। वरना आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी। वो पूछेंगीजब सब हो रहा था, तब आप क्या कर रहे थे? पर्यावरण दिवस तभी सार्थक होगा जब हम सब छोटे कदम उठाएंगे।

केदारनाथ में `कैरी मी बैक पॉलिसी': दर्शन के बाद कचरा वापस लाना जरूरी

रुद्रप्रयाग ।

केदारनाथधाम में स्वच्छता की दिशा में जिला प्रशासन ने एक नई पहल की है। धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को अब वापसी में कैरी बैग्स में सूखा कूड़ा भरकर गौरीकुंड तक लाना होगा। केदारनाथधाम में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने को लेकर नगर पंचायत केदारनाथ द्वारा हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन और सुलभ इंटरनेशनल के सहयोग से कैरी मी बैक पॉलिसी लागू की गई है। इस पहल का उद्देश्य धाम क्षेत्र को कूड़ामुक्त बनाए रखना, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना और तीर्थयात्रा को अधिक व्यवस्थित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना है।

हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे

चारधाम यात्रा के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचते हैं। अब तक 40 दिन में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु धाम के दर्शन कर चुके हैं। ऐसे में धाम में प्लास्टिक, पैकेजिंग सामग्री एवं अन्य प्रकार के सूखे कूड़े की मात्रा में वृद्धि होती है। धाम की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इस कूड़े का समयबद्ध निस्तारण चुनौतीपूर्ण कार्य है।

क्या है कैरी मी बैक पॉलिसी

इसी चुनौती के समाधान के रूप में कैरी मी बैक पॉलिसी को व्यावहारिक रूप से लागू किया गया है। इस नीति के तहत नगर पंचायत केदारनाथ द्वारा लगभग 400 से 500 ग्राम क्षमता वाले बैग्स में सूखा कूड़ा भरकर यात्रियों को उपलब्ध कराया जाएगा। यात्रियों को केवल इन बैग्स को अपने साथ गौरीकुंड तक लाना होगा। इस पहल में हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन यात्रियों के लिए कूड़ा बैग्स उपलब्ध कराने तथा गौरीकुंड में कूड़े के संग्रहण की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। वहीं सुलभ इंटरनेशनल कूड़े का उठान कर निस्तारण करेगा।

रूस के रणनीतिक उत्तरी हब तक पहुंची जंग
यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग को कैसे बनाया निशाना

नई दिल्ली।

रूस के सबसे बड़े आर्थिक मंच के आयोजन के बीच यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग पर बड़ा ड्रोन हमला कर क्रेमलिन को एक करारा झटका दिया है। जब दुनिया भर से हजारों प्रतिनिधि इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंच रहे थे, ठीक उसी समय यूक्रेनी ड्रोनों ने शहर के ऊर्जा और सैन्य ठिकानों को अपना निशाना बनाया। इस हमले ने न सिर्फ बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि रूस की आर्थिक स्थिरता और अचूक सुरक्षा के दावों को भी एक बड़ा प्रतीकात्मक आघात दिया है।

यह हमला मुख्य रूप से पीटर्सबर्ग ऑयल टर्मिनल और क्रोनस्टैड में नौसैनिक सुविधाओं को निशाना बनाकर किया गया था। हालांकि 2024 के बाद से इस शहर को ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ा है, लेकिन यह ताजा हमला अपने टाइमिंग के कारण विशेष रूप से चर्चा में है। सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव के अनुसार, इन हमलों में शहर की कई बुनियादी ढांचा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि किसी की

मौत की खबर नहीं है। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम रूस का सबसे प्रमुख निवेश और व्यापारिक आयोजन है, जो हर साल सरकारी नेताओं, कॉर्पोरेट अधिकारियों और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को आकर्षित करता है। इस तीन दिवसीय आर्थिक मंच में 130 देशों के लगभग 20,000 प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद थी, जिसे अक्सर रूस का दावोस भी कहा जाता है। यह मंच क्रेमलिन के लिए यह प्रदर्शित करने का एक बेहद महत्वपूर्ण जरिया बन गया है कि मास्को को अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के प्रयासों के बावजूद, रूस आर्थिक रूप से मजबूत बना हुआ है और नए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को आकर्षित करने में पूरी तरह सक्षम है।

क्यों खास है सेंट पीटर्सबर्ग?

जार पीटर द ग्रेट द्वारा 1703 में स्थापित सेंट पीटर्सबर्ग 1918 तक रूसी साम्राज्य की राजधानी रहा था। अक्सर रूस की यूरोप के लिए खिड़की के रूप में वर्णित यह शहर आज भी देश के सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक केंद्रों में से एक है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इसका नाम बदलकर पेट्रोग्राद और बाद में सोवियत शासन के तहत लेनिनग्राद कर दिया गया था। यह शहर 1917 की रूसी क्रांति का मुख्य केंद्र था और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इसने लेनिनग्राद की 872 दिनों की ऐतिहासिक घेराबंदी को झेला था, जो आधुनिक इतिहास की सबसे घातक घेराबंदी में से एक थी।

अपने ऐतिहासिक महत्व के अलावा, यह एक बड़ा आर्थिक और व्यापारिक केंद्र भी है। बाल्टिक सागर के तट पर स्थित सेंट पीटर्सबर्ग बाहरी दुनिया के साथ रूसी व्यापार के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यह शहर जहाज निर्माण, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और प्रौद्योगिकी सहित प्रमुख उद्योगों का गढ़ है, जबकि इसके बंदरगाह रूस के समुद्री व्यापार के एक बड़े हिस्से को संभालते हैं।

हमले के राजनीतिक मायने

यह नवीनतम ड्रोन हमला रूसी क्षेत्र के भीतर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक हमले करने की यूक्रेन की बढ़ती क्षमता को रेखांकित करता है। भौतिक नुकसान से परे, इस हमले का राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक महत्व बहुत अधिक है।

यह हमला ठीक उसी समय हुआ जब रूस अपने प्रमुख आर्थिक मंच के जरिए दुनिया को यह दिखा रहा था कि पश्चिमी प्रतिबंधों और युद्ध के बावजूद उसकी अर्थव्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह नियंत्रण में है। ऐसे में इस हमले ने रूस के इन दावों पर एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है।

मौत के 4 महीने बाद खामेनेई का होगा अंतिम संस्कार, पार्थिव शरीर का निकाला जाएगा जुलूस

नई दिल्ली। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के लगभग चार महीने बाद उनको ईरान के मशहद शहर में इमाम रजा के मजार के पास सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उनकी अंतिम इच्छा थी कि शिया इस्लाम की सबसे सम्मानित हस्तियों में से एक के बगल में उनको दफनाया जाए। आईआरजीसी के अनुसार, उनके जनाजे में आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े जनसमूहों में से एक देखने को मिल सकता है। जनाजा 21 जून के आसपास निकलने की उम्मीद है। सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरानी अधिकारियों को उम्मीद है कि अंतिम संस्कार की रस्मों के लिए तेहरान, कोम और मशहद में लगभग 2 करोड़ शोक मनाने वाले लोग इकट्ठा होंगे। सार्वजनिक दर्शन और विदाई के लिए पूरे तीन दिन निर्धारित किए गए हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की संयुक्त हवाई हमलों में तेहरान स्थित खमेनेई के दफ्तर-सह-आवास के मलबे में तब्दील हो जाने के बाद से उनके शव के बारे में कोई खबर नहीं मिली है। तेहरान में मुख्य अंतिम संस्कार समारोह कम से कम 24 घंटे तक चलने की उम्मीद है, जिसके बाद धार्मिक केंद्र कोम और अंत में मशहद में जुलूस निकाले जाएंगे, जहां इमाम रजा दरगाह पर उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

ईरान पर अब हमले नहीं करेगा अमेरिका
ऑपरेशन एपिक फ्यूरी खत्म : मार्को रूबियो

नई दिल्ली

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को एक बार फिर दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त हो चुका है। इसके उलट घातक हमले जारी रहे। वहीं रूबियो ने हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी को बताया कि अमेरिका ने जीत हासिल कर ली है। उन्होंने कहा, हम अब ईरान के भीतर उनकी सेना को कमजोर करने के लिए लगातार हमले नहीं कर रहे हैं, क्योंकि एपिक फ्यूरी अब खत्म हो चुका है। अमेरिका-इजरायल युद्ध ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया गया है। यह 28 फरवरी को ईरान पर हुए पहले हमलों के बाद से पूरे मिडिल-ईस्ट को अपनी चपेट में ले चुका है।

ईरान ने इस क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों को निशाना बनाकर और होर्मुज स्ट्रेट को प्रभावी ढंग से अवरुद्ध करके जवाब दिया है। रूबियो ने कहा, हम जीत को इस तरह परिभाषित करते हैं कि उनके रक्षा औद्योगिक आधार को नष्ट कर दिया जाए, उनके पास मौजूद मिसाइल लॉन्चरों की संख्या में भारी कमी लाई जाए और उनके ड्रोन के जखीरे को काफी हद तक कम कर दिया जाए।

उन्होंने आगे कहा, और हमने ये सब हासिल किया। इसके अलावा, हमने उनकी बची-खुची वायुसेना को भी तबाह कर दिया और उनकी पूरी पारंपरिक नौसेना का सफाया कर दिया।

रूबियो को डेमोक्रेट्स की ओर से कड़े विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने यह तर्क दिया कि संघर्ष अभी भी जोरों पर है। बुधवार को ईरान ने कुवैत के हवाई अड्डे पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 63 लोग घायल हो गए। बहरीन में कुवैत की तरह ही अमेरिकी सेना की बड़ी मौजूदगी है। वहां भी रात के समय ईरान की ओर से ड्रोन हमले हुए। कैलिफोर्निया की प्रतिनिधि सारा जैकब्स ने रूबियो से कहा, आप इस ऑपरेशन का नाम बदल सकते हैं। लेकिन इससे यह सच नहीं बदल जाता कि होर्मुज स्ट्रेट अभी भी बंद है और मेरे सैनिक बल्कि हमारे सभी सैनिक अभी भी खतरे में हैं।

रूबियो ने सांसदों को ईरान के साथ चल रही बातचीत के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस इस्लामी गणराज्य के अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार चर्चा का मुख्य केंद्र थे और तेहरान ने अभी तक किसी शांति समझौते पर सहमति नहीं जताई है। रूबियो ने हाउस कमेटी को बताया, मुझे लगता है कि अब जिन कुछ कागजों का आपस में आदान-प्रदान हुआ है उनमें इस बात का साफ तौर पर जिक्र है लेकिन आज सुबह तक भी हमें उनके सिस्टम से अंतिम मंजूरी नहीं मिली है।

शिक्षा के क्षेत्र में पंजाब बना देश में नंबर वन : केजरीवाल

नयी दिल्ली, (वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवंत मान सरकार की तारीफ करते हुए कहा है कि महज चार साल में ही शिक्षा के क्षेत्र में पंजाब को नंबर वन बना दिया। श्री केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि सरकारी स्कूलों की शिक्षा में कभी 27वें स्थान पर रहा पंजाब आज पहले स्थान पर पहुंच गया है। यह सर्वे केंद्र सरकार के नीति आयोग का है, जिसके अनुसार, पंजाब ने केरल को भी पीछे छोड़ दिया है। दिल्ली में शिक्षा क्रांति के बाद अब पंजाब के सरकारी स्कूलों में भी ऐतिहासिक बदलाव हो रहा है। उन्होंने मान सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि यह मुख्यमंत्री भगवंत मान की बड़ी उपलब्धि है कि महज चार साल में ही शिक्षा के क्षेत्र में पंजाब को नंबर वन बना दिया। आज पंजाब के शिक्षा व्यवस्था में जबरदस्त आत्मविश्वास आने की वजह से सरकारी स्कूलों के बच्चे नीट और जेईई पास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब पूरे देश में शिक्षा के क्षेत्र में नंबर वन स्थान पर आया है। यह हमारा सर्वे नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार के नीति आयोग का एजुकेशन सर्वे है। वर्ष 2020 के सर्वे में पंजाब 27वें नंबर पर था लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद महज चार साल में यह 27वें नंबर से पहले नंबर पर पहुंच गया है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। श्री केजरीवाल ने कहा, आप सबसे ज्यादा तवज्जो शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को देती है।

तेलंगाना में भाजपा एक मज़बूत विकल्प के तौर पर उभर रही : रामचंद्र राव

हैदराबाद, (वार्ता)

तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को दावा किया कि भाजपा राज्य में तेज़ी से एक मज़बूत राजनीतिक ताकत के तौर पर उभर रही है। श्री राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भाजपा के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जन सेना प्रमुख पवन कल्याण का भी बचाव किया। यह बचाव तेलंगाना में उनकी प्रस्तावित जनसभा की अनुमति को लेकर हाल ही में हुए विवाद के संदर्भ में किया गया।

उन्होंने कहा कि जनसभाओं के लिए अनुमति देना एक लोकतांत्रिक अधिकार है और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी दल राजनीतिक लाभ के लिए अनावश्यक विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तेलंगाना का अपमान करने वाली कोई भी टिप्पणी नहीं की है। श्री राव ने सोमाजीगुडा में प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मीट द प्रेस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने पूरे तेलंगाना में अपनी संगठनात्मक संरचना को मज़बूत किया है और उत्तरी तथा दक्षिणी दोनों ही तेलंगाना में लगातार विस्तार कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी राज्य में कांग्रेस और बीआरएस दोनों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरेगी। उन्होंने श्री कल्याण मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि सार्वजनिक बैठक की अनुमति देना एक लोकतांत्रिक अधिकार है और इसे राजनीतिक विवाद में नहीं बदला जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ दल राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे का फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं और कहा कि श्री कल्याण ने तेलंगाना का अपमान करने के इरादे से कोई टिप्पणी नहीं की है। श्री राव ने कहा कि भाजपा कभी भी तेलंगाना या उसके लोगों का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति का समर्थन नहीं करेगी, लेकिन जन सेना नेता की टिप्पणियों को तेलंगाना विरोधी के रूप में चित्रित करने के प्रयासों को खारिज कर दिया।

उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पर भाजपा की पहल के विरोध सहित कई मुद्दों पर हाथ मिलाने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां तेलंगाना भावना को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही हैं क्योंकि वे राजनीतिक रूप से भाजपा का मुकाबला करने में असमर्थ हैं। उनके मुताबिक, तेलंगाना के लोग पहले ही दोनों पार्टियों को परख चुके हैं और विकल्प के तौर पर भाजपा की ओर देख रहे हैं। श्री राव ने पिछले बीआरएस शासन के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पूरे कालेश्वरम परियोजना की व्यापक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की भी मांग की। उन्होंने सत्ता में आने से पहले कार्रवाई का वादा करने के बावजूद पूर्ण जांच का आदेश देने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

रूस ने वित्तीय आत्मनिर्भरता पूरी तरह हासिल कर ली है: एंटोन सिलुआनोव

सेंट पीटर्सबर्ग, (वार्ता)। रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव ने गुरुवार को 'सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच' (एसपीआईएफ) के दौरान कहा कि उनके देश ने वित्तीय आत्मनिर्भरता पूरी तरह हासिल कर ली है और अब वह बाहरी धन या विदेशी सरकारों के फैसलों पर निर्भर नहीं है। श्री सिलुआनोव ने आर्थिक मंच पर कहा, दुनिया बदल रही है और हमारे सामने कई मुश्किलें भी आई हैं, इसके बावजूद वित्तीय नजरिए से मुझे लगता है कि हम पूरी तरह से एक संप्रभु और मजबूत स्थिति में पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि रूस इस बात पर बिल्कुल निर्भर नहीं है कि तीसरे देश उसे धन देंगे या नहीं। उन्होंने बताया कि रूस पर बाहरी कर्ज सिर्फ 10 प्रतिशत है, जिसे वह जल्द ही चुका देगा।

श्री सिलुआनोव ने कहा, आज हम बिना किसी बाहरी निवेश के काम कर रहे हैं। हम पूरी तरह से अपने घरेलू वित्तीय संसाधनों के दम पर आगे बढ़ रहे हैं और इसके नतीजे भी सामने हैं। हम देख रहे हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हमारी आर्थिक तरक्की काफी स्थिर रही है।

रूस के वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि विपरीत बाहरी परिस्थितियों के बाद भी उनके देश ने अपनी वित्तीय और आर्थिक नीतियों में अपनी आजादी बरकरार रखी है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सोनी सब के 'यादें' में कृष्णा भारद्वाज की एंट्री

सोनी सब का शो यादें में नया और रोमांचक मोड़ आने वाला है, जहां अभिनेता कृष्णा भारद्वाज की एंट्री एक बेहद रहस्यमय किरदार के रूप में होने जा रही है। कहानी में कृष्णा भारद्वाज सतेन्द्र तिवारी (सत्तू) के किरदार में नजर आएंगे, जिसकी स्थिति ने डॉक्टरों और परिवार दोनों को उलझन में डाल दिया है। मामले में दावा किया जाता है कि सत्तू अपनी मृत पत्नी की आत्मा के साये से प्रभावित है, जिससे पूरा केस और भी रहस्यमय हो जाता है। शो में डॉ. देव मेहता की भूमिका निभा रहे इक़बाल खान और उनकी टीम इस असामान्य केस की सच्चाई का पता लगाने में जुट जाती है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, हर नया सुराग कहानी को और जटिल बनाता जाता है। कृष्णा भारद्वाज ने अपनी एंट्री को लेकर कहा कि यह किरदार उनके अब तक के रोल्स से बिल्कुल अलग है। उन्होंने बताया कि इस किरदार की सबसे बड़ी चुनौती सत्तू और उसकी पत्नी दोनों की भावनात्मक स्थिति को निभाना है, जिससे यह अनुभव उनके लिए बेहद खास बन गया।

'रेडी' से 'सैक्रेड गेम्स' तक, कुब्रा सैत के 15 साल के अभिनय सफर का जश्न

अभिनेत्री और परफॉर्मर कुब्रा सैत के अभिनय सफर को फिल्म रेडी की रिलीज के 15 वर्ष पूरे होने के अवसर पर याद किया जा रहा है। छोटे से किरदार से शुरुआत करने वाली कुब्रा आज भारतीय मनोरंजन जगत की चर्चित और सम्मानित कलाकारों में शुमार हैं। रेडी में सलमान खान के साथ नजर आईं कुब्रा सैत का रोल शुरुआत में सीमित था। हालांकि, उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय क्षमता ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। यह फिल्म उनके करियर की शुरुआती महत्वपूर्ण सीढ़ियों में से एक साबित हुई। कुब्रा के करियर का बड़ा मोड़ नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज सैक्रेड गेम्स से आया, जिसमें उन्होंने 'कुकू' का किरदार निभाया। उनके इस संवेदनशील और प्रभावशाली प्रदर्शन को दर्शकों और समीक्षकों से व्यापक सराहना मिली और उन्हें एक अलग पहचान हासिल हुई।इसके बाद उन्होंने द ट्रायल और फ़र्ज़ी जैसी सीरीज के साथ-साथ जवानी जानेमन और डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे जैसी फिल्मों में भी अपने अभिनय का दम दिखाया। विभिन्न प्रकार के किरदारों में गहराई और संवेदनशीलता लाकर उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। कुब्रा सैत को ऐसे किरदार चुनने के लिए जाना जाता है जो परंपरागत सीमाओं को चुनौती देते हैं। अपने बेखौफ अंदाज और अलग दृष्टिकोण के कारण उन्होंने मनोरंजन उद्योग में एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

कॉमेडी को जीवंत बना देते हैं वरुण धवन : पूजा हेगड़े

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अभिनेता वरुण धवन के साथ फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में काम करने के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा है कि वरुण अपनी ऊर्जा और कॉमिक टाइमिंग से पूरे सेट को जीवंत बना देते हैं।पूजा और वरुण निर्देशक डेविड धवन की आगामी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में साथ नजर आएंगे। पूजा का कहना है कि वरुण के साथ स्क्रीन साझा करना एक अलग तरह का अनुभव रहा, क्योंकि उनकी ऊर्जा का स्तर लगातार ऊंचा रहता है।उन्होंने कहा, वरुण हमेशा पूरी तरह एक्टिव रहते हैं। टेक्स के बीच भी वह कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं, डांस करते हैं, मजाक करते हैं या किसी दृश्य को अलग अंदाज में निभाने का प्रयास करते हैं। वह कभी भी सेट की ऊर्जा को कम नहीं होने देते और इसका असर पूरी टीम पर पड़ता है। पूजा के अनुसार, वरुण की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह दृश्यों को रटा-रटाया नहीं बल्कि स्वाभाविक और जीवंत बना देते हैं। उन्होंने कहा कि कॉमेडी में यह गुण बहुत दुर्लभ होता है, क्योंकि हास्य दृश्य अक्सर बनावटी लगने लगते हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के कई मजेदार और यादगार पल अचानक हुए इम्प्रोवाइजेशन का नतीजा थे। चाहे डांस रिहर्सल हो या हास्य से भरपूर संवाद, सेट का माहौल बेहद सहज और खुला रखा गया था। पूजा ने कहा कि वरुण के साथ केमिस्ट्री सिर्फ भावनात्मक दृश्यों से नहीं बल्कि उनकी तेज रफ्तार और सहज अभिनय शैली के साथ तालमेल बैठाने से भी बनती है। वरुण हर टेक में कुछ नया जोड़ देते हैं, जिससे कलाकारों को भी तुरंत प्रतिक्रिया देनी पड़ती है।उन्होंने कहा, उन्हें सचमुच लोगों का मनोरंजन करना पसंद है। यह बात साफ महसूस होती है।

'अल्फा' एक बेहद कूल एक्शन फिल्म और पूरी तरह मनोरंजक मसाला एंटरटेनर : बॉबी देओल

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल ने अपनी आने वाली फिल्म 'अल्फा' को एक स्टाइलिश, हाई-एनर्जी और संपूर्ण मसाला एंटरटेनर बताते हुए कहा है कि यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों में भरपूर रोमांच और मनोरंजन का अनुभव देगी।यश राज फिल्म्स की इस फिल्म में आलिया भट्ट और शर्वरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे बॉबी देओल ने कहा कि 'अल्फा' को पूरी स्पष्टता के साथ बनाया गया है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह शुरू से अंत तक दर्शकों को बांधे रखती है।

बॉबी ने कहा, मुझे इस फिल्म की सबसे अच्छी बात यह लगी कि इसे पूरी तरह पता है कि यह क्या बनना चाहती है।एक ऐसी फिल्म जो दर्शकों को सिनेमाघरों में मजेदार और रोमांचक अनुभव दे। मैं हर दिन शूटिंग पर जाने के लिए उत्साहित रहता था क्योंकि सेट पर हमेशा कुछ न कुछ दिलचस्प और रोमांचक होता था। उन्होंने कहा कि फिल्म के सेट पर मौजूद सकारात्मक और सहयोगात्मक माहौल ने पूरे अनुभव को खास बना दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच आत्मीयता और गर्मजोशी ने शूटिंग को यादगार बना दिया। निर्देशक शिव रवैल की प्रशंसा करते हुए बॉबी ने कहा कि उनके साथ काम करना प्रेरणादायक अनुभव रहा। उन्होंने कहा, एक अभिनेता के तौर पर ऐसे निर्देशक के साथ काम करना प्रेरणादायक होता है, जिसे अपने विज़न और उस दुनिया के बारे में पूरी स्पष्टता हो जिसे वह पर्दे पर रचना चाहता है। उन्होंने कुछ ऐसा बनाया है जो ताज़ा और अलग महसूस होता है।

बॉबी ने आलिया भट्ट और शर्वरी के समर्पण की भी सराहना करते हुए कहा कि दोनों अभिनेत्रियों ने अपने किरदारों के लिए जबरदस्त मेहनत और ऊर्जा दिखाई है, जिससे फिल्म और अधिक प्रभावशाली बनी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक 'अल्फा' को भरपूर प्यार देंगे और इसका सिनेमाघरों में आनंद लेंगे।

छप्पन भोग के साथ धूमधाम से पूजे गए गिरिराज गोवर्धन, कथा में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

तुलसी मानस भवन में गूंज,गिरिराज धरन की जय के जयकारे, सजीव झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में समस्त मातृशक्ति संगठन नरसिंहपुर के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पाँचवें दिन आज श्रद्धा और आनंद का अनूठा उल्लास देखने को मिला। कथा के सबसे दिव्य और मुख्य प्रसंगों में से एक गिरिराज गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें संपूर्ण नरसिंहपुर नगर से हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन नाथ के दर्शन और छप्पन भोग का प्रसाद ग्रहण करने पहुँचे। कथा के प्रथम सत्र में सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म दिवस के उपरांत गोकुल में आनंद की चर्चा करते हुए कान्हा की मनमोहक बाल-लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने आचार्य गर्गाचार्य द्वारा अत्यंत गोपनीय तरीके से नंद भवन में किए गए प्रभु के नामकरण संस्कार की कथा विस्तार से सुनाई। महाराज जी ने बताया कि किस प्रकार उनके अनंत गुणों के कारण वे श्रीकृष्ण कहलाए। इसके बाद पूतना उद्धार, माखन चोरी और मैया यशोदा द्वारा ब्रह्मांड दर्शन के प्रसंगों को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के उत्तरार्ध में महाराज जी ने गोवर्धन पूजा का आध्यात्मिक महत्व समझाते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इंद्र के मिथ्या अहंकार को चूर करने और प्रकृति व गौ-वंश के संरक्षण का संदेश देने के लिए ब्रजवासियों से गोवर्धन पर्वत की पूजा करवाई थी। जब क्रोधित इंद्र ने ब्रज पर मूसलाधार वर्षा की, तब कन्हैया ने अपनी छोटी उंगली (कनिष्ठा) पर विशाल गिरिराज पर्वत को उठाकर सात दिनों तक समूचे ब्रज की रक्षा की थी। कथा पंडाल में गोवर्धन पर्वत और ठाकुर जी की विशाल एवं अत्यंत सुंदर सजीव झांकी सजाई गई थी। गोवर्धन नाथ को मातृशक्तियों द्वारा छप्पन प्रकार के व्यंजनों का महाभोग (छप्पन भोग) अर्पित किया गया। जैसे ही महाराज जी के सानिध्य में समूचे पंडाल ने गोवर्धन जी की महाआरती शुरू की, पूरा परिसर गोवर्धन महाराज, महाराज तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो और गिरिराज धरन की जय के गूंजते जयकारों से सरोबार हो उठा। इस दौरान उपस्थित समस्त मातृशक्तियां भक्ति रस में डूबकर ढोल-ताशों की थाप पर जमकर थिरकीं। जून माह की इस भीषण गर्मी और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद च्समस्त मातृशक्ति संगठनज् की स्वयंसेविकाओं ने पूरी तत्परता से पंडाल की कमान संभाली। श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल, महाप्रसाद वितरण और आधुनिक कूलिंग सिस्टम की व्यवस्था इतनी चाक-चौबंद रही कि हज़ारों भक्तों ने अत्यंत सुगमता से इस उत्सव का आनंद लिया। आयोजन समिति ने बताया कि कल कथा का छठवां दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। कल श्रद्धेय महाराज जी द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की सबसे प्रिय रास पंचाध्यायी (महारास लीला), कंस वध, मथुरा गमन और भव्य रुक्मिणी विवाह उत्सव का प्रसंग सुनाया जाएगा। समिति ने नगर के सभी धर्मप्रेमी भाई-बहनों से कल रुक्मिणी विवाह के पावन प्रसंग पर सपरिवार मांगलिक वेशभूषा में पधारने का भावभीना आग्रह किया है।

संघर्ष की धूप से सफलता की छांव तक सुनीता मेहरा की आत्मनिर्भरता की कहानी

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर जिले के छोटे से गांव सिंहपुर में रहने वाली श्रीमती सुनीता पति श्री शिवकुमार मेहरा की जिंदगी कभी कठिनाइयों से भरी हुई थी। हर दिन एक नई चुनौती लेकर आता था। घर की जिम्मेदारियां, सीमित साधन और आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं था। उनका परिवार मजदूरी के सहारे जैसे-तैसे अपना जीवन चला रहा था। कई बार तो ऐसा भी होता था कि दिनभर की मेहनत के बाद भी घर की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती थीं। लेकिन कहते हैं ना, जब इंसान ठान ले तो हालात भी बदलने लगते हैं। सुनीता के जीवन में भी एक ऐसा ही मोड़ आया, जब आजीविका मिशन के स्टाफ ने गांव में स्वसहायता समूह बनाने का प्रशिक्षण दिया। उनके लिए यह एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि उम्मीद की एक नई किरण थी। उन्होंने हिम्मत जुटाई और सीयाराम स्वसहायता समूह का गठन किया। शुरुआत आसान नहीं थी, लेकिन सुनीता ने हार नहीं मानी। वह वर्ष 2021 में समूह से जुड़ी, इसके बाद उसने एक हजार रुपये का ऋण लिया। ऋण चुकाने के बाद जूता-चप्पल की दुकान के लिए सीआईएफ की राशि से 30 हजार रुपये का ऋण लिया। यह राशि उसके लिए एक बड़ा अवसर बन गई। उन्होंने धीरे-धीरे अपने कदम आगे बढ़ाए और फुटवेयर की एक छोटी सी दुकान शुरू की। दुकान की शुरुआत के साथ ही उनकी मेहनत रंग लाने लगी। शुरुआत में ही 5 से 6 हजार रुपये प्रतिमाह की आय होने लगी, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ समय पर ऋण और ब्याज चुकाया, जिससे उनका आत्मविश्वास और मजबूत होता गया। श्रीमती सुनीता ने समय के साथ अपने काम को बढ़ाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि समूह से प्रथम बैंक लिंकेज होने पर 50 हजार रुपये, द्वितीय बैंक लिंकेज होने पर एक लाख रुपये और तृतीय बैंक लिंकेज होने पर 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया। एक बार फिर समूह से ऋण लेकर अपनी फुडवेयर की दुकान का विस्तार किया। उनकी लगन और मेहनत का परिणाम यह हुआ कि आज उनके परिवार की मासिक आय लगभग 30 हजार रुपये तक पहुंच गई है।

जो कभी मजदूरी पर निर्भर था, आज वही परिवार आत्मनिर्भर बन चुका है। आज सुनीता सिर्फ अपने परिवार का सहारा नहीं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। उनकी कहानी यह सिखाती है कि हालात चाहे जैसे भी हों, अगर हिम्मत, मेहनत और सही मार्गदर्शन मिले तो कोई भी अपने जीवन को बदल सकता है। श्रीमती सुनीता मेहरा अपनी इस सफलता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

नोटबंदी जमा राशि प्रकरण में करदाता को बड़ी सफलता

करेली। नगर स्थित मेसर्स उत्तमचंद दीपक कुमार जैन को आयकर अपीलीय कार्यवाही में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय फेसलेस अपील केंद्र द्वारा पारित आदेश में नोटबंदी अवधि के दौरान बैंक खाते में जमा 28.68 लाख की राशि पर आकलन अधिकारी द्वारा धारा 69ए के अंतर्गत की गई संपूर्ण जोड़ को हटाते हुए करदाता की अपील स्वीकार कर ली गई। मामला नोटबंदी अवधि में बैंक खाते में जमा नकद राशि को अघोषित आय मानकर की गई जोड़ से संबंधित था। अपीलीय कार्यवाही के दौरान करदाता की ओर से विस्तृत तथ्य, व्यवसायिक अभिलेख, बैंक विवरण तथा अन्य साक्ष्य प्रस्तुत किए गए, जिनके आधार पर अपील प्राधिकारी ने करदाता के पक्ष में निर्णय देते हुए संपूर्ण जोड़ निरस्त कर दी। इस प्रकरण में करदाता की ओर से मुंबई के वरिष्ठ एवं अनुभवी कर विशेषज्ञ अनादी वर्मा तथा जबलपुर के अनुभवी एवं भरीसेमंद चार्टर्ड अकाउंटेंट अनुराग नेमा ने पैरवी की। यह मामला पूर्व में विभिन्न स्तरों पर उचित ढंग से प्रस्तुत नहीं हो पाने के कारण जटिल हो गया था। बाद में श्री अनादी वर्मा एवं सीए अनुराग नेमा ने संपूर्ण प्रकरण का गहन अध्ययन कर तथ्यात्मक एवं विधिक पक्ष को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया, जिसके परिणामस्वरूप करदाता को पूर्ण राहत प्राप्त हुई। कर विशेषज्ञों के अनुसार यह निर्णय उन मामलों में विशेष महत्व रखता है, जिनमें केवल बैंक खाते में नकद जमा होने के आधार पर जोड़ की गई हो, जबकि उसके समर्थन में व्यवसायिक गतिविधियों एवं अभिलेखों का पर्याप्त आधार उपलब्ध हो।

प्रदेश स्तरीय निकाय कर्मचारी सम्मेलन 6 जून को

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। नगरीय निकाय के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु संगठन द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय निकाय कर्मचारी सम्मेलन 6 जून को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक पी.जी.कालेज आडिटोरियम नरसिंहपुर में होगा। जानकारी अनुसार संगठन संरक्षक व विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल की उपस्थिति में कार्यक्रम होगा। इस मौके पर विशेष रूप से भा.ज.पा.के जिलाध्यक्ष राम सनेही पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे व म.प्र. तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के पूर्व कर्मचारी नेता थम्मन शर्मा के माध्यम से समस्यायों को शासन प्रशासन तक पहुंचायी जाएगी।

ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, लक्ष्मी टाउनशिप गाडरवारा द्वारा 4 जून, गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर गाडरवारा की क्षेत्रीय संचालिका ब्रह्माकुमारी उर्मिला दीदी , कदम संस्था के संचालक अजय खत्री, ब्रह्माकुमारी वंदना दीदी , ब्रह्माकुमारी अंजना दीदी एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी उर्मिला दीदी ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति हमारी मां है और मानव का उससे आदिकाल से गहरा संबंध रहा है। प्रकृति ने निस्वार्थ भाव से मानव को जीवनोपयोगी सभी संसाधन प्रदान किए हैं और आज भी निरंतर देती जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के पंचतत्वों में जहां सृजन की शक्ति है, वहीं विनाश की शक्ति भी निहित है।

जब मनुष्य प्रकृति का अत्यधिक दुरुपयोग करता है, तब प्रकृति समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से संकेत देती है, लेकिन जब मानव अपने व्यवहार में सुधार नहीं करता, तब प्रकृति अपना विकराल रूप धारण कर लेती है, जिससे जन-धन की हानि होती है।

उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान समय की मांग है कि हम प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सजग बनें। यदि मानव पुन: प्रकृति के साथ अपना संबंध सुधार ले, तो प्रकृति भी उसे प्रेमपूर्वक समृद्धि प्रदान करती है। इस अवसर पर उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाए और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे। मुख्य अतिथि अजय खत्री ने अपने 20 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने कदम संस्था की शुरुआत की और प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद आज संस्था एक बड़े संगठन के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा अब तक हजारों वृक्ष लगाकर शहर को हरित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।

कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनों ने अपने साथ लाए हुए पौधों का सामूहिक रूप से रोपण किया। वृक्षारोपण के समय मंत्रोच्चारण एवं प्रेरणादायक गीतों से वातावरण को सकारात्मक बनाया गया। अंत में सभी को प्रभु प्रसाद वितरित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण एक युग का संकल्प जल की हर बूंद में भविष्य की धड़कन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का अवसर है। यह वह क्षण है जब हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को पुन: स्मरण करते हुए एक ऐसे भविष्य की कल्पना करनी चाहिए, जहां जल, जंगल और जमीन सुरक्षित हों। आज आवश्यकता केवल एक दिन के संकल्प की नहीं, बल्कि आने वाले युगों तक चलने वाले जन-संकल्प की है। पीढ़ियों से हम सुनते आए हैं..जल ही जीवन है। किंतु विडंबना यह है कि इस सत्य को समझने में हमें एक गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ा। आज यह संकट किसी एक मोहल्ले, शहर, राज्य या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण पृथ्वी के अस्तित्व से जुड़ा वैश्विक प्रश्न बन चुका है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन ने प्राकृतिक जल स्रोतों को तेजी से क्षीण कर दिया है। ऐसे समय में पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजना मानवता का सबसे बड़ा दायित्व बन गया है। जल संकट की गंभीरता केवल पानी की कमी तक सीमित नहीं है। भू-जल स्तर का निरंतर गिरना, नदियों का प्रदूषित होना, पारंपरिक जल स्रोतों का लुप्त होना और वर्षा जल का व्यर्थ बह जाना इस संकट के प्रमुख कारण हैं। कभी गांवों और नगरों की जीवनरेखा रहे तालाब, बावड़ियाँ और कुएं आज उपेक्षा, अतिक्रमण और कचरे के बोझ तले दम तोड़ रहे हैं। दूसरी ओर कृषि और उद्योगों में भूजल के अंधाधुंध दोहन ने स्थिति को और अधिक विकट बना दिया है। ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जल गंगा संवर्धन अभियान आशा की एक सशक्त किरण बनकर उभरा है। यह अभियान केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनभागीदारी पर आधारित एक सामाजिक आंदोलन है, जिसका मूल मंत्र है...जन सहयोग से जल संरक्षण और संवर्धन। इसका उद्देश्य जल संकट के मूल कारणों का समाधान करते हुए समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। मैंने स्वयं अपने विधानसभा क्षेत्र नरसिंहपुर तथा गृह नगर गोटेगांव में सिंगरी नदी के पुनर्जीवन हेतु सफाई अभियान चलाकर जल स्रोतों के संरक्षण का प्रयास किया है। इसी अनुभव के आधार पर मैं सदैव आह्वान करता हूं-नदियों को नाला बनाना बंद करें। वास्तव में नदी का उद्गम स्थल ऊर्जा का केंद्र होता है और जहां नदियों का संगम होता है, वहां जीवन की नई संभावनाएँ जन्म लेती हैं। इसलिए नदियों के उद्गम और उनके प्राकृतिक स्वरूप की रक्षा करना हमारा सामूहिक दायित्व है। मेरे आराध्य परम पूज्य श्रीश्री बाबा श्री जी की वाणी है कि संकल्प में विकल्प नहीं होता। संकल्प में विकल्प खोजने पर महानतम कार्य रुक जाते हैं।जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पुराने तालाबों, कुओं, बावड़ियों और नदियों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि बारिश का पानी धरती में समाहित होकर भू-जल स्तर को पुनर्जीवित कर सके। जल स्रोतों के आसपास व्यापक वृक्षारोपण किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण की प्राकृतिक प्रक्रिया मजबूत हो सके। साथ ही नदियों में प्रदूषण रोकने और गंदे नालों के प्रवाह को नियंत्रित करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस अभियान के परिणाम उत्साहवर्धक हैं। जल संरचनाओं की सफाई और गहरीकरण से भू-जल स्तर में सुधार हुआ है। अनेक ऐतिहासिक तालाबों और बावड़ियों का पुनर्जीवन हुआ है, जिससे स्थानीय स्तर पर जल उपलब्धता बढ़ी है। पानी चौपाल जैसे कार्यक्रमों ने लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा की है और जल बचाने की संस्कृति को पुनर्जीवित किया है। कृषि क्षेत्र में भी इस अभियान ने सकारात्मक प्रभाव डाला है। किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो । यह न केवल जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि किसानों की आर्थिक समृद्धि का भी आधार बन रहा है। जल संकट के स्थायी समाधान के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास भी आवश्यक हैं। शहरों में अपशिष्ट जल का शोधन कर पुन: उपयोग किया जाना चाहिए। औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है और व्यक्तिगत स्तर पर भी हमें पानी की बर्बादी रोकने की आदत विकसित करनी होगी। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस जिम्मेदारी को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक कोई भी अभियान पूर्ण सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। जल संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है। यदि आज हम जल को सहेजेंगे, तभी भविष्य सुरक्षित रहेगा। हमें अपनी प्राचीन जल संस्कृति से जोड़ते हुए वैज्ञानिक जल प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग देखना है। आइए, इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि जल की हर बूंद को बचाएंगे, जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। क्योंकि सच यही है-पानी को सहेजना ही आने वाली पीढ़ियों को बचाना है, और जल का संरक्षण ही जीवन का संरक्षण है। भारत की भूमी और मौसम दोनों हमें संदेश दे रहे हैं 5 जून से पौधारोपण की तैयारी करें और वर्षा प्रारंभ होने पर पौधारोपण अंतराष्ट्रीय पौधारोपण दिवस आव्हन सुफल और सफल होगा।

श्री प्रहलाद सिंह पटेल,
मंत्री,पंचायत एवं ग्रामीण विकास
और श्रम मप्र शासन

करेली में 44.92 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन

सड़क और नाली निर्माण से मिलेगी राहत

करेली। नगर पालिका परिषद करेली द्वारा गुरुवार को नगर के विभिन्न वार्डों में स्वीकृत विकास कार्यों का विधि-विधान से भूमिपूजन किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में नगर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। परिषद के गठन के तुरंत बाद सड़कों नालियों का जाल बिछाया जा रहा है सौंदर्यकरण का कार्य लगातार किए जा रहे हैं भवनों की मरम्मत, नए पार्कों का निर्माण, पुराने पार्कों का संरक्षण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में लगभग 44.92 लाख रुपए की लागत से सड़क, नाली निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

महादेव वार्ड में पेवर ब्लॉक सड़क

महादेव वार्ड में नायक प्रेस से छतर वकील तक, अवधेश खरे से सगीर खान के मकान होते हुए छतर वकील तक, विकास सोनी से प्रवीण कौरव तक तथा भागीरथ कौरव से अनुराग वर्मा तक पेवर ब्लॉक रोड एवं नाली मरम्मत कार्य (लागत 14.76 लाख रुपए) का भूमिपूजन किया गया।

नरसिंह वार्ड में नाली व सड़क की समस्या से निजात

नरसिंह वार्ड में बृजेश चौकसे के मकान से राधेश्याम पटेल तक नाली निर्माण एवं सीमेंटीकरण कार्य (लागत 8.19 लाख रुपए) का भूमिपूजन किया गया। शास्त्री वार्ड में रघुवंशी होटल से रविदास

मंदिर तक नाली निर्माण कार्य (लागत 13.31 लाख रुपए) का भूमिपूजन किया गया।

सीएम इंफ्रा की पुरानी सड़कों की नाली का मरम्मत

महात्मा गांधी वार्ड में हरिओम रघुवंशी के मकान से झंडा चौक तक नाली मरम्मत एवं प्रीकास्ट रखने के कार्य (लागत 8.66 लाख रुपए) का भूमिपूजन किया गया।

जनप्रतिनिधियो ने कहा

इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों में जलभराव एवं कीचड़ की समस्या से राहत मिलेगी। नालियों के सुदृढ़ीकरण से वर्षा जल की निकासी सुचारू होगी तथा बरसात के दौरान सड़कों पर पानी भरने की समस्या कम होगी। पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होगा, वहीं स्वच्छ एवं व्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इन कार्यों से वार्डों की सुंदरता बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय रहवासियों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक सुधार आएगा।

इनकी रही उपस्थिति

महादेव वार्ड में पार्षद श्रीमती राजकुमारी सोनी, नरसिंह वार्ड में पार्षद खालिद कुरैशी, शास्त्री वार्ड में पार्षद श्रीमती सरला अरुण झारिया तथा महात्मा गांधी वार्ड में वरिष्ठ कार्यकर्ता केवल सिंह जाट द्वारा भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप सिंह ममार, जिला मंत्री रजत चौहान, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी, संतोष रघुवंशी, मुकेश रघुवंशी, कैलाश रघुवंशी, शंकर चौधरी, हेमंत मेहरा, आनंद सोनी, सुनील सोनी, अरुण झारिया, एल्डरमैन महेश फौजी, कालूराम सोनी, गणेश पटेल, कृपाल सिंह सोहेल, राकेश परिहार, सुभाष कौरव, सावन साहनी, रज्जन मिश्रा, राकेश पंडा, लोकेश बाथरे, नितिन ठाकुर, गोपाल विश्वकर्मा, गुड्डु भाईजान, पप्पू विश्वकर्मा, बाबूलाल मेहरा, सेजवार, रामकुमार विश्वकर्मा, रत्तू पटेल, दिनेश दुबे सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर, उपयंत्री काजल साहू, पुष्पेश विश्वकर्मा सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने चौपाल में ग्रामीणों से किया संवाद

लापरवाह एवीएफओ की दो वेतन-वृद्धि रोकने और पशु चिकित्सक को नोटिस जारी करने दिया निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र की बरही तहसील स्थित वृंदावन ग्राम बरनमहगवां में गुरुवार को पहुंचे कलेक्टर आशीष तिवारी ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं, सुझाव लिए और गांव को आदर्श वृंदावन ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस मौके पर विजयराघवगढ़ एसडीएम विवेक गुप्ता मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा कि बरनमहगवां को ऐसा मॉडल ग्राम बनाया जाएगा, जहां पशुधन विकास, स्वच्छता, आजीविका, कृषि उन्नयन, पोषण और जनसुविधाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य दिखाई दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव की प्रत्येक आवश्यकता का सूक्ष्म सर्वेक्षण कर विभागवार कार्ययोजना तैयार की जाए और उसे समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारा जाए। चौपाल में पशुधन विकास और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने ग्रामीणों को पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की क्षीरधारा ग्राम योजना की जानकारी देते हुए इसे आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया। इसी दौरान ग्रामीणों ने शिकायत की कि क्षेत्र के सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी सुखलाल प्रजापति गांव में नियमित रूप से नहीं आते हैं, जिससे पशुपालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तत्काल संबंधित अधिकारी की दो वेतन-वृद्धियां रोकने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को बरनमहगवां में सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। शिविर में कृत्रिम गर्भाधान, उन्नत नस्ल के पशुओं के संवर्धन, पशु स्वास्थ्य परीक्षण और गौशाला में संरक्षित सभी गोवंशों के टीकाकरण की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं बरही की पशु चिकित्सक डॉ. खुशबू जैन की लचर कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। ग्रामीणों के साथ खुले संवाद के दौरान कलेक्टर ने पूछा कि गांव के विकास के लिए सबसे अधिक किन कार्यों की आवश्यकता है। ग्रामीणों ने अपनी प्राथमिकताएं बताईं, जिन्हें कार्ययोजना में शामिल करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि विकास तभी सार्थक होगा जब उसकी रूपरेखा गांव के लोगों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की जाए। कलेक्टर ने पटवारी को फौती, नामांतरण, फार्मर आईडी, ई-केवाईसी सहित लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र के माध्यम से सुपोषित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। उन्होंने ग्राम स्वच्छता, कृषि विकास, आजीविका मिशन, महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों में वृद्धि कर महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और परिवार की आय में सुधार लाने और ग्रामीण रोजगार से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न आवेदनों और शिकायतों का निराकरण कर प्रशासन की संवेदनशीलता का परिचय दिया गया। इस दौरान उपसंचालक खनिज रत्नेश दीक्षित, जनपद पंचायत बड़वारा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एपीओ डॉ. अजीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धरातलीय संघर्ष से ही मिलेगा समाधानः संयुक्त मोर्चा

कटनी (स्वतंत्रमत)

टेट विषय को लेकर विगत लंबे समय से संघर्षरत राज्य शिक्षक संयुक्त मोर्चा कटनी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के विभिन्न मान्यता प्राप्त एवं गैर-मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि शिक्षक हितों की रक्षा एवं समस्या के स्थायी समाधान हेतु सभी संगठन एकजुट होकर संघर्ष करेंगे। बैठक में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में अध्यादेश ही एक ऐसा प्रभावी विकल्प प्रतीत होता है, जिसके माध्यम से संवर्ग के हितों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। इसलिए अब आवश्यक है कि शिक्षकों की मांगों एवं समस्याओं को केंद्र सरकार तक संगठित, प्रभावी एवं सशक्त रूप से पहुँचाया जाए, ताकि टेट की अनिवार्यता समाप्त कर समस्त शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि कटनी जिले में शिक्षक संगठनों के मध्य अटूट एकजुटता है। सभी संगठन इस महत्वपूर्ण विषय पर एकमत हैं और शिक्षक हितों की रक्षा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। संयुक्त मोर्चा शीघ्र ही अपनी आगामी रणनीति की घोषणा करेगा तथा समस्या के समाधान तक निरंतर संघर्ष जारी रखेगा। बैठक में प्रमुख रूप से सरमन तिवारी, जे.पी. हल्दकार, नवनीत चतुर्वेदी, आशीष उरमलिया, शिवदास यादव, रमाशंकर तिवारी, एस.के. सोलंकी, अखिलेश पाण्डेय, रामाधार (सोनू) सरावगी, मनीष दीक्षित, संजय मिश्रा, शैलेन्द्र सिंह बघेल, संतोष सोनी, रामभुवन विश्वकर्मा, रवि सिंह, रविन्द्र सिंह, मुन्नालाल वंशकार सहित विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैंक के बाहर खड़ी स्कूटी की डिक्की से ढाई लाख नगद पार

कटनी (स्वतंत्रमत)। बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम विलायतकला स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा के बाहर खड़ी खातेदार की स्कूटी की डिक्की से ढाई लाख रूपए नगद चोरी जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित खातेदार की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरूद्ध मामला दर्ज करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गुड़ाकला निवासी राधा पिता लेखराम विश्वकर्मा बीती 1 जून की दोपहर साढ़े तीन बजे के लगभग ग्राम विलायतकला स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा आया था। इस दौरान उसने अपनी स्कूटी बैंक के बाहर पार्क कर दी, स्कूटी की डिक्की में ढाई लाख रूपए नगद रखे हुए थे। बताया जाता है कि इसी बीच अज्ञात बदमाशों ने उसकी स्कूटी की डिक्की में रखे ढाई लाख रूपए पार कर दिए। घटना की जानकारी लगते ही राधा ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने राधा की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी है।

निशांत और पंचम यादव बने शिक्षा दूत

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर कटनी आशीष तिवारी की शिक्षा के क्षेत्र में क्यूआर कोड से सीखने की पहल अब रंग लाने लगी है। घर घर जाकर दूध बेचने वाले मुड़हरा ग्राम निवासी पंचम यादव ने अपनी बिटिया को घर में क्यूआर कोड स्कैन कर विभिन्न विषयों को पढ़ना सिखाया। उन्हें लगा कि यह तरीका घर घर जाकर अन्य बच्चों को भी सिखाना चाहिए। उन्होंने पोस्टर की फोटोकॉपी कराकर गांव के अन्य बच्चों के घर घर जाकर उन्हें भी इसकी जानकारी दी। साथ ही उनके रीडिंग कार्नर में क्यू आर कोड चिपकाये। इसी प्रकार शिक्षक निशांत भी गर्मी की छुट्टियों में घर घर जाकर बच्चों को क्यूआर कोड से पढ़ना सिखा रहे हैं। गांव में शिक्षकों और पालकों का बच्चों की शिक्षा से जुड़ना अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चे भी इस पहल को लेकर उत्साहित हैं। डाइट कटनी द्वारा माह जून के द्वितीय सप्ताह में शत प्रतिशत जन शिक्षकों, शिक्षकों का उन्मुखीकरण इस संबंध में किया जायेगा।

नगर के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक और सशक्त कदम

अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे ने किया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं विसर्जन घाट निर्माण कार्य का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ नगर को स्वच्छ सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में नगर परिषद द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे ने नगर में निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे ने कहा कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नगर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगा। इसके माध्यम से नगर से निकलने वाले गंदे पानी का वैज्ञानिक तरीके से शोधन किया जाएगा और फिल्टर किया हुआ स्वच्छ जल ही नदी में छोड़ा जाएगा। इससे न केवल जल प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण होगा बल्कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण भी प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। इसके पश्चात अध्यक्ष ने बंजारी माई नदी में निर्माणाधीन विसर्जन घाट का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि यह घाट श्रद्धालुओं की आस्था और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है जिससे धार्मिक आयोजनों एवं प्रतिमा विसर्जन के दौरान नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। नगरवासियों का मानना है कि अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे के नेतृत्व में नगर परिषद विकास और स्वच्छता के नए आयाम स्थापित कर रही है।

38.50 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक फ्लोरिंग कार्य का भूमिपूजन संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना विकास के लिए निरंतर कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में बी.डी. अग्रवाल वार्ड स्थित पुरानी मोहन टाकीज के पीछे 38.50 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत पेवर ब्लॉक फ्लोरिंग कार्य का भूमिपूजन बुधवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्य का शुभारंभ महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद एडवोकेट मौसूफ बिट्टू, एमआईसी सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वार्ड की कन्या के करकमलों से कराया गया। पेवर ब्लॉक फ्लोरिंग कार्य पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्रवासियों को सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही जलभराव, कीचड़ एवं मार्ग संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी तथा क्षेत्र का वातावरण अधिक स्वच्छ, व्यवस्थित एवं आकर्षक बनेगा।

41 नव आरक्षकों को नियुक्ति आदेश जारी

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा 03 जून को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नव नियुक्त 41 नव आरक्षकों को औपचारिक रूप से नियुक्ति आदेश प्रदान किए गए। नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद अभ्यर्थियों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। उन्होंने सभी नव आरक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आरक्षक पद पुलिस संगठन की रीढ़ होता है। समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखन, आमजन में सुरक्षा का भाव स्थापित करने और अपराधों पर नियंत्रण हेतु आरक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित आरक्षक भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के बाद अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक दक्षता परीक्षण, मेडिकल एवं चरित्र सत्यापन किया गया। शारीरिक दक्षता परीक्षण में 800 मीटर दौड़, लंबी कूद एवं गोला फेंक शामिल थे। मेडिकल बोर्ड द्वारा वीडियोग्राफी की मौजूदगी में चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। इसके बाद पात्र पाए गए अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिए गए। कटनी पुलिस परिवार में शामिल हुए सभी नव नियुक्त आरक्षकों को उनके सफल एवं गौरवपूर्ण पुलिस जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

नगर स्वच्छता को लेकर महापौर का सख्त रुख

नगर के विभिन्न क्षेत्रों का किया औचक निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर की स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बुधवार प्रातः प्रियदर्शिनी बस स्टैंड स्थित नाले, मुक्तिधाम रोड एवं माधव नगर कैम्प क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान महापौर स्वयं मौके पर खड़ी रहीं और नालियों की सफाई करवाई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाली कवरिंग कार्य के दौरान पर्याप्त संख्या में चैंबर बनाए जाएं, ताकि भविष्य में सफाई एवं रखरखाव कार्यों में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नाले के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाकर सुगम एवं निर्बाध जल निकासी सुनिश्चित की जाए। महापौर ने निर्देश दिए कि नाली सफाई एवं कवरिंग तोड़ने के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि दुकानों के सामने पर्याप्त स्थान छोड़ा जाए, जिससे आवागमन बाधित न हो तथा नागरिकों एवं व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी दुकानदारों एवं नागरिकों से अपील की कि वे नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न डालें तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक दायित्व है।

लघु उद्योग भारती के प्रयासों से एमएसएमई एवं उद्योग जगत के अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर मिली बड़ी सफलता

कटनी (स्वतंत्रमत)

लघु उद्योग भारती, मध्यप्रदेश के प्रदेश महामंत्री एवं कटनी निवासी अरुण सोनी द्वारा भोपाल का दो दिवसीय प्रवास कर प्रदेश के उद्योग, कृषि प्रसंस्करण, ऊर्जा, वेयरहाउसिंग एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों के निराकरण हेतु उच्चस्तरीय बैठकों एवं अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सोनी ने प्रदेश के उद्यमियों से प्राप्त समस्याओं एवं सुझावों को शासन स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उनके द्वारा दाल मिल एवं राइस मिल उद्योगों से जुड़े विषयों पर कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना, कृषि सचिव निशांत वरवड़े (आईएएस) तथा मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम (आईएएस) से चर्चा की गई। वहीं निवेश प्रोत्साहन एवं एमएसएमई विभाग से संबंधित विषयों पर विभागीय प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह (आईएएस), ऊर्जा संबंधी विषयों पर ऊर्जा सचिव विशेष गढ़पाले (आईएएस), वेयरहाउस संबंधी विषयों पर एमपीडब्ल्यूएलसी के अध्यक्ष संजय नागाइच, मुख्यमंत्री के विशेष सलाहकार अशोक कड़ेल, तथा तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के विषयों पर विभागीय मंत्री गौतम टेटवाल, प्रमुख सचिव मनीष सिंह (आईएएस), बसंत कुर्रे (आईएएस) एवं गिरीश शर्मा (आईएएस) से भेंट कर विभिन्न विषयों के निराकरण का आग्रह किया गया। सोनी ने बताया कि इन बैठकों में केवल कटनी ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मध्यप्रदेश के उद्योगों एवं उद्यमियों से संबंधित विषयों को प्रमुखता से रखा गया। अनेक मामलों में अधिकारियों द्वारा त्वरित निर्णय लेते हुए तत्काल निराकरण किया गया, जबकि कई अन्य विषयों पर शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप के निवास पर आयोजित लगभग पाँच घंटे की उच्चस्तरीय मैराथन बैठक में भी लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेशभर के उद्यमियों की समस्याओं को प्रमुखता से रखा। बैठक में उद्योग आयुक्त दिलीप कुमार (आईएएस) सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों की अधोसंरचना सुधार, एक्सपोर्ट फ्रेट सब्सिडी, भूमि हस्तांतरण की ऑनलाइन प्रक्रिया, लंबित लीज प्रकरणों के निराकरण, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास, एमएसएमई अनुदान किश्तों के भुगतान, टेंडर प्रक्रिया में सुधार सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक निर्णय लिए गए। कटनी जिले के बरगवां औद्योगिक क्षेत्र के 15 वर्षों से लंबित नक्शा संशोधन प्रकरण तथा टिकरिया गारमेंट क्लस्टर के विकास कार्यों को भी गति देने के निर्देश जारी किए गए। लघु उद्योग भारती ने प्रदेश के उद्योग एवं उद्यम जगत के हित में लिए गए इन सकारात्मक निर्णयों के लिए मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है तथा विश्वास जताया है कि इन निर्णयों से प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन को नई गति प्राप्त होगी।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 41 रन से हराया

मेंडिस और निसांका के अर्धशतक, 7 जून को होगा दूसरा मुकाबला

किंग्सटन।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे में 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा मुकाबला 7 जून को खेला जाएगा। किंग्सटन के सबीना पार्क स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। श्रीलंका ने कप्तान कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका की फिफ्टी की मदद से 7 विकेट पर 303 रन बनाए।

जवाब में 304 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज 262 रन पर ऑलआउट हो गई। दुष्मंथा चमीरा ने 4 विकेट लिए। कप्तान कुसल मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच रहे।जॉयडन सेल्स ने

वेस्टइंडीज को पहला विकेट जल्दी दिला दिया। उन्होंने श्रीलंकाई ओपनर कामिंडु मेंडिस (12 रन) को शाई होप के हाथों कैच कराया। इसके बाद पथुम निसांका और कप्तान कुसल मेंडिस ने शतकीय साझेदारी कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया।मैथ्यू फोर्ड ने कुसल मेंडिस (72 रन) को अल्जारी जोसेफ के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी। मेंडिस के बाद निसांका 79 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में जनिथ लियानागे (नाबाद 44) और चरित असालंका (नाबाद 45) ने टीम को 303/7 रन तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज, जॉयडन सेल्स और मैथ्यू फोर्ड ने दो-दो विकेट लिए।

शाई होप की फिफ्टी, चमीरा के 4 विकेट

304 रन चेज कर रही मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी रही। जस्टिन ग्रिव्स (45) और जॉन कैंपबेल (17) ने पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी कर ली थी। कप्तान शाई होप ने 56 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर में उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर सिमट गई। श्रीलंका के लिए दुष्मंथा चमीरा ने 4 विकेट झटके। महीश तीक्षणा ने 2 विकेट हासिल किए।

इंडोनेशिया ओपन से बाहर हुई पीवी सिंधु

वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग से सीधे गेम में हारीं, यह लगातार 10वीं हार

जकार्ता।

भारत की शीर्ष बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु इंडोनेशियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। सिंधु को कड़े मुकाबले में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने सीधे गेम में 17-21, 14-21 के हरा दिया। इस हार से सिंधु का खिताब जीतने का सपना टूट गया। यह लगातार 10वीं बार है जब सिंधु आन से यंग के खिलाफ हारी हैं। इससे पहले पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी सिंधु को यंग के हाथों हार का सामना

करना पड़ा था। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। शुरुआत में स्कोर 10-10 पर बराबर था। सिंधु ने शुरुआत में 15-14 की मामूली बढ़त बनायी। उन्होंने लगातार कई अंक बटोरते हुए 19-16 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी लय बरकरार रखते हुए लगातार दो अंक जीते और पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी आन ने 13-6 की निर्णायक बढ़त बना ली। सिंधु ने प्रत्येक अंक के लिए संघर्ष किया और इस बीच कुछ महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। सिंधु के लिए अंक बटोरना बेहद मुश्किल हो गया। ऐसे में कोरियाई खिलाड़ी ने गेम 21-14 से जीत लिया।

टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीतेगी खिताब : अंजुम चोपड़ा

अहमदाबाद। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आगामी टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदार बताया है। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड में शुरु होने जा रहा है। अंजुम के अनुसार भारतीय टीम इंग्लैंड के हालातों से परिचित है और ऐसे में उसके लिए वहां खेलना और जीत हासिल करना कठिन नहीं होंगा। एकदिवसीय विश्वप में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर अपने को साबित किया था। अब वह एक बार फिर ऐसा ही करेगी। भारतीय टीम 14 जून को बर्मिंघम में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

चोपड़ा ने कहा कि टीम की अधिकतर खिलाड़ी पहले भी इंग्लैंड में खेली हैं, जिससे उन्हें वहां के हालातों का अच्छा अनुभव है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और श्री चरणी जैसे खिलाड़ियों का विशेष उल्लेख किया, जिनमें से श्री चरणी अपने छोटे से करियर में ही दूसरी बार इंग्लैंड का दौरा कर रही हैं। पूर्व कप्तान को भरोस है कि भारतीय टीम शीर्ष चार में जगह बनाने के साथ ही शीर्ष दो में भी पहुंचकर खिताब जीतेगी। टूर्नामेंट से पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया के फिट होने से भी टीम मजबूत हुई है। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने वापसी करते ही इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 40 गेंद में 54 रन बनाए थे।अंजुम का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को अपनी बल्लेबाजी लाइन-अप में अधिक लचीलापन अपनाने की आवश्यकता हो सकती है।

हॉकी के रंग में रंगा नैनीताल

49 टीमों के साथ ऑल इंडिया ट्रेड्स कप का भव्य आगाज

नैनीताल। उत्तराखंड की पर्यटन नगरी नैनीताल गुरुवार को पूरी तरह हॉकीमय नजर आई। ऐतिहासिक डीएसए मैदान में 100वीं ऑल इंडिया ट्रेड्स कप हॉकी प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ हुआ। कुमाऊं मंडल आयुक्त एवं मुख्यमंत्री सचिव दीपक रावत ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।प्रतियोगिता के शुभारंभ से पहले तल्लीताल रोडवेज स्टेशन से डीएसए मैदान तक निकाली गई भव्य शोभायात्रा में नैनीताल के गौरव और हॉकी जगत की पहचान ओलंपियन राजेंद्र रावत तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नरेंद्र बिष्ट और ललित शाह को विशेष रूप से सुसज्जित वाहन में सम्मान के साथ डीएसए मैदान तक लाया गया।शोभायात्रा में स्कूली छात्र-छात्राओं, पुलिस बैंड, पारंपरिक छोलिया नृत्य दल, महिला समूहों और सांस्कृतिक टीमों की भागीदारी ने पूरे शहर को उत्सव के रंग में रंग दिया।रंग-बिरंगी झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस बन सकते हैं भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान

तिलक को बनाया जा सकता है उपकप्तान, बीसीसीआई की बैठक में होगा फैसला

मुम्बई। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 क्रिकेट टीम का नया कप्तान बनाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), श्रेयस अय्यर को भारत का अगला टी20 कप्तान नियुक्त जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाना चाहता है। इससे साफ है कि कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार यादव का कार्यकाल समाप्त हो गया है। सूर्या का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। उन्हें कप्तानी से तो हटाया ही जा रहा है, साथ ही खराब फॉर्म के चलते आगामी टी20 सीरीज से टीम से भी बाहर किया जा सकता है। वहीं उप-कप्तान की जिम्मेदारी भी अक्षर

पटेल से लेकर युवा तिलक वर्मा को सौंपी जाएगी। माना जा रहा है कि बीसीसीआई की चयनसमिति अब बदलाव के लिए तैयार हो गयी है। बीसीसीआई की ऑनलाइन एपेक्स काउंसिल की बैठक में इस फैसले को मंजूरी मिल सकती है। एपेक्स कमेटी मुख्य चयनकर्ता को सूचित करेगी कि अगली बैठक में सूर्यकुमार कप्तान के तौर पर शामिल रहेंगे या नहीं। उनकी जगह अय्यर यह भूमिका निभाएंगे। सूर्यकुमार को हटाने और श्रेयस को नया कप्तान बनाने को लेकर सहमति बन चुकी है। हालांकि, शुरुआत में मुख्य कोच गौतम गंभीर संजू सैमसन को कप्तान बनाना चाहते थे पर बीसीसीआई और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने श्रेयस अय्यर के नाम पर ही सहमति जताई। बाद में कोच, बोर्ड और चयनकर्ताओं के बीच अय्यर को कप्तान और तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाने को लेकर अंतिम सहमति बन गई।

जल्द होगी टीम की घोषणा

सूर्यकुमार यादव, जिन्होंने हाल ही में भारतीय टीम का नेतृत्व किया था, अपनी खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किए जा रहे हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित होने वाली टीम में जगह मिलना मुश्किल लग रहा है। बीसीसीआई का यह कदम 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टीम को एक नई दिशा और नेतृत्व प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। अय्यर के लिए बतौर कप्तान पहली सीरीज आयरलैंड के खिलाफ होगी। भारतीय टीम 26 जून से आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। इसके बाद टीम इंडिया इंग्लैंड दौर पर रवाना होगी, जहां उन्हें मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। बीसीसीआई जल्द ही इन दौरों के लिए टीम की घोषणा करेगी।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। भारतीय रुपया गुरुवार को सात पैसे की बढ़त के साथ ही 95.64 पर बंद हुआ।1 अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थोड़ी राहत की सांस ली। शुरुआती कारोबार में रुपया 1 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 95.70 प्रति डॉलर पर खुला। पिछले सत्र में 95.71 पर बंद होने के बाद रुपये ने दिन की शुरुआत 95.70 के स्तर पर की, जिससे डॉलर के मुकाबले इसकी स्थिति में थोड़ा सुधार आया। यह सुधार बाजार में हल्की सकारात्मकता का संकेत देता है। रुपया थोड़ा कमजोर होकर फिर से 95.71 पर कारोबार करता देखा गया, जो बाजार की अस्थिरता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रुपये के प्रदर्शन को प्रभावित करते रहेंगे।

गेहूं मजबूत, दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल का औसत भाव लगभग स्थिर रहा।चावल के साथ चीनी की कीमत भी कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही टिकी रही।गेहूं में तेजी देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख रहा।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,857 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही।गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,785 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत भी दो रुपये बढ़ गयी।दाल-दलहनों में मसूर दाल औसतन 10 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी।उड़द दाल 10 रुपये और मूंग दाल पांच रुपये महंगी हो गयी।चना दाल और तुअर दाल के भाव में टिकाव रहा।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 75 रिंगिट गिरकर 4,602 रिंगिट प्रति टन बोला गया।जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.36 प्रतिशत की गिरावट में 78.43 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।सोया तेल नौ रुपये और सरसों तेल आठ रुपये सस्ता हुआ।पाम ऑयल 18 रुपये और वनस्पति सात रुपये महंगा हुआ।मूंगफली तेल में चार रुपये प्रति क्विंटल का टिकाव रहा।मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।वहीं, चीनी कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही।

एंजल वन ने अजीत नारायणन को किया मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी नियुक्त

मुंबई।

महाराष्ट्र में एंजल वन लिमिटेड ने अजीत नारायणन को अपना मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। नारायणन एंजल वन के इंजीनियरिंग विभाग का नेतृत्व करेंगे। वे प्लेटफ़ॉर्म के आर्किटेक्चर, परफ़ॉर्मेंस और स्केलेबिलिटी को आकार देंगे।साथ ही सभी टीमों में तेज़ी से काम पूरा करने की गति को बढ़ाएंगे। वे एंजल वन की मुख्य टेक्नोलॉजी की नींव को मज़बूत करेंगे।

भारत बन चुका है निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद जगह

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि मोदी सरकार की नीतियों और सुधारों के चलते आज भारत विश्व के सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है।उन्होंने मुंबई में आयोजित सिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2026 को गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से संबोधित करते हुए देश में विनिर्माण, व्यापार करने में सुगमता, बुनियादी ढांचे, भविष्योन्मुखी प्रौद्योगिकी अपनाने और वैश्विक व्यापार के साथ जुड़ाव मजबूत करने के लिए सरकार के प्रयासों का खाका प्रस्तुत किया।सम्मेलन में दुनिया भर के निवेशक निवेशक और व्यापार जगत के नेता भाग ले रहे हैं।श्री गोयल ने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है आने वाले दो दशकों में भारत की वृद्धि दर ऊंची बनी रहेगी।उन्होंने कहा कि भारत ने बदलती भू-राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप प्रक्रियाओं और व्यावसायिक रणनीतियों को पुनर्व्यवस्थित करके संकटों को अवसरों में परिवर्तित किया है और व्यापार, व्यवसाय, विनिर्माण और निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।श्री गोयल ने कहा कि कनाडा और अमेरिका में निवेशकों और व्यापारिक नेताओं के साथ उनकी हालिया मुलाकातों से भारत की आर्थिक संभावनाओं में वैश्विक विश्वास स्पष्ट हुआ है।उन्होंने प्रस्तावित भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते के लिए मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और पेंशन फंड, बीमा कंपनियों और अन्य संस्थागत निवेशकों की मजबूत रुचि को रेखांकित किया।न्यूयॉर्क में पिछले दिनों अग्रणी निवेश फर्मों और लगभग 50 कंपनियों के साथ हुई अपनी चर्चाओं का उल्लेख करते हुए श्री गोयल ने कहा कि भारत ने अपने आप को एकमात्र विश्वसनीय वैकल्पिक निर्णायक नेतृत्व, प्रौद्योगिकीय क्षमताओं और 1.4 अरब लोगों के विशाल उपभोक्ता बाजार द्वारा समर्थित एक सुरक्षित निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया है।

मारुति सुजुकी ने पेश की देश की पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार

नयी दिल्ली,(वार्ता) विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने देश की पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार पेश की।इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी उपस्थित रहे।फ्लेक्स-फ्यूल कार 20 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक इथेनॉल वाले ईंधन पर चल सकती है।कंपनी ने बताया कि ग्राहकों को ई20 से ई100 तक किसी भी अनुपात के एथेनॉल और पेट्रोल मिश्रण पर वाहन चलाने की सुविधा मिलेगी।मारुति सुजुकी ने यह तकनीक अपनी लोकप्रिय वैगन आर में पेश की है, जो भारतीय बाजार में पहले से ही सीएनजी और एलपीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों के विकल्पों के

साथ उपलब्ध है।श्री गडकरी ने कहा कि भारत हर साल बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है, और एथेनॉल जैसे जैव-ईंधन इस निर्भरता को कम करने तथा देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं।फ्लेक्स-फ्यूल वाहन एथेनॉल की मजबूत और स्थायी मांग पैदा कर सकते हैं, जिससे किसानों, उद्योग और पर्यावरण - सभी को लाभ होगा।उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल अन्य वाहन निर्माताओं को भी अपने फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल बाजार में उतारने और तेल उद्योग को एथेनॉल वितरण की अवसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रेरित करेगी।श्री पुरी ने कहा कि देश की एथेनॉल यात्रा अब रुकने वाली नहीं है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 14 अंक , निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव के बाद हल्की बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आज जहां बीएसई सेंसेक्स 14 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में 11 अंकों का उछाल आया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 11 अंक करीब 0.01 फीसदी की तेज़ी के साथ 74,360 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 23,416 के स्तर पर बंद हुआ आज बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में ज़्यादा तेज़ी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.49 फीसदी उछाल दर्ज किया गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 0.46 फीसदी का उछाल आया।

निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा 16.50 फीसदी बढ़त क्वालिटी वॉल्स के शेयरों में आई देखने को मिली। इसके अलावा टाइटन कंपनी में 3.48 फीसदी की बढ़त, कोल इंडिया में 1.98 फीसदीकी तेज़ी और सिप्ला में 1.71 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयरों में 1.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके बाद, बजाज फिनसर्व में 1.42 फीसदी की गिरावट। वहीं हिंडाल्को में 1.17 फीसदी की गिरावट आई। एसबीआई लाइफ में 1.09 फीसदी और अल्ट्राटेक

सीमेंट्स में 0.94 फीसदी की गिरावट रही।

आज सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मीडिया में 2.19 फीसदी की तेज़ी रही। निफ्टी इंडिया टूरिज्म में 1.15 फीसदी जबकि निफ्टी कैपिटल मार्केट में 1.13 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी एनर्जी में 0.62 फीसदी की तेज़ी। निफ्टी इंडिया डिफेंस - 0.47 फीसदीत की तेज़ी आई। निफ्टी पीएसयू बैंक - 0.41 फीसदी की तेज़ी और निफ्टी फार्मा में 0.38 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी रियल्टी में 0.26 फीसदी जबकि निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.26 फीसदी उछाल आया जबकि निफ्टी मेटल में 0.73 फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत दबाव के साथ हुई। सुबह के शुरुआती कारोबार में निफ्टी52.65 अंक गिरकर 23,355.10 पर खुला जबकि सेंसेक्स 126.59 अंक टूटकर 74,219.58 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजरें शुक्रवार को घोषित होने वाले भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के फैसलों पर टिकी हैं। ब्याज दरों और आर्थिक दृष्टिकोण को लेकर आरबीआई के संकेतों का इंतजार है, जिससे निवेशक फिलहाल बड़े दांव लगाने से बच रहे हैं। इस बीच, मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। बुधवार को ईरान द्वारा कुवैत हवाई अड्डे पर हमले और अमेरिकी प्रतिक्रिया की खबरों ने वैश्विक चिंता को और गहरा दिया है, जिससे निवेशकों ने बाजार से दूरी बनायी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान का शुभारंभ

'इंस्पायर्ड बाय नेचर, फॉर क्लाइमेट एंड फॉर अवर फ्यूचर' थीम पर केंद्रित होंगे आयोजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज विश्व पर्यावरण दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान का प्रात 11 बजे शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में 8 श्रेणियों में 11 राज्य स्तरीय पर्यावरण पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। उक्त पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली औद्योगिक इकाइयों, शैक्षणिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा व्यक्तियों को वर्ष 2024-25 के लिए दिये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सर्कुलर इकॉनॉमी विषय से संबंधित 5 कोर्स मॉड्यूल्स और एप्को एवं इन्टैक द्वारा मध्यप्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 16 जिलों की 500 बावड़ियों के प्रलेखन दस्तावेजों का विमोचन करेंगे। इस अवसर पर

पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नवाचारों, सर्कुलर इकॉनॉमी तथा जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों का भी प्रदर्शन और प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। आयोजन में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार और अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल भी शामिल होंगे। एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत नागरिकों, शैक्षणिक संस्थाओं, उद्योगों, स्व-सहायता समूहों, नगरीय निकायों, पंचायतों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाएगा। रोपे गए पौधों का जियो-टैगिंग कर उनका पंजीयन पोर्टल पर किया जाएगा।

पोर्टल के माध्यम से जियो-टैग्ड पौधों की निगरानी और संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। वर्ष 2024 में प्रारंभ हुए इस अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश में अब तक करोड़ों पौधे रोपे जा चुके हैं। यह अभियान 5 जून से 30 सितम्बर 2026 तक जन-सहभागिता के साथ प्रदेशभर में संचालित किया जाएगा।

जनप्रतिनिधि एवं पर्यावरणविद रखेंगे विचार

मध्यप्रदेश में पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन और जन-भागीदारी आधारित पौधारोपण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए जिला स्तर तक विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष आयोजन संयुक्त राष्ट्र की थीम 'इंस्पाइर्ड बाइ नेचर, फॉर क्लाइमेट एंड फॉर अवर फ्यूचर' तथा देशव्यापी संदेश 'नॉउ फ़ॉर क्लाइमेट' पर केंद्रित रहेगा। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास लक्ष्यों पर विशेषज्ञों, जनप्रतिनिधियों एवं पर्यावरणविदों द्वारा विचार रखे जाएंगे।

यह आयोजन प्रदेश में पर्यावरणीय चेतना को सुदृढ़ करने और समाज के विभिन्न वर्गों को पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

जिला स्तर पर होंगे विविध कार्यक्रम

सभी जिलों में पर्यावरण संरक्षण संबंधी जन-जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठियां, रैलियां, चित्र कला एवं निबंध प्रतियोगिताएं, पौध-रोपण अभियान, स्वच्छता गतिविधियां तथा पर्यावरण शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र तथा स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जिला स्तर पर 'एक पेड़-अनेक जीवन' तथा 'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए हमारा भविष्य' विषयों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जल संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन, प्लास्टिक-मुक्त वातावरण, स्वच्छता और हरित विकास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों को दें सघनता : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने की लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं आयुष विभाग की समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा की 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष विभाग को विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में सिकल सेल उन्मूलन गतिविधियों को सघनता के साथ संचालित करने के निर्देश दिये है। उन्होने कहा कि स्क्रीनिंग, उपचार, कार्ड और दवा वितरण प्रयासों के साथ ही रोग की जागरूकता के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाने चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के संकल्प को पूरा करने तक हमें थकना और रूकना नहीं है। इसलिए उन्मूलन और उपचार की नियमितता की जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में विशेष निगरानी की जाना जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल गुरुवार को लोक भवन में लोक स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और आयुष विभाग के साथ चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रत्येक मंगलवार को आंगनवाड़ी केन्द्र में माता और बच्चों को सिकल सेल एनीमिया के कारण, लक्षण और उपचार से संबंधित जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिये है। उन्होंने स्वास्थ्य और आयुष विभाग के सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों पर जिलेवार चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल को स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल स्क्रीनिंग, दवा और कार्ड वितरण आदि की विस्तार से जिलेवार जानकारी दी गई। आयुष विभाग द्वारा भी जिलेवार दवाई वितरण, परामर्श, उपचार और रोगियों से सतत संवाद के द्वारा उपचार गतिविधियों की जानकारी दी गई।

उन्मूलन कार्यों और गतिविधियों की सराहना

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार, सिकल सेल उन्मूलन के लिए संकल्पित है। मध्यप्रदेश सिकल सेल उन्मूलन के राष्ट्रीय स्तर के प्रयासों में अग्रणी है। यह संबंधित विभागों द्वारा सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की सही दिशा में सार्थक कार्यों का परिणाम है। उन्होंने स्वास्थ्य और आयुष विभाग के सिकल सेल उन्मूलन कार्यों और गतिविधियों की सराहना की। सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों से जुड़े सभी वरिष्ठ अधिकारियों सहित मैदानी अमले को बधाई दी। राज्यपाल को अपर मुख्य सचिवअशोक कुमार बर्णवाल ने विश्व सिकल सेल दिवस पर खंडवा जिले में प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में अवगत कराया। बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, आयुष विभाग के प्रमुख सचिव शोभित जैन, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती मीनाक्षी सिंह, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं आयुष विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और लोक भवन के अधिकारी मौजूद थे।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजन की समस्याएं

दमोह। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने जटाशंकर स्थित कार्यालय में क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवाद से ही समाधान का मार्ग प्रशस्त होता है तथा क्षेत्रवासियों की प्रत्येक समस्या का समयबद्ध निराकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

त्रैमासिक बैठक 8 जून को

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति तथा मिशन वात्सल्य, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, किशोर सशक्तिकरण, बाल विवाह एवं बाल हिंसा रोकथाम कार्यक्रम अंतर्गत गठित जिला टास्क फोर्स की त्रैमासिक बैठक का आयोजन 8 जून को किया जाएगा। बैठक समय-सीमा बैठक के पश्चात कलेक्ट्रेट सभाकक्ष दमोह में आयोजित होगी।

आरोपियों पर ईनाम घोषित

दमोह। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने दमोह जिले अंतर्गत थाना तेजगढ एवं थाना दमोह देहात के 2 प्रकरण में 6 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है । पुलिस अधीक्षक ने प्रकरणों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए जिले के थाना तेजगढ़ के अपराध क्रमांक 45/2026 धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत अरोपी शीतल कुर्मी पिता बली कुर्मी निवासी सुना थाना देवरी जिला सागर पर 2 हजार एवं थाना दमोह देहात के अपराध क्रमांक 240/2026 धारा 109 (१) 126 (2) 296, 115 (२) 3 (5) बीएनएस के तहत अरोपी भद्दू ऊर्फ कमलेश पिता चिंतामन आदिवासी उम्र 26 वर्ष, गोविंद ऊर्फ गुड्डू पटैल पिता गोपी पटैल उम्र 55 वर्ष, नरेन्द्र पटैल पिता केशव प्रसाद पटैल उम्र 36 वर्ष एवं आरोपी देवी पटैल पिता शंकरलाल पटैल उम्र 40 वर्ष निवासी हरद्वानी पर 1-1 हजार के मान से 4 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है।

मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत और अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय के लिए आकर्षक निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। इसी क्रम में निवेश, निर्यात और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक साझेदारियों को नई गति देने के उद्देश्य से 6 जून को इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 की बैठक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में राज्य सरकार के सहयोग से ग्लोबल इंडिया बिज़नेस फोरम द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण फोरम का आयोजन मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से रेडिसन ब्लू, इंदौर में होगा।

फोरम में लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के 15 देशों के वरिष्ठ राजनयिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें विभिन्न देशों के राजदूत, एक उच्चायुक्त और एक

इंदौर में 6 जून को होगा भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम 2026

महावाणिज्यदूत शामिल होंगे। इनके साथ निवेशक, निर्यातक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, व्यापार आयुक्त, एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और वरिष्ठ शासकीय अधिकारी सहित 350 से अधिक प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। चार प्रमुख वाणिज्य एवं उद्योग मंडल भी इसमें सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा निवेश संवर्धन और वैश्विक सहभागिता को लेकर किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियों, बेहतर अधोसंरचना, तेज निर्णय प्रक्रिया और निवेशक हितैषी वातावरण के माध्यम से नए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में यह फोरम भारत और लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के देशों के बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण साबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले पद्मश्री अवार्डी उमाकांत गुंदेचा और डॉ. व्यास

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मोहन से वर्ष 2012 में पद्मश्री से सम्मानित शास्त्रीय गायक उमाकांत गुंदेचा और वर्ष 2026 के लिए पुरातत्व विज्ञान क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित डॉ. नारायण व्यास ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट के दौरान डॉ. व्यास ने बताया कि उन्होंने पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर के साथ भोपाल के निकट रायसेन जिले के प्रख्यात शैल चित्रकला स्थल भीमबैठका से संबंधित अनुसंधान के अलावा गुजरात में अहमदाबाद के पास रानी की वाव की ऐतिहासिक बावड़ी से संबंधित अनुसंधान में भी योगदान दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुरातत्व क्षेत्र में किए गए अपने कार्यों से संबंधित प्रकाशन भी भेंट किए। इस वर्ष प्राप्त पद्मश्री सम्मान और प्रशस्ति-पत्र से भी अवगत करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री गुंदेचा से शास्त्रीय गायन की प्रस्तुतियों पर भी चर्चा की।

तेज आंधी-बारिश से उड़े घरों के छप्पर

अनाज व गृहस्थी का सामान खराब

हटा (स्वतंत्र मत)।

गुरुवार दोपहर अचानक बदले मौसम ने हटा क्षेत्र के ग्राम छपरा और बोरी खुर्द में भारी नुकसान पहुंचाया। तेज आंधी, तूफान और बारिश के कारण आधा दर्जन से अधिक घरों के छप्पर उड़ गए जिससे घरों में रखा अनाज और घरेलू सामग्री खराब हो गई। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि छप्परों के अवशेष करीब 500 मीटर दूर तक जा पहुंचे। तूफान के दौरान उड़कर आई टीन की चद्दर लगने से नीरज पटेल घायल हो गए। परिजनों द्वारा उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार कराया गया।

आंधी और बारिश से प्रभावित परिवारों में बबलू पटेल, मख्खन पटेल, रमेश पटेल, हरिदास पटेल,

राम किशुन पटेल, लखन पटेल, कंछेदी पटेल और प्रभु पटेल शामिल हैं। ग्रामीणों के अनुसार घरों में रखी प्याज और गेहूं भीगकर खराब हो गए। वहीं रसोई में रखी सामग्री धूल और पानी भरने से प्रभावित हुई। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर में अचानक मौसम बदलने के साथ तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई जिससे कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। हालांकि मौसम में आई ठंडक से लोगों को गर्मी से राहत मिली लेकिन प्रभावित परिवारों को खासा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

वाहन चालकों को जागरूक करने खुद सड़क पर उतरे पुलिस अधीक्षक

चैकिंग अभियान चलाया, हेलमेट वितरित किए

दमोह (स्वतंत्र मत)।

वाहन चालकों की सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन हो हेलमेट के लगाकर दो पहिया वाहन चलाने लोगों को जागरूक करने पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि ने स्वयं सड़कों पर उतरकर चेकिंग अभियान चलाया। वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। जान की सुरक्षा के लिए हेलमेट का वितरण भी किया और यातायात के नियमों का पालन

करने की अपील की गई। यातायात पुलिस द्वारा भी शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर सघन वाहन चेकिंग की गई। इस दौरान 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा वाहन चलाने, मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही वाहन चालकों एवं आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट के महत्व की जानकारी दी गई तथा हेलमेट का नियमित उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान कई वाहन चालकों को हेलमेट वितरित कर सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया गया।

दमोह पुलिस द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें तथा दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करें। पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगि के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में दमोह शहर में यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने तथा शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु विशेष यातायात चेकिंग एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जिले को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने कार्यकारिणी समिति गठित

दमोह। जिले को पर्यटन हब के रूप में विकसित किए जाने हेतु जिला स्तरीय कार्य योजना तैयार करने के लिए एक कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है। गठित समिति के अध्यक्ष जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रवीण फुलपगारे होंगे।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS LENY MATHEW I, HAVE CHANGED THE SPELLING OF MY SURNAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS LENY MATTHEW S/O LADLIE MATHEW RESIDENT OF FLAT NO. 505, DUTT RESIDENCY, IN FRONT OF RAILWAY STADIUM, JABALPUR MADHYA PRADESH 482001.

भावांतर योजना में सोयाबीन रीसायकल घोटाला

हटा। कृषि उपज मंडी हटा में भावांतर योजना के तहत हुई सोयाबीन खरीदी में कथित रीसायकलिंग एवं अनियमितता के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी गल्ला व्यापारी को दमोह पुलिस ने गिरफ्तार किया लेकिन 24 घंटे के भीतर हटा पुलिस ने नोटिस देकर उसे रिहा कर दिया। वहीं मामले के एक अन्य आरोपी को उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत मिल गई है जबकि एक आरोपी अभी भी फ़रार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 में भावांतर योजना के अंतर्गत सोयाबीन खरीदी के दौरान हुई कथित गड़बड़ियों की जांच मंडी बोर्ड के उड़नदस्ता दल द्वारा 18 नवंबर 2025 को की गई थी। जांच में बीठल ट्रेडर्स, अग्रवाल ट्रेडिंग एवं मां चंडी इंटरप्राइजेज से संबंधित व्यापारियों के खरीदी अभिलेखों एवं गोदामों में उपलब्ध स्टॉक के बीच अंतर पाया गया था। जांच प्रतिवेदन में सोयाबीन के रीसायकल किए जाने की आशंका व्यक्त की गई थी। उड़नदस्ता प्रभारी एवं सहायक संचालक मंडी बोर्ड सागर द्वारा कृषि उपज मंडी हटा के सचिव को पुलिस में प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद तत्कालीन कलेक्टर सुधीर कोचर के हस्तक्षेप पर हटा थाना में अपराध क्रमांक 428/25 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 316 (५) 318 (4) तथा मंडी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था। प्रकरण में गल्ला व्यापारी प्रखर अग्रवाल, प्रकाश बीठल एवं रामस्वरूप असाटी को आरोपी बनाया गया था।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 04/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री दरोगा प्रसाद पिता स्व. रक्षा प्रसाद (2) श्रीमति सुगंती देवी पत्नी दरोगा प्रसाद ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम दादा ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक 61/127,61/126/1 पिपरिया सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003007955 से नया पिन पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1810 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1200 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राम इंटरप्राइजेज पिता श्री दीपक साहू का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 04/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जय रिचर्ड बेलेस्की पिता स्व. जॉन बेलेस्की ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक 178/2 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000429500 से पिन नया पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 750 व.फु. प्रथम तल 653 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र वसीयतनामा के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती सुंदरमनी बेलेस्की पति जॉन बेलेस्की का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 04/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री एडगर रवि वेलेस्की पिता जॉय रिचर्ड वेलेस्की (2) श्रीमति कल्पना नारो पत्नी एडगर रवि ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक 178/1 सी.एम.एस. चर्च कम्पाउण्ड सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000429500 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 750 व.फु. प्रथम तल 653 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र वसीयतनामा के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती सुंदरमनी वेलेस्की पति जॉन वेलेस्की का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 04/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शेरू कुमार पिता शिवनंद सिंह ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मीबाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 14 ब्लाक सी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000089529 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1003.5 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 900 व.फु. प्रथम तल 100 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री पलाश सिन्हा पिता प्रदीप कुमार सिन्हा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 04/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति चेतना बनोतिया पत्नी अविनाश बनोतिया ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंतीबाई के भवन क्रमांक प्लाट क्र. 263/ए चैतन्य सिटी फेस-2 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000381985 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 750 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 700 व.फु. प्रथम तल 700 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री मयंक राजपूत का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 04/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति नेहा वर्मा पत्नी प्रेमशंकर प्रसाद ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानीलक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 258 राजुल सिटी फेस-1 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002872273 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1200 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री मनोज कुमार तिवारी पिता श्री देवीदत्त तिवारी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

➤ जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हो रहे कार्य

चकाचक हुए शहर के ऐतिहासिक 70 कुएं

जबलपुर। मप्र शासन के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के संबंध में जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रयास जारी हैं। इन प्रयासों के तहत् शहर के सभी प्रमुख ताल तलैयों के अलावा कुओं की भी सफाई कराई जा रही है। शहर के पारंपरिक ताल-तलैयों और बावलियों की सफाई के साथ-साथ 100 ऐतिहासिक और पारंपरिक कुओं के कायाकल्प का बड़ा लक्ष्य तय किया गया है। इस अभियान के तहत अब तक 70 ऐतिहासिक कुओं की सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य पूरा किया जा चुका है।

➤ कर्मचारी हुआ घायल

ओएफके में डेटोनेटर फिलिंग के दौरान हादसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आयुध निर्माणी खमरिया (ओएफके) के फिलिंग सेक्शन में गुरूवार को एक हादसे में कर्मचारी घायल हो गया। जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ओएफके जनसम्पर्क अधिकारी अविनाश शंकर ने बताया कि फिलिंग अनुभाग में डेटोनेटर की फीलिंग के दौरान प्रथमेश ठाकुर (टीबीडब्लु) को फ्लैश हो जाने के कारण दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में जलने का घाव हो गया। कर्मचारी को आयुध निर्माणी खमरिया हॉस्पिटल में आक्समिक उपचार के बाद पूर्ण जांच के लिए महाकौशल हॉस्पिटल भेजा गया।

कोयला घोटाला: एसईसीएल के 4 अधिकारियों को सीबीआई कोर्ट ने सुनाई सजा

अनूपपुर की बहेराबन्द कोल स्टाक यार्ड में 11382 मीट्रिक टन कम मिली थी कोयले की मात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रूपेश कुमार गुप्ता की कोर्ट ने कोयला घोटाले के आरोपित एसईसीएल के 4 अधिकारियों एके गोस्वामी, आरएल प्रसाद, एमएम शर्मा व आरडी दीवान का दोष सिद्ध पाया है। इसी के साथ चारों को सजा सुनाते हुए जुर्माना भी लगाया है । जानकारी के मुताबिक एके गोस्वामी व आरएल प्रसाद को 4-4 वर्ष के कारावास के साथ जुर्माने से दंडित किया गया है। जबकि एमएम शर्मा व आरडी दीवान को एक-एक वर्ष के कारावास के साथ रुपये जुर्माने से दंडित किया गया है। सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से विशेष अभियोजक संजय उपाध्याय ने पक्ष रखा।

ये है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक सीबीआई को एसईसीएल हसदेव एरिया के अंतर्गत बहेराबन्द भूमिगत खदान जिला अनूपपुर में कोयले के स्टाक में घोटाले के संबंध में जानकारी मिली थी। इसके बाद एसईसीएल बिलासपुर के सतर्कता विभाग व सीबीआई के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा बहेराबन्द भूमिगत खान के अनुमोदित कोल स्टाक यार्ड में कोयले की उपलब्ध मात्रा का पता लगाने के लिए संयुक्त निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में बहेराबन्द कोल स्टाक यार्ड में बुक स्टाक की तुलना में लगभग 11382 मीट्रिक टन कोल की मात्रा कम पाई गई थी। लिहाजा, आरोपितों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया।

जो 38 वर्षों से सेवाएं दे रहे, उनकी नियुक्तियां अवैध कैसे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि जो 38 वर्ष से सेवा दे रहे हैं, वे अवैध-अनियमित नियुक्ति के दायरे में नहीं रखे जा सकते। लिहाजा नगर निगम जबलपुर की अपील निरस्त की जाती है। हाईकोर्ट ने अपनी तल्ख टिप्पणी में कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है जहां याचिकाकर्ता नगर निगम के कार्यालय में आए और दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने लगे। उनकी नियुक्ति नगर निगम में कार्यरत तत्कालीन सक्षम अधिकारियों द्वारा की गई थी और यह नियुक्ति लगभग 38 वर्षों से जारी है। नगर निगम लगभग लंबे समय से सेवाएं ले रहा है, इस स्तर पर कर्मचारियों का शोषण नहीं किया जा सकता। मामले की सुनवाई के दौरान नगर निगम की ओर से अधिवक्ता जगत सिंह व प्रतिवादी अजय कुमार सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील देते हुए बताया कि नगर निगम ने यह अपील हाईकोर्ट की एकलपीठ द्वारा प्रतिवादियों के हक में सुनाए गए राहतकारी आदेश के विरुद्ध दायर की है। एकलपीठ ने अपने आदेश में अजय कुमार सहित अन्य की मांग स्वीकार कर ली थी। साथ ही निर्देश दिया था कि 16 मई, 2007 की नीति और 29 सितंबर 2014 के स्पष्टीकरण के अनुसार 60 दिन के भीतर सेवाओं में नियमित करें। 1986 में दैनिक वेतनभोगी के रूप में नियुक्ति के बावजूद उनसे अपेक्षाकृत कनिष्ठ नियमित कर दिए गए, किंतु उन्हें पक्षपात का शिकार बनाकर वंचित कर दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जबलपुर आ सकती हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शामिल होने की संभावना है। उनके साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी मौजूद रह सकते हैं। हालांकि राष्ट्रपति का दौरा अभी प्रस्तावित माना जा रहा है, लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। राष्ट्रपति के संभावित आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर लगातार बैठकों का दौर जारी है। प्रशासन कार्यक्रम को भव्य और व्यवस्थित रूप से आयोजित करने की तैयारी में जुटा हुआ है। इधर शिक्षा विभाग भी पूरी तरह सक्रिय हो गया है। योग दिवस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए स्कूलों के शिक्षकों और क्लास टीचर्स के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुपों में विशेष संदेश भेजे जा रहे हैं। शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने स्कूलों के छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित करें और जानकारी तत्काल फॉरवर्ड करें। कार्यक्रम के आयोजन स्थल को लेकर भी मंथन जारी है। राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर लैंडिंग के लिए शहर के गैरीसन ग्राउंड और ग्वारीघाट स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज मैदान को संभावित स्थल माना जा रहा है।

बिना फायर एनओसी के चल रहीं इमारतों पर नगर निगम कसेगा शिंकजा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में बनी फ्लोरिश स्टे बी एंड बी होटल में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अब शहर में बनी दर्जनों होटलों में भी फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। आपकों बता दें कि दिल्ली की होटल में हुए इस अग्निकांड में 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। जबकि कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। जबलपुर की बात करें तो यहां आए दिन गर्मी में कई जगह आग लगने की घटनाएं सामने आ रही है। लेकिन इसके बावजूद शहर के कई होटल, गोदाम और व्यावसायिक भवन अब भी अग्नि सुरक्षा मानकों से दूर हैं। कई इमारतों में फायर सिस्टम ही नहीं है और जहां लगे भी हैं, वहां उनके समय पर काम करने को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

दिल्ली की होटल में हुए अग्निकांड के बाद कार्यवाही का दौर शुरू

संकरी गलियों में होटलों का संचालन

जानकारी के मुताबिक शहर में कई होटले संकरे इलाकों में संचालित हो रही हैं। जहां आग लगने की स्थिति में राहत और बचाव कार्य करना बेहद मुश्किल हो सकता है। नेशनल बिल्डिंग कोड और अग्नि सुरक्षा नियमों के अनुसार नगरीय सीमा में 15 मीटर से अधिक ऊंचाई या 500 वर्गमीटर से बड़े भवनों और होटलों के लिए फायर एनओसी अनिवार्य है, लेकिन छोटे और मझोले होटल संचालक इस नियम की आड़ लेकर पर्याप्त अग्नि सुरक्षा इंतजाम नहीं कर रहे हैं। वहीं शहर के कई इलाके अब फायर हॉट-स्पॉट के रूप में सामने आ रहे हैं। मदनमहल, गंगासागर, गुलौआ और गुरंदी बाजार क्षेत्रों में लकड़ी और प्लाईवुड के बड़े कारखाने संचालित हो रहे हैं। वहीं मालवीय चौक, गोल बाजार, उखरी और दमोह नाका जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टायर गोदाम मौजूद हैं, जहां आग लगने की स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। इधर नगर निगम का दावा है कि इस वर्ष अब तक लगभग 350 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। वहीं महापौर का कहना है कि फायर विभाग की टीम लगातार बड़े भवनों और संस्थानों की जांच कर रही है और फायर सेफ्टी मानकों का पालन सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि जमीनी स्तर पर हालात अब भी चिंताजनक बने हुए हैं। जानकारी के मुताकिबक शहर में वर्तमान स्थिति में 100 से अधिक होटल संचालित हो रहे हैं। जिनमें से नाम मात्र के पास ही फायर एनओसी उपलब्ध है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**